

घटिया काम करने पर शर्म आनी.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



मैडॉक फिल्म्स के साथ 9वीं.. 11

वर्ष - 02, अंक - 213 | गाजियाबाद / बुधवार 04 नवम्बर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए



इंडियन नेवी ने लुटेरों से ईरानी जहाज को बचाया

सोमालिया के लुटेरों ने क्रू के 20 लोगों का अपहरण किया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना ने सोमाली समुद्री लुटेरों के कब्जे से मछली पकड़ने वाला जहाज अजिनी छुड़ा लिया। नौसेना ने जहाज के 20 ईरानी क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचाया। यह ऑपरेशन सोमवार को पूरा हुआ। 12 हथियारबंद समुद्री लुटेरों ने गुरुवार को सोमालिया के उत्तर-पूर्वी तट जहाज का अपहरण किया था। मुंबई से 3,000 किमी से ज्यादा दूर चले 48 घंटे के ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना ने भी मदद की। भारतीय नौसेना ने अजिनी को खोजकर रोका। इसके बाद जहाज और उसके क्रू को समुद्री लुटेरों से छुड़ाया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय नौसेना को सफल ऑपरेशन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना ने समय पर मदद की। आशंका थी कि लुटेरे इसका इस्तेमाल व्यापारिक जहाजों पर आगे हमले करने के लिए करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक, अपहरण के समय जहाज पर 21 ईरानी क्रू सदस्य और दो सोमाली सुरक्षा गार्ड थे। इस तरह जहाज पर कुल 23 लोग सवार थे। अजिनी का अपहरण अदन की खाड़ी और पश्चिमी हिंद महासागर में सोमाली समुद्री लूट की घटनाएं बढ़ने के बीच हुआ। हाल के महीनों में कई व्यापारिक जहाजों पर हमले हुए हैं।

मुंबई से 3000 किमी दूर ऑपरेशन, 48 घंटे चला ऑपरेशन

श्रीनगर से सांसद मेहंदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस छोड़ी

जनसभा में सांसद पद से इस्तीफे का किया ऐलान

श्रीनगर (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस से श्रीनगर के सांसद आगा रूहुल्लाह मेहंदी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने संसद की सदस्यता भी छोड़ने का ऐलान किया। मंगलवार

- 24 विधायक भी पार्टी छोड़ने की धमकी दे चुके हैं

को बडगाम में जनसभा करके उन्होंने सार्वजनिक रूप से इस्तीफे पर हस्ताक्षर किए। रूहुल्लाह ने कहा- यह आजादी का फैसला है। मैं एक शहीद की विरासत और पाक खून की नस्ल का प्रतिनिधित्व करता हूं। मैं अपनी आजादी के दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर रहा हूं। आज दोपहर 2.40 बजे से मैं नेशनल कॉन्फ्रेंस



का हिस्सा नहीं हूं। उन्होंने बडगाम में पिता आगा सैयद मेहंदी की 26वीं पुण्यतिथि पर जनसभा बुलाई थी। रूहुल्लाह ने बताया कि वे अपना इस्तीफा मुहम्मद अशरफ मट्टू के जरिए पार्टी को भेजेंगे। उन्होंने पार्टी पर लोगों की गरिमा से समझौता करने का आरोप लगाया।

पंजाब में अकाली-बीजेपी गठबंधन लगभग तय!

- दीवाली के बाद लगेगी मुहर दोनों पार्टियां हैं तैयार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी और अकाली दल के बीच गठबंधन को लेकर चर्चाएं तेज हैं। इस बीच दोनों पूर्व एनडीए सहयोगियों के बीच गठबंधन पर अंतिम फैसला दीवाली के आसपास होने की उम्मीद



है। पीएम मोदी खुद इस गठबंधन को लेकर ऐलान कर सकते हैं। बता दें कि इस घोषणा को एक ऐतिहासिक रूप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बठिंडा में एक विशाल रैली कराने की तैयारी भी चल रही है। बताया जा रहा है कि इस रैली में पीएम मोदी अकाली दल और बीजेपी के बीच गठबंधन को लेकर ऐलान कर सकते हैं। हालांकि, सीटों के बंटवारे को लेकर अभी अंतिम स्थिति स्पष्ट नहीं है। सूत्रों की मानें तो बीजेपी 45 से 50 सीटों पर समझौता कर सकती है।

अमित शाह से मिले चिरंजीवी व राम चरण

- बोले-एआई और डीपफेक तकनीक से कलाकारों को खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलुगु सुपरस्टार चिरंजीवी और उनके बेटे राम चरण ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों कलाकारों ने फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिफिशियल



इंटेलिजेंस और डीपफेक तकनीक के बढ़ते गलत इस्तेमाल पर चिंता जताई। चिरंजीवी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस मुलाकात की जानकारी दी। गृह मंत्री अमित शाह ने उनकी बातों को गंभीरता से सुनते हुए सरकार की ओर से सख्त नियम और कड़े दंड का प्रावधान करने का आश्वासन दिया। साथ ही लिखित आवेदन जमा करने की सलाह दी।

त्रिपुरा में बीएसएफ जवानों पर तस्करों ने किया हमला

- 3 घायल, अब तक 8 गिरफ्तार ढाई साल में ऐसी 3 घटनाएं



अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के आशाबाड़ी बॉर्डर आउटपोस्ट के पास सोमवार को कुछ तस्कर अवैध सामान ले जाने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान बीएसएफ की 49वीं बटालियन के जवानों ने उनका पीछा किया और एक संदिग्ध को पकड़ लिया। उसकी पहचान हिफजुर रहमान के रूप में हुई है। इसी दौरान रहीमपुर कांतामुरा बॉर्डर आउटपोस्ट से बीएसएफ के 3 जवान गाड़ी से बॉक्सानगर जा रहे थे। रास्ते में तस्करों के एक समूह ने उन्हें घेरकर हमला कर दिया। हमलावरों ने जवानों के हथियार छीनने की कोशिश की और उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ की। पुलिस ने मामले में 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। सीएम माणिक साहा ने घटना की निंदा की है और आरोपियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, हमारा अखबार इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। त्रिपुरा में इस घटना के साथ बीएसएफ जवानों पर हमले की 3 घटनाएं हो चुकी हैं। अप्रैल 2024 में दुर्गापुर गांव में तस्करी रोकने पर भीड़ ने जवानों पर हमला किया था, जिसमें 3 जवान घायल हुए थे। वहीं, नवंबर 2025 में बिशालगढ़ में संदिग्ध पशु तस्करों को रोकने पर भीड़ ने बीएसएफ की गाड़ी में तोड़फोड़ की थी।

एक जगह अनिश्चितकाल तक धरना नहीं दे सकते

सुप्रीम कोर्ट बोला-प्रदर्शन एक का नहीं, सबका अधिकार

कहा-रोजगार और कारोबार का ध्यान रखना भी है जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने विरोध प्रदर्शनों, लोगों को बड़ी संख्या में हिरासत में लेने, पुलिस की बर्बरता, मेट्रो स्टेशनों को बंद करने और इंटरनेट बंद किए जाने के खिलाफ व्यापारियों की याचिकाओं पर आज मंगलवार को सुनवाई की। भारत के

- दिल्ली में हुए प्रदर्शनों को लेकर सीजेआई की सख्त टिप्पणी

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, आप किसी जगह पर हमेशा के लिए कब्जा नहीं कर सकते।

अन्य प्रदर्शनकारी भी हैं। किसान या वकील कहां जाएंगे। हर किसी को विरोध करने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी पिछले महीने दिल्ली के जंतर-मंतर पर विपक्षी दलों और अन्य लोगों द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के खिलाफ किए गए बड़े विरोध प्रदर्शन की सुनवाई के दौरान आई, जब



उस जगह से विरोध प्रदर्शन स्थल का दर्जा हटाए जाने की प्रक्रिया चल रही थी। सुप्रीम कोर्ट में व्यापारिक संगठनों ने याचिका दायर की, जिसमें बताया कि विरोध प्रदर्शनों की वजह से उनका काफी नुकसान हो रहा है। कोर्ट ने व्यापारियों के संगठनों से कहा है कि वे एंटी-सरकार विरोध प्रदर्शन के आयोजकों को भी अपनी याचिका में पक्षकार बनाएं। विरोध प्रदर्शन के चलते व्यापारियों की स्थिति बताते हुए उनके वकील ने कोर्ट से कहा, विरोध स्थल के आस-पास के इलाकों में 50 लाख लोग रहते हैं। सभी दुकानें बंद हैं और आज कनॉट प्लेस में कोई नहीं है।

सरकार के शीर्ष वकील तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि जो कोई भी विरोध प्रदर्शन का आह्वान करता है, उसे अपने कार्यों के नतीजों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

व्यापारियों ने कहा-त्योहारों में 2000 करोड़ का नुकसान

सुनवाई के दौरान दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि प्रदर्शनों के कारण दिल्ली में कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। त्योहारों के सीजन में दुकानें बंद रहीं और बिक्री घट गई। उन्होंने दावा किया कि कारोबारियों को करीब 2,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अगर त्योहारों के सीजन में बिक्री नहीं होगी तो व्यापारियों और उनसे जुड़े लोगों को भारी नुकसान होगा। उन्होंने कोर्ट से अगले दो महीने तक किसी भी तरह के प्रदर्शन या धरने पर रोक लगाने की मांग की। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दिल्ली पुलिस की ओर से कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए सिर्फ एक दिन की अनुमति दी गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारी 17 दिन तक वहां बैठे रहे। मेहता ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने बिना अनुमति संसद की ओर मार्च भी किया। संसद देश की संप्रभुता का प्रतीक है। बिना अनुमति संसद या सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि जो संगठन बंद या प्रदर्शन का आह्वान करता है, उसे उसके परिणामों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

मोदी बोले-पहले गरीबी खत्म करने के वादे होते थे, अब जमीनी स्तर पर काम हो रहा

छोटे शहरों को भी विकास के केंद्र के रूप में तैयार करना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश की कई पीढ़ियों ने गरीबी खत्म करने के वादे सुने हैं। पहले गरीबी के खिलाफ लड़ाई सिर्फ नारों तक सीमित थी, लेकिन अब इसे खत्म करने के लिए जमीन पर काम हो रहा है। उन्होंने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पुणे मेट्रो की करीब 21,800 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस भी शामिल हुए। आज दुनिया में भारत की चर्चा दो और वजहों से हो रही है। पहली, दुनिया में मुश्किल हालात के बावजूद भारत सबसे तेज आर्थिक विकास करने वाला देश बना हुआ है। दूसरी, सिर्फ 10 से 12 साल में भारत के 50 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर आए हैं। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट में भी इसका जिक्र किया गया है।



महाराष्ट्र में खराब मौसम से कई किसान परेशान हैं

महाराष्ट्र में खराब मौसम से कई किसान परेशान हैं। देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में पिछले कुछ सालों में जल संरक्षण के लिए काम हुआ है, लेकिन प्राकृतिक आपदा से किसानों को नुकसान हुआ है। इस मुश्किल समय में एनडीए सरकार किसानों की हर संभव मदद करेगी। देश के सैकड़ों छोटे शहरों को भी विकास के केंद्र के रूप में तैयार करना होगा। इसी सोच के साथ इस साल फरवरी में अर्बन चैलेंज फंड को मंजूरी दी गई थी। केंद्र सरकार इस फंड के लिए 1 लाख करोड़ की मदद दे रही है। पुणे मेट्रो लाइन का निर्माण पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी से हुआ है।

अग्निवीरों के पहले बैच को एक्सटेंशन दे सकती है सरकार

21 नवंबर को खत्म होगा कार्यकाल, दिल्ली में हुई कई हाईलेवल बैठकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार पहले बैच के कुछ अग्निवीरों की चार साल की सेवा पूरी होने के बाद एक्सटेंशन देने पर विचार कर रही है। यह उन अग्निवीरों के अलावा होगा, जिन्हें स्थायी रूप से सेना में शामिल किया जाएगा। पहले बैच की चार साल की सेवा 21 नवंबर को खत्म होगी। इससे पहले स्थायी भर्ती की प्रक्रिया चल रही है और एक्सटेंशन के प्रस्ताव पर फैसला होने की उम्मीद है। सोमवार को सामने आई जानकारी के मुताबिक, इस प्रस्ताव पर पिछले कुछ दिनों में कई हाईलेवल बैठकें हो चुकी हैं। अभी सरकार ने कोई फैसला घोषित नहीं किया है। प्रस्तावित एक्सटेंशन कितने समय का होगा, यह अभी साफ नहीं है। अग्निपथ योजना 2022 में शुरू की गई थी। इसके तहत तीनों सेनाओं के अन्य रैंक में युवाओं की चार साल के लिए भर्ती की जाती है।



जेन-जी आंदोलन पर सुनील आंबेकर बोले-देशहित में होना चाहिए

आरएसएस के 3 साल का एजेंडा तय, 5 मुद्दों पर फोकस

इंदौर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अगले तीन साल सामाजिक समरसता, पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली, कुटुंब प्रबोधन, स्व का भाव और नागरिक कर्तव्य जैसे पांच विषयों पर फोकस करेगा। संघ ने इन्हें पंच परिवर्तन नाम दिया है। शताब्दी वर्ष के दौरान इन विषयों को समाज तक पहुंचाने के लिए गृह संपर्क अभियान, सम्मेलन और विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इंदौर में सोमवार को शुरू हुई अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की तीन दिवसीय बैठक में इन कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ आगामी तीन वर्षों की कार्ययोजना पर मंथन हुआ। बैठक के बाद अखिल भारतीय



प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने जेन-जी आंदोलन से जुड़े सवाल पर कहा कि देश में कोई आवाज उठाता है तो संघ को पक्ष-विपक्ष के नजरिए से क्यों देखा जाता है। उन्होंने कहा कि सभी को ध्यान रखना चाहिए कि आंदोलन देशहित में हो। संघ इस विषय में सतर्क रहता है और आगे भी रहेगा।

महिलाओं और युवाओं को जोड़ने पर चर्चा

शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी रही। बैठक में इस अनुभव के आधार पर महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए नए कार्यक्रमों और उपक्रमों पर विचार किया गया। युवाओं को जोड़ने के लिए शहरों, गांवों और कॉलेज कैंपस में आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा हुई। इनमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और अन्य युवाओं ने हिस्सा लिया था। बैठक के एजेंडे में युवाओं में नशीली दवाओं के बढ़ते चलन पर चिंता और इससे निपटने के प्रयास भी शामिल रहे। आंबेकर ने कहा कि नशे की समस्या से निपटने के लिए सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर प्रयास जरूरी हैं।

देशभर में 1.01 लाख से ज्यादा दैनिक शाखाएं

आंबेकर के मुताबिक, देशभर में संघ की दैनिक शाखाओं की संख्या बढ़कर 1 लाख 1 हजार 151 हो गई है। साप्ताहिक और मासिक मिलन को मिलाकर संघ का काम 1 लाख 10 हजार 849 स्थानों तक पहुंच गया है। पिछले साल अक्टूबर की तुलना में शताब्दी वर्ष के दौरान 13 हजार से अधिक नई दैनिक शाखाएं जुड़ी हैं। बैठक में शाखाओं के विस्तार के प्रयासों और उनके परिणामों की समीक्षा की गई। शाखाओं के साथ साप्ताहिक और मासिक मिलन की गतिविधियों को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई। शताब्दी वर्ष के दौरान देशभर में 65 हजार 660 हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

होर्मुज में भारतीय जहाज पर हमला, एक की मौत

14 भारतीय सवार थे, 13 इंडियनों को बचाया गया

ओमान (एजेंसी)। होर्मुज स्ट्रेट में 2 नवंबर को एक भारतीय जहाज पर हमला हुआ। इसमें गुजरात के एक नाविक की मौत हो गई। जहाज पर सवार बाकी 13 भारतीयों को ओमान के कोस्ट गार्ड ने सुरक्षित बचा लिया। मृतक की पहचान गांधार नाहीम अजीज के रूप में हुई है। जहाज का नाम अल जुसुफी है। हमला कैसे हुआ और किसने किया इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।



हमले के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना बंद होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों पर जहाजों की आवाजाही और कारोबार बिना किसी रुकावट के जारी रहना चाहिए। ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा एजेंसी के मुताबिक, इस साल अक्टूबर में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास जहाजों पर 30 से ज्यादा हमले हुए। ईरान-अमेरिका जंग शुरू होने के बाद एक महीने में हमलों की यह सबसे बड़ी संख्या थी।

पहले भी भारतीय नाविकों वाले जहाज पर हमला हुआ था

होर्मुज स्ट्रेट में इससे पहले 29 अक्टूबर को भारतीय नाविकों वाले जहाज को निशाना बनाया गया था। 27 भारतीय क्रू सदस्यों वाले तेल टैंकर लुईस 1 पर हमला हुआ था। पनामा के झंडे वाले इस जहाज के पास एक छोटी नाव आई थी। उसमें सवार लोगों ने जहाज के बाहरी हिस्से पर दो विस्फोटक चिपका दिए थे और वहां से चले गए। कुछ देर बाद दोनों विस्फोटकों में धमाका हुआ। इससे जहाज के इंजन रूम में आग लग गई और इंजन कुछ समय के लिए बंद हो गया। हालांकि, क्रू ने आग पर काबू पा लिया।

टाइगर श्रॉफ गोलीबारी केस : करनाल से महिला गिरफ्तार, कुल 13 आरोपी हिरासत में

मुंबई, एजेंसी। मुंबई अपराध शाखा ने अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुई गोलीबारी के मामले में हरियाणा के करनाल से एक महिला को गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी के साथ, मामले में अब तक कुल 13 लोगों को हिरासत में लिया है। मुंबई पुलिस के अधिकारी ने बताया कि 22 वर्षीय आरोपी महिला को करनाल से पकड़ा गया। हालांकि, अपराध में उसकी विशिष्ट भूमिका का अभी तक खुलासा नहीं किया गया है। और महिला को मुंबई लाने की कानूनी प्रक्रिया जारी है। यह घटना 18 अक्टूबर को मुंबई के जुहू इलाके में हुई थी, जब टाइगर श्रॉफ एक फुटबॉल मैदान से बाहर निकल रहे थे। गोलीबारी में अभिनेता बाल-बाल बच गए थे, लेकिन उनके कार चालक और पास खड़े एक ब्लॉगर घायल हो गए थे। गिरफ्तार किए गए कुल आरोपियों में अब तीन महिलाएं शामिल हैं।

चक्रवात मुरासु : ओडिशा में बारिश, 1.60 लाख लोग सुरक्षित

भुवनेश्वर, एजेंसी। आंध्रप्रदेश के तट पर गंभीर चक्रवाती तूफान मुरासु के टकराने के बाद ओडिशा के दक्षिणी जिलों में हल्की बारिश दर्ज हुई है। राज्य सरकार ने किसी भी प्रतिकूल मौसम स्थिति से निपटने के लिए सभी जिलाधिकारियों को तैयार रहने का निर्देश दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा भारी बारिश और तेज हवाओं के पूर्वानुमान को देखकर दक्षिण क्षेत्र के पांच जिलों से 1.60 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और आपदा प्रतिक्रिया टीमों को तैनात किया गया है। ओडिशा के आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बताया कि कोरापुट, मलकानगिरि, कंधमाल और कालाहांडी सहित कई जिलों से हल्की बारिश की सूचना है। उन्होंने कहा कि राज्य लगातार हाई अलर्ट पर है, क्योंकि पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन ओडिशा के लिए एक बड़ी चुनौती है। मंत्री पुजारी ने लोगों से अपील की है कि वे मौसम सामान्य होने तक आश्रय स्थलों में ही रहें। मुरासु के कारण आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में हजारों पेड़ उखड़ गए हैं, बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हुए हैं और मछुआरों की नौकाओं को भी नुकसान पहुंचा है।

प्रशासनिक और न्यायिक व्यवस्था ने लोगों की स्थिति को कॉकरोच जैसा बना दिया

- हवाई किराए में बेतहाशा वृद्धि और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर भड़के सौरभ दास

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन में हवाई जहाजों के किराए में हुई बेतहाशा वृद्धि के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार करने के बाद देश में बयानबाजी तेज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नेता सौरभ दास ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकालते हुए कहा कि देश की मौजूदा प्रशासनिक और न्यायिक व्यवस्था ने आम नागरिकों की स्थिति को कॉकरोच जैसा बना दिया है। दरअसल, त्योहारी सीजन में कई प्रमुख हवाई मार्गों पर टिकट की दरों में सात सौ फीसदी तक की भारी बढ़ोतरी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका पर जल्द सुनवाई का अनुरोध किया गया था। इस मामले की सुनवाई में न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति ए सिंह की पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए टिप्पणी की थी कि लोग हवाई यात्रा न करें। सुप्रीम कोर्ट के इस बयान से आहत होकर सौरभ दास ने प्रकाशित खबरों का हवाला देते हुए लिखा कि आम जनता आज चौतरफा समस्याओं से घिरी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर जहरीला वायु प्रदूषण है तो सांस मत लो, सड़कों पर गड्ढे हैं तो चलो मत, पेट्रोल महंगा है तो गाड़ियां मत चलाओ, पेपर लीक हो रहे हैं तो परीक्षाएं मत दो और अगर मीडिया समाज को बांट रहा है तो टीवी देखना बंद कर दो। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी में नौकरी मत खोजो, यह पूरी व्यवस्था ही नागरिकों को विवश कर रही है।

दीपावली पर मिलावटखोरों पर खाद्य विभाग की नजर, 73 उत्पादों की जांच में 14 मानकों पर खरे नहीं उतरे



हरिद्वार (शिखर समाचार)। दीपावली पर्व के दौरान मिलावटी और असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने हरिद्वार और रुड़की में विशेष निरीक्षण एवं नमूना संग्रह अभियान चलाया। 3 नवंबर को चलाए गए अभियान के दौरान दूध, मावा, मिठाई और पनीर सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल 16 विधिक नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए। वहीं, मोबाइल फूड लैब से मौके पर 73 खाद्य उत्पादों की जांच की गई, जिनमें से 14 निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। खाद्य सुरक्षा आयुक्त विनय शंकर पांडेय और जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर हरिद्वार नगर निगम क्षेत्र में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी कैलाश चंद्र टम्टा ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान जटवाड़ा पुल के पास दुग्ध वाहक वाहन से दूध, रामघाट सब्जी मंडी स्थित मावा आपूर्तिकर्ता के प्रतिष्ठान से मावा तथा कनखल की एक मिठाई की दुकान से खोया बर्फी का एक-एक नमूना लिया गया। उधर, रुड़की शहर और रुड़की कैंटोनमेंट क्षेत्र में उपायुक्त (लैब) वीरेन्द्र सिंह बिष्ट एवं सहायक आयुक्त महिमानंद जोशी के नेतृत्व में टीम ने मिठाई की दुकानों, डेयरियों और खुदरा प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेन्द्र पांडेय और दिलीप जैन भी अभियान में शामिल रहे। यहां मिठाइयों के 12 और पनीर का एक नमूना जांच के लिए भेजा गया। बेकरी उत्पादों पर निर्माण एवं समाप्ति तिथि अंकित नहीं करने तथा बिना खाद्य लाइसेंस कारोबार करने पर तीन कारोबारियों को नोटिस जारी किए गए। मोबाइल फूड लैब से मिठाई, दूध एवं दुग्ध उत्पादों, खाद्य तेल और बेकरी उत्पादों सहित 73 खाद्य नमूनों की मौके पर जांच की गई। इनमें 14 उत्पाद मानकों के अनुरूप नहीं मिले। टीम ने संबंधित उत्पादों को मौके से हटवाया। खाद्य विश्लेषण टीम में कनिष्ठ खाद्य विश्लेषक अनुराग और लैब सहायक गौरव नेगी मौजूद रहे। विभाग ने खाद्य कारोबारियों को उत्पादों पर निर्माण और समाप्ति तिथि अनिवार्य रूप से अंकित करने तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के प्रावधानों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

घटिया काम करने पर शर्म आनी चाहिए, गडकरी ने ठेकेदार को लगाई फटकार

- केंद्रीय मंत्री मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क की आधारशिला रखने गए थे वर्धा

वर्धा, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह महाराष्ट्र के वर्धा जिले में घटिया सड़क निर्माण को लेकर एक ठेकेदार को फटकार लगाते नजर आ रहे हैं। वीडियो में गडकरी सड़क निर्माण में घटिया काम करने को लेकर ठेकेदार को फटकार लगाते दिखाई दे रहे हैं। गडकरी ठेकेदार से कहते सुनाई दे रहे हैं कि उसे ''इतना घटिया काम करने पर शर्म आनी चाहिए।'' केंद्रीय मंत्री ने ठेकेदार को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी और सड़क की मरम्मत तत्काल कराने के निर्देश दिए। यह घटना रविवार की बताई जा रही है, जब गडकरी ने वर्धा जिले के सिंदी शहर में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क की आधारशिला रखी थी। यह परियोजना 150.42 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही है। इसका निर्माण महाराष्ट्र एमएमएलपी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय राजमार्ग लॉजिस्टिक्स प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जेएनपीए) का संयुक्त उद्यम है।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गडकरी के कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि पूरी तरह विकसित होने के बाद यह पार्क सड़क और रेल के जरिये माल ढुलाई को सुगम बनाएगा। इससे रसद लागत और परिवहन में लगने वाला समय कम होगा, आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी और औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस परियोजना से रोजगार के अवसर पैदा होंगे और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। साथ ही इससे भारत की व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम से इतर एक स्थानीय विधायक ने वर्धा की एक सड़क के निर्माण कार्य की गुणवत्ता खराब होने की शिकायत केंद्रीय मंत्री गडकरी से की।

नवीन पटनायक के गुमशुदा पोस्टर से ओडिशा में सियासी घमासान

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा की राजनीति में एक नया सियासी घमासान शुरू हुआ है, जब गंजाम जिले के हिंजिली में पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधायक नवीन पटनायक के गुमशुदा होने के पोस्टर लगे। इस घटना ने सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी बीजू जनता दल के बीच आरोप-प्रत्यारोप का एक नया दौर छेड़ दिया है। पोस्टर सामने आने के बाद कई सवाल उठ रहे हैं.....आखिर इन पोस्टरों के पीछे कौन है और इसका असली मकसद क्या है? माना जा रहा है कि इन पोस्टरों का संबंध चक्रवात और हाल ही में आई भीषण बाढ़ के बाद हिंजिली विधानसभा क्षेत्र में पूर्व सीएम पटनायक की कथित गैरमौजूदगी से है। पटनायक हिंजिली सीट से विधायक हैं, और उस समय में जब गंजाम जिले में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ था और राज्य को भारी बाढ़ का सामना करना पड़ा था (जिससे 13 लाख लोग प्रभावित हुए थे), उनकी क्षेत्र में अनुपस्थिति को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, पोस्टर लगाने वालों की पहचान अभी तक उजागर नहीं हुई है, और न ही किसी व्यक्ति या संगठन ने इसकी जिम्मेदारी ली है, जिससे इसके पीछे का वास्तविक उद्देश्य अस्पष्ट बना हुआ है। इस घटना ने भाजपा और बीजेडी के बीच राजनीतिक बयानबाजी को तेज किया है। सत्ताधारी भाजपा पूर्व सीएम पटनायक की हिंजिली में कथित अनुपस्थिति पर लगातार सवाल उठा रही है, जबकि विपक्षी बीजेडी अपने नेता का बचाव कर रही है। बीजेडी का कहना है कि पटनायक ने पार्टी नेताओं और प्रशासन के साथ समन्वय के माध्यम से राहत और सामान्य स्थिति बहाल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फिलहाल, सबसे बड़ा सवाल यही बना हुआ है कि इन गुमशुदा पोस्टरों के पीछे किसका हाथ है और इसका राजनीतिक या अन्य क्या मकसद है। लेकिन इतना तय है कि हिंजिली में लगे इन पोस्टरों ने ओडिशा की राजनीति में चक्रवात के बाद राहत कार्यों और जनप्रतिनिधियों की भूमिका को लेकर एक नई बहस को केंद्र में ला दिया है।

राजधानी दिल्ली में पटाखों की अवैध बिक्री पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती



नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में पटाखों की अवैध बिक्री पर केंद्र सरकार से तत्काल एक्शन लेने को कह दिया है। पटाखों की बिक्री पर पाबंदी के बावजूद राजधानी के बाजारों में विभिन्न प्रकार के पटाखों की धड़ल्ले से बिक्री पर न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अखबार की खबर का संज्ञान लेकर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि न्यायालय के आदेशों का पूरी तरह से अनुपालन किया जाए।

न्यायमूर्ति सुंदरेश ने कहा, आज की खबर में एक तस्वीर है, जिसमें दिखाया गया है कि हमारे आदेश के बावजूद दुकानों में सब कुछ उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि बाजार में हर तरह के पटाखे उपलब्ध हैं, चाहे वे लाइसेंस प्राप्त हों या बिना लाइसेंस वाले, उन पर क्यूआर कोड हो या नहीं। न्यायालय ने इस स्थिति पर तुरंत ध्यान देने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में दीपावली (7 और 8 नवंबर) पर सुबह छह से सात बजे और रात आठ से 10 बजे तक केवल हरित पटाखे फोड़ने की अनुमति दी थी। हालांकि, न्यायालय ने अपने 29 अक्टूबर के आदेश में कहा था कि पूर्ण प्रतिबंध आदर्श समाधान प्रतीत होता है, लेकिन वर्तमान में उसके पास इतने आंकड़े नहीं हैं कि यह तय किया जा सके कि प्रदूषण की समस्या के लिए पूर्ण प्रतिबंध ही सबसे बेहतर विकल्प है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पटाखों से होने वाले प्रदूषण की समस्या पर चिंता जताकर कहा कि किसी व्यक्ति को किसी विशेष गतिविधि में शामिल होने का अधिकार, भले ही उसका धार्मिक पहलू हो, पूर्ण नहीं है और यह संवैधानिक पाबंदियों से आगे नहीं हो सकता। न्यायालय ने पहले के निर्देशों को लागू करने में अधिकारियों द्वारा बरती गई ढिलाई पर नाराजगी जाहिर की है। पीठ ने स्पष्ट किया कि 9 नवंबर से पटाखों पर पहले लगाया गया पूर्ण प्रतिबंध फिर से लागू हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने निर्देश दिया है कि अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित ध्वनि निषेध क्षेत्रों के 300 मीटर के दायरे में पटाखे नहीं फोड़े जाएंगे। इन क्षेत्रों को पटाखा-मुक्त क्षेत्र घोषित किया जाएगा और उनकी विधिवत निशानदेही की जाएगी।

अनिश्चितकालीन धरनों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त: सार्वजनिक स्थान घेरना गलत

केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर मांगा जबाव



नई दिल्ली , एजेंसी। अनिश्चितकालीन धरनों पर सख्त रुख दिखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए हैं। यह कार्रवाई मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों पर दिल्ली पुलिस की सख्ती को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान की गई। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कोई भी समूह विरोध प्रदर्शन के लिए किसी सार्वजनिक स्थान पर अनिश्चित काल तक कब्जा करके नहीं बैठ सकता। यह टिप्पणी मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत, और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस जेवी मोहना की पीठ ने की। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट की पीठ किराना कमिटी दिल्ली की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें त्यौहारों के दौरान विरोध प्रदर्शनों पर रोक लगाने की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान विरोध करने के अधिकार, पुलिस की कथित ज्यादतियों, सार्वजनिक स्थानों पर पाबंदियों और प्रदर्शनों का व्यापार पर पड़ने वाले असर को लेकर तीखी बहस हुई।

दिल्ली व्यापारी संघों का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शनों के कारण होने वाली बाधाओं पर गहरी चिंता जाहिर की। उन्होंने तर्क दिया कि विरोध-प्रदर्शनों से व्यावसायिक गतिविधियों को भारी नुकसान होता है, खासकर त्यौहारी सीज़न में हुआ नुकसान कारोबारी को ज्यादा तकलीफ देता है। वरिष्ठ अधिवक्ता रोहतगी ने अदालत से कहा कि कनॉट प्लेस और आसपास के इलाकों में दुकानें बंद रहीं, जिससे व्यापारियों को करोड़ों का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि अब किसी अलग तरह के समाधान (आउट-ऑफ-द-बॉक्स सॉल्यूशन) के बारे में सोचना होगा, क्योंकि यह सिर्फ जंतर-मंतर पर कुछ लोगों के बैठने का मामला नहीं, बल्कि आसपास रहने वाले 50 लाख लोगों और उनके कारोबार से जुड़ा हुआ मुद्दा है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने दिल्ली पुलिस द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत जारी आदेशों को अदालत में अलग से पेश न करने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अपनी कार्रवाई के पक्ष में तर्क दिए हैं, लेकिन संबंधित आदेश रिकॉर्ड पर नहीं हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मोदी सरकार के पांचवें हलफनामे में यह जानकारी मौजूद है, जिसमें हेबियस कॉर्पस याचिकाएं, पत्रकार, वकील और जंतर-मंतर को डीनोटिफाई करने जैसे मामले शामिल हैं। गुरुस्वामी ने इस हलफनामे की एक प्रति की मांग की। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि बंद का आह्वान करने वालों को इसके नतीजों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। जस्टिस बागची ने पूछा कि क्या विरोध-प्रदर्शन के आयोजकों को कानूनी कार्यवाही में पक्षकार बनाया गया है, जिस पर रोहतगी ने उन्हें भी शामिल करने की बात कही। सुप्रीम कोर्ट अब इस जटिल मामले में विरोध प्रदर्शन के मौलिक अधिकार और सार्वजनिक व्यवस्था व आर्थिक गतिविधियों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहा है।

दीपावली से पहले कनखल में प्रशासन की कार्रवाई, झंडा चौक से हटाया अवैध अतिक्रमण



हरिद्वार (शिखर समाचार)। दीपावली पर्व के मद्देनजर शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने और आमजन को आवागमन में होने वाली परेशानी से राहत दिलाने के लिए जिला प्रशासन ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत सिटी मजिस्ट्रेट हर गिरि के नेतृत्व में जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने कनखल के झंडा चौक क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया।

अभियान के दौरान सड़क और फुटपाथ पर किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई का उद्देश्य सार्वजनिक मार्गों को अतिक्रमण मुक्त कराना और लोगों के लिए सुरक्षित एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करना है। दीपावली के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए प्रमुख मार्गों और बाजार क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन के लिए प्राथमिकता है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक सड़कों और फुटपाथों पर अवैध कब्जे बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। त्योहार के दौरान आमजन को जाम और आवागमन संबंधी समस्याओं से बचाने के लिए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। प्रशासन ने संबंधित क्षेत्रों में व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

उत्तराखंड स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे अमित शाह, परेड ग्राउंड में तैयारियों का मुख्य सचिव ने लिया जायजा



देहरादून (शिखर समाचार)। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी 6 नवंबर को राजधानी देहरादून के परेड ग्राउंड में भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित करेंगे।

समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए मंगलवार को मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ परेड ग्राउंड का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि समारोह में महिलाओं, किसानों, पूर्व सैनिकों, राज्य आंदोलनकारियों और श्रमिकों सहित समाज के सभी वर्गों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

मुख्य सचिव ने केंद्रीय गृह मंत्री के आगमन को देखते हुए सुरक्षा और प्रोटोकॉल से जुड़ी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने पर जोर दिया। उन्होंने मुख्य पंडाल, बैठने की व्यवस्था, ध्वनि प्रणाली, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और पार्किंग प्रबंधन को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समारोह की सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित और बेहतर होनी चाहिए, ताकि अतिथियों और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सचिव विनय शंकर पांडेय, सूचना सचिव शैलेश बगौली, गढ़वाल मंडल आयुक्त आनंद स्वरूप, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप, सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी, जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल और मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

गाजियाबाद को मिलेगा अपना भव्य नगर निगम मुख्यालय,

92 करोड़ से बनेगी पांच मंजिला आधुनिक इमारत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद शहर को जल्द ही अपना नया नगर निगम मुख्यालय मिलने जा रहा है। नंदग्राम-राजनगर एक्सटेंशन में प्रस्तावित नगर निगम के नवीन कार्यालय भवन का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सुनील शर्मा, सांसद अतुल गर्ग, विधायक संजीव शर्मा, महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक सहित निगम के अधिकारी, कर्मचारी और पार्षद मौजूद रहे। लगभग 12 हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में 92 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस मुख्यालय का निर्माण 18 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि नगर निगम के अपने मुख्यालय के निर्माण के लिए शासन स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे थे। जनप्रतिनिधियों और निगम अधिकारियों के प्रयासों से अब यह योजना धरातल पर उतर रही है। प्रस्तावित भवन दो बेसमेंट सहित पांच मंजिला होगा। इसमें पांच लिफ्ट, 200 व्यक्तियों की क्षमता वाला सदन कक्ष और 100 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाला सभागार बनाया जाएगा। इसके



अलावा कैंटीन, पर्याप्त पार्किंग और केंद्रीय वातानुकूलन की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।
उन्होंने बताया कि भवन में 50 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र, अग्नि चेतावनी प्रणाली, आधुनिक नेटवर्क व्यवस्था और 630 केवीए क्षमता का विद्युत जनरेटर लगाया जाएगा। आधुनिक तकनीक से तैयार होने वाला यह भवन नगर निगम के प्रशासनिक कार्यों के साथ शहरवासियों की जनसमस्याओं के समाधान का प्रमुख केंद्र बनेगा। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि नया मुख्यालय शहर के मध्य स्थित होने से लोगों को अपनी शिकायतों और अन्य कार्यों के लिए आवागमन में सुविधा मिलेगी। इसके निर्माण से आसपास के क्षेत्रों का भी विकास होगा। क्षेत्र में बेहतर सड़क, प्रकाश व्यवस्था और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि पार्षदों का भी इस योजना को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सांसद और विधायकों ने भी नए मुख्यालय के निर्माण पर निगम परिवार को शुभकामनाएं दीं। भूमि पूजन के साथ ही गाजियाबाद नगर निगम के अपने स्थायी मुख्यालय के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है।

राज्य कर विभाग ने व्यापारियों को दी ब्याज माफी योजना की जानकारी, अधिकारियों ने गिनाए फायदे



हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद हापुड़ के राज्य कर विभाग द्वारा मंगलवार को व्यापारियों के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कर संबंधी ब्याज माफी योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान अधिकारियों ने व्यापारियों को इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डिप्टी कमिश्नर लाल चंद ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार की इस ब्याज माफी योजना के तहत व्यापारियों के पुराने बकायों पर लगने वाले ब्याज और अर्थदंड में भारी छूट प्रदान की जा रही है। यह व्यापारियों के लिए अपने पुराने मामलों को निपटाने का एक सुनहरा अवसर है। कार्यक्रम में सहायक आयुक्त श्रीमती रिचा प्रिया, नीरज कुमार वर्मा, विवेक कुमार उपाध्याय, राम भवन, दुर्गेश कुमार, जय प्रकाश, राज्य कर अधिकारी भानुप्रताप सिंह और योगेंद्र सोलंकी सहित विभाग के कई अधिकारी मौजूद रहे। समारोह के दौरान उपस्थित अधिकारियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त हापुड़ उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष ललित अग्रवाल छावनी वालों ने की, जबकि संचालन महामंत्री संजय अग्रवाल ने किया। बैठक में मनीष कंसल मक्खन, सुरेश जिंदल, सोनू बंसल, पवन गर्ग, हरेंद्र कौशिक, अमित कंसल, संजय डाबर, दीपक बंसल, अमित गुड़ वाले, अरविंद शर्मा, भागवत गोयल, मनोज चावल वाले, अनुज गर्ग, कपिल अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, सुधीर त्यागी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी और अधिवक्ता मनोहर लाल दुआ व नितिन गर्ग एडवोकेट उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष ललित अग्रवाल छावनी वालों ने व्यापारियों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की और कहा कि देश में 'एक देश-एक टैक्स' की व्यवस्था को और अधिक सुगम बनाए जाने की आवश्यकता है।

नकली क्रीम बनाने की फैक्ट्री पर खाद्य विभाग का छापा, पांच क्विंटल मिलावटी क्रीम नष्ट

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद में मिलावटखोरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कुचेसर चौपला के शेखरपुर क्षेत्र में संचालित एक अवैध नकली क्रीम बनाने की फैक्ट्री पर औचक छापेमारी की। विभाग की इस बड़ी कार्रवाई से मिलावटखोरों में हड़कंप मच गया है। टीम ने मौके से करीब 1.10 लाख रुपये मूल्य की पांच क्विंटल मिलावटी क्रीम को मौके पर ही नष्ट कराते हुए फैक्ट्री के कामकाज को पूरी तरह बंद करवा दिया है। सहायक आयुक्त खाद्य (द्वितीय) चंद्रशेखर मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि खाद्य विभाग की टीम ने सोमवार देर रात जय नागर की इस संदिग्ध क्रीम फैक्ट्री पर दबिश दी। जांच के दौरान यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि फैक्ट्री में वनस्पति घी, रिफाइंड ऑयल, स्किम्ड मिल्क पाउडर और दही जैसे घटिया पदार्थों का मिश्रण कर बड़े पैमाने पर नकली क्रीम तैयार की जा रही थी। टीम ने मौके से क्रीम के तीन अलग-अलग नमूने भरकर जांच के लिए प्रयोगशाला (लैब) भेज दिए हैं। लैब से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद फैक्ट्री संचालक के खिलाफ कड़ी विधिक और दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। विभाग की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई का दायरा बढ़ाते हुए टीम ने छतनौरा गांव में भी औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पहलवान डेयरी से दूध का एक तथा अमित डेयरी से दूध, क्रीम और पनीर के तीन कुल मिलाकर चार नमूने संग्रह किए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इस पूरी छापामार कार्रवाई को अंजाम देने वाली खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी मोहित, सहरिश सादात और विपिन कुमार प्रमुख रूप से शामिल रहे।



गढ़मुक्तेश्वर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह आयोजित, 162 जोड़ों का हुआ विवाह

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। तहसील क्षेत्र स्थित होटल ली पैलेस में मंगलवार को समाज कल्याण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया, जिलाधिकारी कविता मीना तथा मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह के दौरान जनपद के कुल 162 जोड़ों का विवाह वैदिक रीति-रिवाज एवं धार्मिक मान्यताओं के अनुसार संपन्न कराया गया, जिसमें हिंदू तथा मुस्लिम दोनों समुदायों के जोड़े शामिल रहे। शासन की मंशा के अनुरूप सभी 162 नवविवाहित जोड़ों को सरकार द्वारा निर्धारित अनुदान राशि, गृहस्थी का आवश्यक सामान और विवाह प्रमाण पत्र भेंट किए गए। उपस्थित जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी नवदंपतियों को सुखमय वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया। समारोह में जिलाधिकारी कविता मीना ने उपस्थित लोगों से अपील की कि जिन नवविवाहितों के वोटर आईडी कार्ड अब तक नहीं बने हैं, वे प्राथमिकता से अपने पहचान पत्र बनवाएं। इसके लिए कार्यक्रम स्थल पर ही बीएलओ की विशेष तैनाती की गई थी, जिन्होंने मौके पर ही फार्म भरवाने की प्रक्रिया पूरी की। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख, खंड विकास अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी और जिला पंचायत राज अधिकारी सहित तमाम अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। यह प्रेस विज्ञप्ति जिला सूचना विभाग, हापुड़ के सौजन्य से जारी की गई है।



मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के जज राजेश कुमार गुप्ता का सिंभावली पहुंचने पर जोरदार स्वागत



गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट (ग्वालियर बेंच) के न्यायाधीश राजेश कुमार गुप्ता सपरिवार सिंभावली पहुंचे, जहां स्थानीय पुलिस प्रशासन ने सिंभावली शुगर मिल के भीतर उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' देकर उनकी अगवानी की। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी उनके स्वागत के लिए विशेष रूप से मौजूद रहे। न्यायाधीश राजेश कुमार गुप्ता अपनी पत्नी पूनम के साथ सिंभावली के प्रसिद्ध व्यापारी नेता अनिल गोयल व सुनील गोयल (ढाने वाले) के यहां पहुंचे। दरअसल, उनका यह दौरा अपनी पत्नी के मायके में 'भात' का निमंत्रण देने के उद्देश्य से हुआ था। इस दौरान मेजबान परिवार की ओर से उनके भव्य स्वागत के साथ-साथ जलपान और भोजन की विशेष व्यवस्था की गई थी। न्यायमूर्ति राजेश कुमार गुप्ता अपनी विशिष्ट सादगी और मिलनसार स्वभाव के लिए पहले से ही जाने जाते हैं, और इस दौरे के दौरान भी उनका वही सरल एवं आत्मीय रूप देखने को मिला। इस अवसर पर अनिल गोयल परिवार के लगभग सभी सदस्य, रिश्तेदार, मित्र एवं क्षेत्र के कई गणमान्य शुभचिंतक उपस्थित रहे।

हापुड़ में एलायंस क्लब ने मनाया दीपावली मिलन समारोह, प्रेम और सद्भाव का दिया संदेश

हापुड़ (शिखर समाचार)। एलायंस क्लब इंटरनेशनल, डिस्ट्रिक्ट 142 एन के तत्वावधान में रेलवे रोड स्थित रॉयल पैलेस में दीपावली मिलन समारोह हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के बीच आपसी प्रेम, भाईचारा और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना रहा।



समारोह को संबोधित करते हुए डिस्ट्रिक्ट गवर्नर भगवंत गोयल ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं है, बल्कि यह मन के अंधकार को मिटाकर प्रेम, सद्भाव और मानवता का प्रकाश फैलाने का संदेश देती है। डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट सेक्रेटरी राहुल गुप्ता ने कहा कि त्योहार हमें आपस में जोड़ने और रिश्तों में नई ऊर्जा व मिठास भरने का अवसर प्रदान करते हैं। कोषाध्यक्ष विश्वास गोयल ने कहा कि खुशियां बांटने से हमेशा बढ़ती हैं और हमें जरूरतमंदों के जीवन में भी खुशियों का दीप जलाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. अनिल बाजपेयी ने कहा कि फुलझड़ी मुस्कुराने, मिठाई रिश्तों में मिठास घोलने और दीपक स्वयं जलकर दूसरों के जीवन को रोशन करने की प्रेरणा देता है। इंटरनेशनल डायरेक्टर अजय बंसल ने कहा कि यह क्लब सभी सदस्यों को एकता के एक मजबूत सूत्र में पिरोता है। डिस्ट्रिक्ट पीआरओ अनीता चौधरी ने कहा कि एलायंस क्लब केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सहयोग, सेवा और समरसता का एक परिवार है। वहीं, वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रथम डॉ. सुनीता शर्मा और द्वितीय मोहित अग्रवाल ने क्लब को सामाजिक सेवा के साथ-साथ सांस्कृतिक आयोजनों को निरंतर बढ़ावा देने का सुझाव दिया।
कार्यक्रम के दौरान सुनीता स्वामी ने अपनी मधुर गायकी से समां बांध दिया, जिससे पूरा माहौल संगीतमय हो गया। इस अवसर पर सभी विशिष्ट पदाधिकारियों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में अनीता चौधरी, डॉ. सुनीता शर्मा, नीरू मित्तल, सुनीता स्वामी, ज्योति साहनी, मनीष गोयल और डॉ. राजेश्वर सिंह सहित कई गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

एसआईआर में परिवार रजिस्टर नकल के लिए रिश्वत मांगने वाला वीडीओ रंगे हाथों गिरफ्तार, भेजा जेल

हापुड़ (शिखर समाचार)। एसआईआर फॉर्म भरवाने के लिए परिवार रजिस्टर की नकल उपलब्ध कराने के एवज में पांच हजार रुपये की रिश्वत मांगने वाले ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) को मेरठ से आई एंटी करप्शन टीम ने मंगलवार को हापुड़ ब्लॉक कार्यालय में जाल बिछाकर रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी के पास से रिश्वत की रकम बरामद कर ली गई है, जिसके बाद सदर कोतवाली में सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। इस अचानक हुई कार्रवाई से ब्लॉक परिसर में हड़कंप मच गया। थाना कपूरपुर क्षेत्र के ग्राम सालेपुर कोटला निवासी सलमान राणा को एसआईआर फॉर्म भरवाने के उद्देश्य से अपनी बहन रुकसाना के नाम पर परिवार रजिस्टर की नकल की आवश्यकता थी। इस कार्य के लिए वह ग्राम विकास अधिकारी सुशील खारी के संपर्क में आया था। पीड़ित का आरोप है कि वीडीओ ने नकल देने के एवज में शुरूआत में बीस हजार रुपये की मांग की, जिसे बाद में बातचीत के तहत पहली किस्त के रूप में पांच हजार रुपये पर तय किया गया। इस अवैध मांग को वीडीओ ने 'दावत और पार्टी' का नाम दिया था। लगातार एक महीने तक चक्कर कटवाने और मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर पीड़ित सलमान ने 30 अक्टूबर को मेरठ एंटी करप्शन विंग में इसकी आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई।
शिकायत का संज्ञान लेते हुए एंटी करप्शन प्रभारी निरीक्षक कैलाश चंद के नेतृत्व में 10 सदस्यीय टीम ने त्वरित ट्रैप प्लान तैयार किया। योजना के तहत मंगलवार दोपहर आरोपी वीडीओ सुशील खारी ने शिकायतकर्ता को मोदीनगर रोड



स्थित हापुड़ ब्लॉक कार्यालय स्थित अपने चेंबर में रिश्वत की रकम के साथ बुलाया था। योजना के अनुसार, एंटी करप्शन टीम सादे कपड़ों में ब्लॉक कार्यालय के अंदर और बाहर पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात हो गई थी। जैसे ही सलमान ने चेंबर के भीतर वीडीओ को पांच हजार रुपये थमाए, पहले से तैयार टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसकी जेब से रिश्वत के पूरे पांच हजार रुपये बरामद कर लिए गए। आरोपी वीडीओ को हिरासत में लेने के बाद टीम उसे लेकर सदर कोतवाली पहुंची, जहां आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे जेल भेज दिया गया। एंटी करप्शन इंस्पेक्टर कैलाश चंद ने बताया कि पीड़ित की सटीक शिकायत के आधार पर यह सफल ट्रैप कार्रवाई की गई है। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी जनपद में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन टीम द्वारा कई बड़ी कार्रवाई करते हुए लेखपाल, कानूनगो, लिपिक, जेई और विभिन्न विभागों के अधिकारियों को घूस लेते गिरफ्तार किया जा चुका है।

अपराधियों पर शिकंजा कसने से लेकर त्योहारों की सुरक्षा तक, पुलिस कमिश्नर ने परखी तैयारियां

कानून-व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा गोष्ठी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जनपद में अपराध नियंत्रण को प्रभावी बनाने, कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने, आमजन की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने तथा आगामी त्योहारों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के उद्देश्य से गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में वरिष्ठ अधिकारियों की समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी की अध्यक्षता पुलिस आयुक्त जे. रविंद्र गौड ने की। इस दौरान जनपद में अपराध की स्थिति, पुलिस की कार्यप्रणाली, लंबित विवेचनाओं, जनशिकायतों और त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में अपर पुलिस आयुक्त (मुख्यालय/अपराध) केशव कुमार चौधरी तथा अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था/यातायात) राज करन नैय्यर प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके अलावा डीसीपी सिटी/लाइन धवल जायसवाल, डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी, डीसीपी यातायात त्रिगुण बिसेन, डीसीपी मुख्यालय बलवंत कुमार चौधरी समेत विभिन्न सर्किलों के सहायक पुलिस आयुक्त एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। समीक्षा के दौरान पुलिस आयुक्त जे. रविंद्र गौड ने अधिकारियों को अपराधों पर प्रभावी



अंकुश लगाने, वांछित एवं सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने और प्रत्येक शिकायत पर निष्पक्षता के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। लंबित विवेचनाओं की नियमित समीक्षा कर उन्हें निर्धारित समयसीमा में पूरा करने तथा पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश भी दिए गए।
अपर पुलिस आयुक्त (मुख्यालय/अपराध) केशव कुमार चौधरी के स्तर पर अपराध नियंत्रण, अपराध संबंधी मामलों की समीक्षा और लंबित प्रकरणों के निस्तारण को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। वहीं अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था/यातायात) राज करन नैय्यर के कार्यक्षेत्र से जुड़े कानून-व्यवस्था एवं यातायात प्रबंधन की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। आगामी त्योहारों के दौरान बाजारों, धार्मिक स्थलों, प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, नियमित गश्त बढ़ाने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करने और पुलिसिंग को अधिक जवाबदेह एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखना और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। आगामी त्योहारों के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखें और किसी भी संवेदनशील स्थिति से निपटने के लिए पहले से आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें।

रुपयों के लालच में युवक को हाईवे पर वाहन के सामने फेंका, तीन गिरफ्तार



बिजनौर (शिखर समाचार)। नजीबाबाद थाना पुलिस ने काशीपुर-हरिद्वार हाईवे पर ग्राम सरवनपुर के पास मिले अज्ञात युवक के शव के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने लूट के इरादे से युवक को अज्ञात वाहन के सामने धक्का दे दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर लूटी गई 75 हजार रुपये की नकदी सहित कुल 78,520 रुपये और मृतक का बैग व अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार 25 अक्टूबर की सुबह करीब 3:30 बजे ग्राम सरवनपुर के पास हाईवे पर एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा मिला था। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बाद में उसकी पहचान नेपाल निवासी अशोक बहादुर शाही (45) के रूप में हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर में चोट लगने से अत्यधिक रक्तस्राव के कारण मौत होने की पुष्टि हुई थी। विवेचना के दौरान पुलिस को शेरबहादुर निवासी नैनीताल, कमल सिंह निवासी नेपाल और करण बहादुर शाही निवासी नेपाल, हाल निवासी शिमला की संलिप्तता के साक्ष्य मिले। पुलिस ने तीनों को 3 नवंबर को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि कोटद्वार में उनकी मुलाकात अशोक बहादुर से हुई थी। शराब पीने के दौरान उन्हें पता चला कि उसके पास काफी रुपये हैं। इसके बाद उन्होंने नकदी लूटने की योजना बनाई और उसे वाहन के सामने धक्का दे दिया। वाहन की टक्कर से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे मृत समझकर आरोपी उसका बैग लेकर फरार हो गए और मनाली पहुंच गए। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने मृतक के पास मौजूद एक लाख 55 हजार रुपये में से 50 हजार रुपये आपस में बांटकर घर भेज दिए और 30 हजार रुपये मनाली में खर्च कर दिए। शेष 75 हजार रुपये बरामद कर लिए गए। इसके अलावा तीन मोबाइल फोन, 3520 रुपये, दो आधार कार्ड, मृतक का बैग और कपड़े भी बरामद हुए हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना प्रभारी अमित कुमार सहित पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

पूर्व चेयरमैन लक्ष्मीचंद त्यागी की पुण्यतिथि पर 460 मरीजों की जांच, 44 यूनिट रक्तदान

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। बुढ़ाना नगर पंचायत के प्रथम चेयरमैन रहे स्वर्गीय लक्ष्मीचंद त्यागी की 15वीं पुण्यतिथि पर स्वामी कल्याणदेव कन्या इंटर कॉलेज में निशुल्क चिकित्सा एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 460 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई, जबकि लगभग 44 यूनिट रक्तदान कर युवाओं ने सामाजिक सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गाजियाबाद के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. ब्रजपाल त्यागी ने फीता काटकर किया। इससे पहले यज्ञ-हवन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। डॉ. ब्रजपाल त्यागी के नेतृत्व में गाजियाबाद से पहुंची चिकित्सकों की टीम ने नाक, कान, गला, आंख, त्वचा और हृदय संबंधी बीमारियों सहित विभिन्न रोगों की जांच की। शिविर में पहुंचे अधिकांश मरीजों को निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया



और रक्तदान के लिए युवाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की।
इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन की पुत्रवधू एवं वर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष उमा त्यागी ने कहा कि बाबूजी के जनसेवा के सपनों को पूरा करना ही परिवार का सबसे बड़ा धर्म है। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही कस्बे का विकास संभव है। उन्होंने कहा कि उनका परिवार हमेशा जरूरतमंदों की सेवा के लिए तत्पर रहेगा। कार्यक्रम के समापन पर रक्तदान करने वाले युवाओं का आभार व्यक्त किया गया। साथ ही चिकित्सकों की टीम को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। इस दौरान पूर्व सपा जिलाध्यक्ष प्रमोद त्यागी, पूर्व डीसीडीएफ चेयरमैन सुबोध त्यागी, पुनीत गर्ग, एडवोकेट अभिनव त्यागी, रालोद नेता बाली त्यागी, पूर्व बार संघ अध्यक्ष विनोद त्यागी, राधेश्याम ठेकेदार, अंकुर त्यागी, सभासद इमरान कुरैशी, प्रवीण कुमार, राशिद मंसूरी, पुरुषोत्तम त्यागी, दीपक प्रजापति और राजू पांचाल सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

किसानों की समस्याओं पर भाकियू सख्त, अधिकारियों को 15 दिन का अल्टीमेटम

दादरी (शिखर समाचार)। किसानों एवं ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने दादरी तहसील सभागार में बैठक आयोजित की। बैठक का नेतृत्व दादरी जिलाध्यक्ष मनोज मावी ने किया, जबकि अध्यक्षता गौतमबुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने की।
बैठक में अशोक भाटी ने नए भूमि अधिग्रहण कानून के तहत उचित मुआवजा, बिजली विभाग की शि-ाकायतों, जर्जर सड़कों की मरम्मत, तालाबों के सौंदर्यीकरण, फुट ओवरब्रिज और अंडरपास निर्माण, दाखिल-खारिज, प्रमाण पत्रों में भ्रष्टाचार तथा मकान निर्माण के नाम पर अवैध वसूली जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए।
बैठक में एनएचएआई, विद्युत विभाग, विकास खंड, पीडब्ल्यूडी और तहसील के अधिकारियों ने



किसानों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने समस्याओं के निस्तारण के लिए 15 दिन का समय मांगा। इस पर मनोज मावी ने चेतावनी दी कि निर्धारित समय में समाधान नहीं हुआ तो भाकियू तहसील परिसर में ट्रैक्टरों के साथ आंदोलन करेगी। बैठक के बाद किसानों की मांगों का ज्ञापन एस-डीएम अरुण कुमार को सौंपा गया। इस दौरान विपिन प्रधान, सिंहराज गुर्जर, परविंदर गुर्जर, रामकेश भाटी, जगत अवाना, सचिन अवाना, राजा चौधरी, आजाद चौधरी, मनित नागर, धीरेंद्र भाटी टीनू, विकास भाटी, अभिषेक कसाना और सुदर्शन शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

यातायात सुरक्षा माह शुरू, बिना हेलमेट वाहन चला रहे लोगों को पहनाए हेलमेट

गोरखपुर, एजेंसी। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और हादसों में होने वाली जनहानि को कम करने के उद्देश्य से सोमवार को यातायात सुरक्षा माह-2026 का शुभारंभ किया गया। पुलिस उपमहानिरीक्षक एस चनप्पा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने अभियान की शुरुआत करते हुए वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चला रहे चालकों को हेलमेट पहनाकर सुरक्षित वाहन चलाने का संदेश दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने की अपील की। वाहन चालकों को निर्धारित गति सीमा में गाड़ी चलाने, नशे की हालत में वाहन न चलाने, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने और यातायात संकेतों का पालन करने के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान इंटरसेप्टर वाहन के माध्यम से भी वाहन चालकों को तेज गति से वाहन चलाने के खतरों के बारे में बताया गया। उन्हें निर्धारित गति सीमा का पालन करने और ओवरस्पीडिंग से बचने की सलाह दी गई। पुलिस का उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के साथ ही सड़क हादसों में कमी लाना है। यातायात सुरक्षा माह के तहत जिले के विभिन्न विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों और अन्य स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी। पुलिस ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने तथा अपनी सुरक्षा के साथ दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखने की अपील की। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक नगर निमिष पाटील, पुलिस अधीक्षक यातायात अमित श्रीवास्तव, सहायक पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार एएस और यातायात पुलिस के कर्मचारी मौजूद रहे।

नवंबर की शुरुआत में ही दिसंबर सा कोहरा, वाहनों के लाइट जलाकर निकले लोग

गोरखपुर, एजेंसी। मौसम के बदले मिजाज ने सोमवार की सुबह लोगों को हैरान कर दिया। नवंबर के शुरुआत में ही शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक घना कोहरा छा गया। सुबह के समय दृश्यता कम होने से लोगों को आवागमन में भी परेशानी हुई। लोग वाहनों की हेडलाइट जलाकर निकलते दिखाई पड़े। आमतौर पर दिसंबर के मध्य में दिखाई देने वाला नजारा नवंबर के दूसरे दिन ही देखने को मिला। अचानक बढ़ी ठंड और कोहरे ने लोगों को सर्दी का अहसास करा दिया। दरअसल, चक्रवाती तूफान अर्नब के असर से पिछले दिनों जिले में लगातार बारिश हुई थी। इसके बाद सोमवार की सुबह मौसम ने एक बार फिर करवट ली और पूरा जिला कोहरे की आगोश में नजर आया। मौसम वैज्ञानिक संतोष कुमार सिंह अनुसार, पिछले तीन दिनों से बारिश और बादलों के कारण वातावरण के निचले हिस्से में नमी की मात्रा काफी बढ़ गई थी। बारिश के बाद आसमान साफ होने और रात में तापमान में गिरावट से यह नमी संघनित होकर कोहरे के रूप में दिखाई दी। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार सोमवार को अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.8 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक था। हवा में अधिकतम आर्द्रता 94 और न्यूनतम 59 प्रतिशत दर्ज की गई।

धान खरीद शुरू, पहले दिन 93 क्विंटल की खरीद

गोरखपुर, एजेंसी। जिले में धान खरीद की शुरुआत हो गई है। पहले दिन सोमवार को तीन क्रय केंद्रों से कुल 93 क्विंटल धान की खरीद की गई। हालांकि, जनपद में बनाए गए 161 क्रय केंद्रों में से अधिकतर पर किसान धान लेकर नहीं पहुंचे। जिला खाद्य विपणन अधिकारी अरविंद कुमार दुबे ने बताया कि धान खरीद एक नवंबर से शुरू है। यह 28 फरवरी तक चलेगी। सरकार का लक्ष्य है कि जो भी किसान सरकारी क्रय एजेंसियों पर अपना धान बेचना चाहते हैं, उन्हें उचित मूल्य मिले। जिले में धान खरीद का कुल लक्ष्य 1.90 मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है। एक नवंबर को रविवार होने के कारण खरीद शुरू नहीं हो सकी थी। सोमवार को गोला, सोनबरसा मंडी और पिपरौली स्थित क्रय केंद्रों पर किसानों से धान खरीदा गया। सरकार ने धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2441 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है। ग्रेड ए धान के लिए किसानों को 2461 रुपये प्रति क्विंटल का भुगतान किया जाएगा। किसानों को उनके धान का मूल्य सीधे आधार से जुड़े बैंक खातों में मिलेगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसानों को उनके उत्पाद का सही दाम मिले। **पंजीकरण प्रक्रिया और शर्तें** -धान बेचने के इच्छुक किसानों के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। बिना पंजीकरण के धान की खरीद नहीं की जाएगी। किसान अपना पंजीकरण ऑनलाइन माध्यम से करा सकते हैं।

नरौरा परमाणु केंद्र के 30 किमी दायरे में होगा आहार सर्वे

अलीगढ़ , एजेंसी। बुलंदशहर स्थित नरौरा परमाणु केंद्र के आसपास रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य और खानपान की स्थिति का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाएगा। इसके लिए 10 किलोमीटर के दायरे में स्वास्थ्य सर्वेक्षण और 30 किलोमीटर के क्षेत्र में आहार एवं पेयजल की खपत का अध्ययन होगा।

इस संबंध में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) और न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के नरौरा परमाणु केंद्र के बीच समझौता हुआ है। स्वास्थ्य सर्वेक्षण के तहत परमाणु केंद्र के 10 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले करीब 2.20 लाख लोगों में से 8,796 परिवारों के 43,983 लोगों को शामिल करने का प्रस्ताव है।

इसमें लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, जीवनशैली, चिकित्सा इतिहास, प्रजनन स्वास्थ्य और विभिन्न चिकित्सकीय मानकों की जानकारी जुटाई जाएगी। इसके अलावा पात्र लोगों में मुंह और स्तन कैंसर की जांच भी होगी। यह अध्ययन जेएन मेडिकल कॉलेज का सामुदायिक चिकित्सा विभाग करेगा। समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान एएमयू की कुलपति प्रो. नईमा खातून, कुलसचिव प्रो. आसिम जफर, नरौरा परमाणु केंद्र के स्टेशन निदेशक अमरनाथ ठाकुर, मुख्य अन्वेषक प्रो. मोहम्मद अतहर अंसारी और सह-मुख्य अन्वेषक डॉ. अली जाफर आब्दी मौजूद रहे।



तीन मौसम में होगा आहार का अध्ययन

परियोजना के दूसरे हिस्से में परमाणु केंद्र के 30 किलोमीटर के दायरे में रहने वाली करीब 1.99 लाख आबादी का आहार सर्वेक्षण किया जाएगा। यह सर्वे गर्मी, मानसून और सर्दी में तीन चरणों में होगा। इसमें परिवारों के भोजन और पेयजल की खपत का आकलन किया जाएगा। आयु, लिंग और भौगोलिक क्षेत्र के आधार पर लोगों के आहार सेवन का आंकड़ा तैयार होगा। इससे भोजन और पेयजल के माध्यम से शरीर में पहुंचने वाली विकिरण की मात्रा का आकलन करने में वैज्ञानिक मदद मिलेगी।

इस तरह की शोध परियोजनाएं यूनिवर्सिटी की वैज्ञानिक और शैक्षणिक विशेषज्ञता को सामुदायिक स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान में उपयोग करने का अवसर देती हैं। जेएन मेडिकल कॉलेज के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के प्रयासों की सराहना करती हूं।

-प्रो. नईमा खातून, कुलपति, एएमयू

नरौरा परमाणु केंद्र के आसपास रहने वाली आबादी के स्वास्थ्य और खानपान से जुड़ी विश्वसनीय जानकारी जुटाने के लिए व्यवस्थित वैज्ञानिक अध्ययन जरूरी है। यह परियोजना 16 महीने में पूरी की जाएगी। स्वास्थ्य और आहार सर्वेक्षण की अलग-अलग तकनीकी रिपोर्ट तैयार होंगी। अध्ययन शुरू करने से पहले आवश्यक नैतिक स्वीकृति ली जाएगी।

-अमरनाथ ठाकुर, स्टेशन निदेशक, नरौरा परमाणु केंद्र

डॉ. रितू जैन को भाजपा महिला मोर्चा में मिली जिला मंत्री की जिम्मेदारी, समर्थकों ने जताई खुशी

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए डॉ. रितू जैन एडवोकेट को जिला मंत्री मनोनीत किया गया है। उनकी नियुक्ति भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के दिशा-निर्देशन में जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप तथा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष बबीता राणा की संस्तुति पर की गई है। नई जिम्मेदारी मिलने पर पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और जैन समाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।



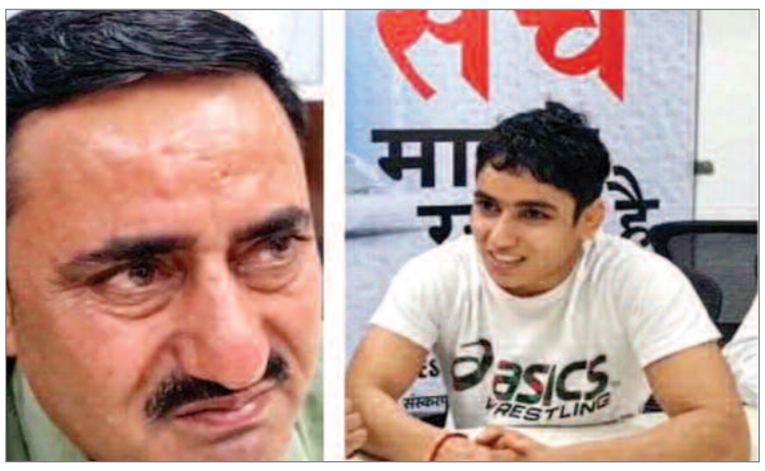
डॉ. रितू जैन लंबे समय से अधिवक्ता के रूप में कार्य करने के साथ ही समाजसेवा के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं। जिला मंत्री मनोनीत किए जाने पर उन्होंने पार्टी के प्रदेश नेतृत्व, जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप और महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष बबीता राणा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताते हुए जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगी।

उन्होंने कहा कि पार्टी की नीतियों और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सक्रियता से कार्य करेंगी। साथ ही महिला मोर्चा को मजबूत बनाने और महिलाओं को संगठन से जोड़ने के लिए भी प्रयास करेंगी।

डॉ. रितू जैन की नियुक्ति पर वीरेश जैन, बबलू जैन, शरद जैन और सचिन जैन सहित भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं तथा जैन समाज के लोगों ने खुशी जाहिर की। सभी ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए सफल कार्यकाल की कामना की।

जिस खेल के लिए पूरे गांव ने किया मना, उसी में बिटिया ने लगाया ऐसा दांव

मथुरा, एजेंसी। लगभग दस साल पहले 16 वर्षीय एक किशोरी के पिता ने कुटुंब के लोगों को बुलाकर कहा कि उनकी बेटी अब पहलवानी की राह पर चल रही है। वह कुश्ती में देश का नाम रोशन करना चाहती है। आशीर्वाद दीजिए। इस पर एक बुजुर्ग उठ खड़े हुए। कंधे पर अपनी चादर रखकर बोले कि यह खेल छोरियों का नहीं है। ज्यादा चक्कर में ना पड़। बुजुर्गवार तो यह कहकर चले गए पर ये शब्द उस छोटी पहलवान के दिमाग में हथौड़े की तरह बजते रहे। तब तक... जब तक कि उसने जीत की राह पर कदम नहीं रख दिए। पिता ने भी जिद जिद ठानी कि अब नहीं किसी ने पूछना है और इस बेटी ने पूरे देश का नाम रोशन कर दिया। बात कर रहे हैं कजाकिस्तान में हुई विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली नीलम सिरोही की। पांच फुट से भी कम हाइट वाली नीलम ने लगभग साढ़े पांच फुट लंबी जेनेप



बायोनोवा को उसी के देश में हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। फाइनल में वह जापान की दिग्गज पहलवान युई सुसाकी से हार जरूर गई लेकिन उन्होंने इस प्रतियोगिता में अपनी अलग छाप छोड़ी। नीलम ने बताया कि यह राह आसान नहीं रही। शुरू में अड़ोस-पड़ोस एवं कुटुंब के लोगों ने उनके इस खेल पर एतराज जताया पर उनके पिता कुंवरपाल सिंह ने उन्हें पूरा सपोर्ट किया।

पूरे परिवार का मिला साथ -मां नीलम ने उनकी खुराक से लेकर अन्य सभी पूरी जिम्मेदारी उठाई और आज उन्हीं की बदौलत वे इस मुकाम तक पहुंचीं। नीलम बताती हैं, %जब मैं एशियन गेम्स के ट्रायल में ही हार गई और यह प्रतियोगिता नहीं खेल पाई तो अपने कमरे में जाकर फूट-फूट कर रोई। उस समय परिजन और साथियों ने कहा कि चिंता मत कर, हो सकता है विश्व चैंपियनशिप तेरा इंतजार कर रही हो।% इस पर उन्होंने खुद को संभाला और तगड़ी तैयारी की। एशियन गेम्स में कोई मेडल बिना जीते ही उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में अपनी धाक जमा दी।

भर आईं पिता की आंखें -बातचीत के दौरान नीलम के पिता कुंवरपाल सिंह की आंखें भर आईं। रूंधे गले से उन्होंने कहा कि जब नीलम छोटी थी तभी अपने से बड़ों को पटखनी देती थी। तभी से उन्होंने सपना देखा था जो अब फलीभूत हो रहा है। जिला कुश्ती संघ के महासचिव जर्नादन शर्मा ने भी नीलम की इस सफलता को उसकी कड़ी मेहनत का परिणाम बताया।

छोटी बहन भी इसी राह पर -नीलम की छोटी बहन चंचल सिरोही भी नीलम की ही राह पर है। वह राष्ट्रीय स्तर की पहलवान है। दोनों बहनें 50 किग्रा भारवर्ग में खेलती हैं। चंचल कहती हैं कि नीलम की सफलता उनके लिए प्रेरणा का काम करेगी। चंचल इस समय यूपी पुलिस हेडकांस्टेबल है। नीलम रेलवे में जूनियर क्लर्क हैं लेकिन उनका चयन यूपी पुलिस में उप निरीक्षक पद पर भी हो गया है। उनका एक भाई आर्मी में बॉक्सिंग खिलाड़ी हैं और दूसरे भाई एक सॉफ्टवेयर कंपनी में इंजीनियर। पिता किसान होने के साथ-साथ दूरसंचार विभाग में हैं।

600 रुपये क्विंटल गन्ना मूल्य की मांग को लेकर किसान लामबंद, पैदल मार्च की तैयारी



शामली (शिखर समाचार)। गन्ने का मूल्य 600 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित कराने की मांग को लेकर जिले के किसान एक बार फिर आंदोलन की तैयारी में जुट गए हैं। किसान एकता संघर्ष समिति और किसान उत्थान एसोसिएशन के संयुक्त नेतृत्व में किसानों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर शामली में शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकालने की अनुमति मांगी है। ज्ञापन में किसानों ने बताया कि पिछले पेराई सत्र 2025-26 में गन्ने का मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया था, जबकि चालू पेराई सत्र के लिए अभी तक सरकार की ओर से गन्ना मूल्य घोषित नहीं किया गया है। किसानों का कहना है कि लगातार बढ़ती महंगाई के चलते खेती की लागत में काफी वृद्धि हुई है। खाद, बीज, डीजल, कीटनाशक और कृषि मजदूरी के दाम बढ़ने से किसानों पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है।

किसानों ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में कृषि लागत को देखते हुए गन्ने का मूल्य कम से कम 600 रुपये प्रति क्विंटल किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि खेती को आर्थिक रूप से लाभकारी बनाए रखने के लिए गन्ने का उचित मूल्य मिलना जरूरी है। अपनी मांग सरकार तक पहुंचाने के उद्देश्य से किसान शामली में शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकालना चाहते हैं। इसी संबंध में जिलाधिकारी से मार्च की अनुमति देने का अनुरोध किया गया है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान परमवीर शास्त्री, प्रताप सिंह, विकास कुमार, संजीव कुमार, शिवेंद्र कुमार और इलम सिंह सहित दर्जनों किसान मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित गाजियाबाद दौरे की तैयारियों में जुटा प्रशासन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित गाजियाबाद कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में मंगलवार को जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे के दौरान कानून-व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, यातायात संचालन, पार्किंग, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।



जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए सभी प्रशासनिक तैयारियां निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा कार्यक्रम स्थल और वहां तक पहुंचने वाले निर्धारित मार्गों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के साथ ही वाहनों की पार्किंग के लिए उपयुक्त स्थान चिह्नित करने के निर्देश भी दिए, ताकि कार्यक्रम के दौरान आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा बल, भीड़ प्रबंधन और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए सभी जरूरी इंतजाम पहले से सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने संबंधित विभागों को कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई, पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही यातायात डायवर्जन और वैकल्पिक मार्गों की जानकारी आमजन तक समय रहते पहुंचाने को कहा, जिससे नागरिकों को अनावश्यक जाम और असुविधा का सामना न करना पड़े।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों का गंभीरता और पूरी तत्परता के साथ निर्वहन करें। सभी विभाग आपसी समन्वय बनाए रखते हुए कार्यक्रम से संबंधित व्यवस्थाओं को समय से पूरा करें, ताकि मुख्यमंत्री का प्रस्तावित कार्यक्रम सुव्यवस्थित, सुरक्षित और सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सके।

बैठक में अपर पुलिस आयुक्त राज करन नय्यर, नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, सभी अपर जिलाधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को नई गति देगा आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक, पारदर्शी और अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में मंगलवार को सरस्वती मेडिकल कॉलेज, पिलखुवा में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम), उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जिला स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी कविता मीना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जनपद के डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम में सरकारी एवं निजी स्वास्थ्य सेवाओं का एकीकरण करना रहा। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने तथा आम नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सम्मेलन में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत आभा आईडी निर्माण, हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री, हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्रेशन और डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड्स के महत्व की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था के माध्यम से मरीजों के चिकित्सा संबंधी रिकॉर्ड को सुरक्षित रूप से एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने



में मदद मिलेगी। इससे मरीजों को बार-बार पुराने मेडिकल दस्तावेज साथ लेकर अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और चिकित्सकों को भी उपचार के दौरान आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त करने में सुविधा होगी।

मुख्य अतिथि जिलाधिकारी कविता मीना ने अपने संबोधन में कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन स्वास्थ्य क्षेत्र में एक क्रांतिकारी पहल है, जो चिकित्सा सेवाओं को अधिक सुलभ, व्यवस्थित और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके माध्यम से जनपद के नागरिकों का डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है, जिससे सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों की स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने में आसानी होगी। उन्होंने जनपद के सभी निजी अस्पतालों, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं से आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही जनपद में मजबूत डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित की जा सकती है।

12 दिसंबर को जिला न्यायालय में लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जनपद गाजियाबाद के जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में आगामी 12 दिसंबर 2026, शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित होने वाली इस लोक अदालत का शुभारंभ प्रातः 10 बजे जिला कचहरी में होगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नेहा बनौधिया ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आमजन को इसकी जानकारी देते हुए लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कराने की अपील की है। जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष विनोद सिंह रावत के निर्देशन में आयोजित



होने वाली इस राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के लंबित मामलों का निस्तारण आपसी सुलह और समझौते के आधार पर कराया जाएगा। इसमें आपराधिक शमनीय वाद, परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 से संबंधित मामले, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण संबंधी वाद, दीवानी एवं फौजदारी के लघु मामले, मोटर दुर्घटना प्रतिकर से जुड़े मुकदमे और बैंक ऋण वसूली के मामलों को शामिल किया गया है।

इसके अलावा मोटर वाहन चालान, पारिवारिक विवाद, उत्तराधिकार संबंधी वाद तथा दाम्पत्य विवादों का भी प्री-लिटिगेशन स्तर पर समाधान कराया जा सकेगा। लोक अदालत का उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मुकदमों का आपसी सहमति से त्वरित निस्तारण करना और आम नागरिकों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत दिलाना है। ऐसे में संबंधित वादकारी निर्धारित तिथि पर जिला एवं सत्र न्यायालय, गाजियाबाद पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

दीपावली पर उज्ज्वला योजना के 1.89 करोड़ परिवारों को 1,500 करोड़ की सब्सिडी की सौगात

गौतमबुद्धनगर (शिखर समाचार)। दीपावली के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को प्रदेश सरकार ने बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लखनऊ स्थित लोक भवन में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के 1.89 करोड़ उज्ज्वला लाभार्थी परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी का लाभ प्रदान किया गया। इसके लिए सरकार की ओर से कुल 1,500 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई गई है। इस पहल से लाखों परिवारों को त्योहार के अवसर पर आर्थिक राहत मिलेगी और रसोई गैस की उपलब्धता को लेकर उनकी चिंता भी कम होगी।

इसी क्रम में गौतमबुद्धनगर के कलेक्ट्रेट परिसर में जनपद स्तरीय गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लखनऊ में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत प्रशासक अमित कुमार सहित जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, जिला पूर्ति अधिकारी, अन्य अधिकारी और उज्ज्वला योजना की लाभार्थी महिलाएं मौजूद रहीं। सभी ने मुख्यमंत्री के संबोधन और राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा और सुना। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अमित कुमार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की लाभार्थी महिलाओं को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी के प्रतीकात्मक चेक



वितरित किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने माताओं और बहनों को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। पहले जहां महिलाओं को खाना बनाने के लिए पारंपरिक ईंधन पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब एलपीजी गैस के माध्यम से उन्हें धुएं से मुक्ति और सुविधाजनक रसोई की व्यवस्था मिली है। उन्होंने कहा कि दीपावली के अवसर पर सिलेंडर रिफिल सब्सिडी उपलब्ध कराना सरकार की जनकल्याणकारी सोच और गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता पहुंचाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जिला पूर्ति अधिकारी निलेश उत्पल ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों को दो चरणों में निःशुल्क गैस सिलेंडर रिफिल का लाभ दिया जाना है। प्रथम चरण अक्टूबर 2026 से दिसंबर 2026 तक और द्वितीय चरण जनवरी 2027 से मार्च 2027 तक संचालित होगा। जनपद गौतमबुद्धनगर में आज आयोजित कार्यक्रम के दौरान 94,174 लाभार्थी महिलाओं को प्रति लाभार्थी 639.50 रुपये की सब्सिडी के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए। उन्होंने बताया कि 14.2 किलोग्राम के घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 939.50 रुपये निर्धारित है, जिसमें राज्य सरकार की ओर से 639.50 रुपये और केंद्र सरकार की ओर से 300 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। इस प्रकार पात्र लाभार्थियों को सिलेंडर रिफिल कराने में बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अजीत कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी निलेश उत्पल, क्षेत्रीय पूर्ति अधिकारी स्मृति गौतम सहित आपूर्ति विभाग के निरीक्षक, अन्य संबंधित अधिकारी और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की बड़ी संख्या में लाभार्थी महिलाएं उपस्थित रहीं। दीपावली से पहले मिली इस सौगात को लाभार्थी परिवारों के लिए राहत भरा कदम माना जा रहा है।

बादलपुर में जमीन के लोहे के पोल व तार चोरी, अवैध कब्जे के प्रयास में छह नामजद व अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के अच्छेजा गांव में सुरक्षा के लिए लगाए गए लोहे के पोल व तार उखाड़कर चोरी करने तथा जमीन पर जबरन अवैध कब्जे के प्रयास का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने छह नामजद व अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नोएडा के भूड़ा गांव निवासी पवन कुमार की बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के अच्छेजा गांव में जमीन है। पीड़ित का आरोप है कि 31 अक्टूबर की रात विक्रम और कविंदर अपने साथियों के साथ उनकी जमीन पर पहुंचे। आरोपियों ने वहां सुरक्षा के उद्देश्य से लगाए गए लोहे के पोल और तार उखाड़ लिए और उन्हें चोरी कर ले गए। रास्ते में लगी स्ट्रीट लाइट के पर्याप्त उजाले में कुछ लोगों ने उन्हें सामान ले जाते हुए देखा भी था। अगले दिन 1 नवंबर को जब पीड़ित मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की, तो पोल व तार उखाड़कर ले जाने की बात स्पष्ट हुई। कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि पीड़ित पवन कुमार की शिकायत पर विक्रम, कविंद्र, विशु, रणवीर सिंह, ओंकार, सुनील तथा कुछ अज्ञात के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम पूरे प्रकरण की गहनता से जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जनसमस्याओं के समाधान में नहीं होगी देरी, सरकारी योजनाओं पर रहेगी विशेष नजर: एसडीएम विवेक कुमार

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नवागत उपजिलाधिकारी विवेक कुमार ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ कराया जाएगा। तहसील स्तर पर आम जनता को अपने कार्यों के लिए किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। जनहित से जुड़े कार्यों और राजस्व संबंधी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा। मंगलवार को अपने कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए उपजिलाधिकारी विवेक कुमार ने कहा कि शासन स्तर से कराई जा रही जनगणना का कार्य भी पूरी निष्पक्षता के साथ संपन्न कराया जाएगा। इसमें किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं होने दिया जाएगा। जनगणना कार्य में लगाए गए कर्मचारियों को जिम्मेदारी और निष्पक्षता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष होने वाले चुनाव को भी ईमानदारी, निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। एसडीएम ने कहा कि जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। राजस्व संबंधी मामलों में अनावश्यक देरी न हो, इसके लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि तहसील में आने वाले सम्मानित नागरिकों को पहले की तरह पूरा सम्मान दिया जाएगा। वहीं, गलत प्रवृत्ति के लोगों और अपने स्वार्थ की पूर्ति के उद्देश्य से आने वालों से दूरी रखी जाएगी। उन्होंने शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने और प्रशासनिक व्यवस्था को जनहित के अनुरूप संचालित करने पर जोर दिया।



रिहायशी कॉलोनी में गुलदार की चहलकदमी से दहशत, दो दिन में कई कुत्तों को बनाया निवाला

बिजनौर (शिखर समाचार)। रामजीवाला-बढ़ापुर मार्ग स्थित एक कॉलोनी के रिहायशी इलाके में गुलदार की लगातार आवाजाही से लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। पिछले कई दिनों से क्षेत्र में दिखाई दे रहे गुलदार ने बीते दो दिनों में कई पालतू कुत्तों को अपना निवाला बना लिया है। इसके चलते कॉलोनीवासियों में बच्चों और परिवार के सदस्यों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। लोगों को घरों से बाहर निकलने में भी डर लग रहा है। मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन अनंत के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बढ़ापुर वन रेंज पहुंचकर वन क्षेत्राधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपा। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि रिहायशी इलाके में गुलदार की लगातार मौजूदगी से लोग भयभीत हैं। उन्होंने कहा कि यदि वन विभाग ने समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए तो किसी बड़ी अनहोनी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। ज्ञापन के माध्यम से कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों में वन विभाग की टीम से नियमित गश्त कराने, गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगवाने तथा उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कैमरा ट्रैप स्थापित करने की मांग की गई। इसके अलावा क्षेत्रवासियों को गुलदार से बचाव के प्रति जागरूक करने और आपात स्थिति में तत्काल सूचना देने के लिए हेल्पलाइन नंबर सार्वजनिक करने की मांग भी उठाई गई। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन अनंत के नगर अध्यक्ष नफीस अंसारी के नेतृत्व में सुनील कुमार, पवन कश्यप, सतपाल सिंह, रवींद्र कुमार, मनीराम, मोहम्मद अख्तर, रियाज अंसारी, राशिद मंसूरी, इसरार अहमद और जुल्फकार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।



विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, शिवम और लक्की सैनी ने मारी बाजी



सहारनपुर (शिखर समाचार)। जिला विज्ञान क्लब की ओर से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के तत्वावधान में आयोजित जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा और रचनात्मक सोच का शानदार प्रदर्शन किया। चिलकाना रोड स्थित सेंट मैरी स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे विद्यार्थियों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर आधारित नवाचारी और आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने अपने मॉडलों के माध्यम से वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, तार्किक क्षमता और रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में प्रस्तुत मॉडलों का निर्णायक मंडल ने मूल्यांकन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर शिवम और लक्की सैनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि अनुराग पंवार और अभिषेक संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रहे। विवेक कुमार ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं, मोहम्मद अब्दुल्लाह, सिमरन और भावना को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। सभी विजेता प्रतिभागियों को सम्मान-पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना तथा विज्ञान के प्रति रुचि और जिज्ञासा बढ़ाना रहा। इसके साथ ही बच्चों को नवाचार, अनुसंधान और रचनात्मक सोच के लिए प्रेरित किया गया, ताकि वे अपने ज्ञान और कल्पनाशीलता के माध्यम से नई वैज्ञानिक संभावनाओं को समझ सकें। इस अवसर पर जिला विज्ञान क्लब सहारनपुर के सह-समन्वयक एवं सदस्य सचिन त्यागी, जिला समन्वयक एवं सहायक अध्यापक अम्ब्रीष कुमार तथा जिला विद्यालय निरीक्षक जयकरन यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस मुठभेड़ में हत्या के दो वांछित बदमाश गिरफ्तार, पैरों में लगी गोली



जेवर (शिखर समाचार)। कस्बा जहांगीरपुर में करीब एक माह पूर्व हुई बहुचर्चित हत्या के मामले में फरार चल रहे दो शातिर बदमाशों को कोतवाली पुलिस ने सोमवार देर रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो अवैध पिस्टल, पांच जिंदा व दो खोखा कारतूस बरामद किए हैं।

प्राप्त विवरण के अनुसार, सोमवार देर रात पुलिस टीम झाझर रोड स्थित बिजलीघर के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान पुलिस को दो व्यक्ति पैदल आते दिखाई दिए। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने पर दोनों आरोपी भागने लगे। पुलिस टीम ने घेराबंदी की, तो खुद को घिरता देख आरोपियों ने पुलिस पर सीधी फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत हिरासत में लेकर इलाज हेतु अस्पताल भेजा गया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों की पहचान शेर मोहम्मद (निवासी कस्बा जहांगीरपुर) और मोहसिन (निवासी कस्बा पहासू, बुलंदशहर) के रूप में हुई है। आरोपियों ने स्वीकार किया कि 7 अक्टूबर की रात उन्होंने पुरानी रंजिश के चलते जहांगीरपुर निवासी इमरान की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है और इन दोनों के खिलाफ अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा-रालोद का संयुक्त कार्यकर्ता सम्मान समारोह आयोजित, सांसद व विधायक ने की शिरकत

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में मंगलवार को कादराबाद स्थित एक फार्म हाउस में विधानसभा क्षेत्र के एनडीए संयुक्त कार्यकर्ता सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भाजपा विधायक डॉ. मंजू शिवाच की ओर से आयोजित किया गया, जिसमें बागपत-मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर कार्यकताओं को दीपावली की बधाई दी

समारोह को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक ताकत और रीढ़ होते हैं। उन्होंने सभी कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे एनडीए संगठन को और अधिक मजबूत करें, ताकि समाज में अस्थिरता का माहौल पैदा करने की कोशिश करने वालों को करारा जवाब दिया जा सके। कार्यक्रम के दौरान विधायक डॉ. मंजू शिवाच, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली



और भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. देवेंद्र सिवाच ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी कार्यकताओं को शाल ओढ़ाकर तथा उपहार भेंट सम्मानित किया।

विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने कार्यकताओं के समर्पण, परिश्रम और संगठन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों एवं सहयोग से ही संगठन को नई मजबूती मिलती है। कार्यक्रम में भाजपा के क्षेत्रीय महामंत्री संजीव गोयल सिक्का, पार्टी जिला अध्यक्ष चेनपाल सिंह और नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष रामआसरे शर्मा सहित कई प्रमुख नेताओं ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर निवाड़ी नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल त्यागी, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश सिंघल, सत्येंद्र त्यागी, रालोद नेता सत्येंद्र तोमर, राम भरोसे लाल मौर्य, बाबा परविंदर आर्य, सभासद मोनू धामा और संदीप सांगवान सहित एनडीए गठबंधन के तमाम वरिष्ठ नेता व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कालपी के अधिवक्ता की हत्या से भड़का आक्रोश, सहारनपुर में वकीलों ने उठाई सुरक्षा कानून की मांग

सहारनपुर (शिखर समाचार)। अधिवक्ता एसोसिएशन, कालपी के अध्यक्ष गयादीन अहिरवार एडवोकेट के अपहरण के बाद निर्मम हत्या किए जाने के विरोध में सहारनपुर के अधिवक्ताओं ने सड़क पर उतरकर आक्रोश जताया। सहारनपुर अधिवक्ता एसोसिएशन के बैनर तले अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपकर हत्याकांड में शामिल आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, कठोर सजा और प्रदेश में अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करने की मांग की। सहारनपुर अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल त्यागी एडवोकेट और महासचिव पालम राणा एडवोकेट के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अधिवक्ता जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने गयादीन अहिरवार की हत्या पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में अधिवक्ताओं की हत्या, लूटपाट और मारपीट की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इसके बावजूद ऐसी घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई नहीं



होने से अधिवक्ताओं में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है।

ज्ञापन में मांग की गई कि गयादीन अहिरवार की हत्या में शामिल सभी आरोपियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई कर उन्हें सख्त सजा दिलाई जाए। मृतक अधिवक्ता के परिवार को डेढ़ करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा परिवार के एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने की भी मांग उठाई गई। इसके साथ ही प्रदेश के अधिवक्ताओं को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम जल्द लागू करने की मांग की गई। अधिवक्ताओं ने कहा कि न्याय व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वकीलों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। इस दौरान अशोक कुमार पुंडीर, चौधरी रणधीर सिंह, राकेश त्यागी, जमाल साबरी, देवेंद्र चौहान, सतीश चौधरी सहजवा, अरुण चौधरी, कादिर राणा, गुरमीत पंवार, चौधरी नौशाद, प्रवीण राठी, अहमद कमाल राव, अनीता शर्मा, रेखा रानी, रुमन लांबा, ईशान सिद्दीकी, मोहम्मद शाहजमा, मोहम्मद कैफ, संदीप सिंह काम्बोज, विनित कपिल, अनुश्री, दीपांकर कपिल, सचिन पंवार, महक सिंह पंवार, मैनपाल शर्मा, संदीप सिंह, मोहम्मद आजाद, अमित कुमार, अंकुर वालिया, विनोद कुमार, अभिषेक, सोनू विकास, प्रदीप सिंह, रजत सिंह, नियाज हुसैन, सौरभ वर्मा, विशाल गौतम, अब्दुल रहमान, राव फैसल, रूबी, राव खालिद और संदीप पंवार सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

प्रतिबंधित प्लास्टिक के इस्तेमाल पर नगर पालिका सख्त, दुकानदारों पर लगाया 5700 रुपये जुमार्ना



दादरी (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद दादरी की ओर से मंगलवार को प्लास्टिक उन्मूलन महाअभियान के तहत विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नगर पालिका की टीम ने रेलवे रोड और घनश्याम रोड पर दुकानदारों, रेहड़ी-ठेली संचालकों और पटरी विक्रेताओं के यहां प्रतिबंधित एकल उपयोग प्लास्टिक के इस्तेमाल एवं भंडारण की जांच की। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नगर पालिका की टीम ने कुल 5700 रुपये का जुमार्ना लगाया। अभियान के दौरान रेलवे रोड पर सब्जी और फल विक्रेताओं सहित अन्य छोटे दुकानदारों को एकल उपयोग प्लास्टिक पर लगे प्रतिबंध की जानकारी दी गई। टीम ने दुकानदारों और आम नागरिकों को समझाया कि प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग पर्यावरण के लिए नुकसानदायक है। इसके स्थान पर खरीदारी के लिए कपड़े के थैलों का इस्तेमाल किया जाए, ताकि प्लास्टिक प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सके। नगर पालिका कर्मियों ने व्यापारियों से प्रतिबंधित प्लास्टिक का भंडारण और बिक्री नहीं करने की भी अपील की। नगर पालिका परिषद की अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता ने शहरवासियों, दुकानदारों और व्यापारियों से अपने दैनिक जीवन में एकल उपयोग प्लास्टिक का पूरी तरह त्याग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक का सहयोग जरूरी है। नगर पालिका की ओर से प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध जुमार्ने के साथ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शामली के 1.08 लाख उज्ज्वला परिवारों को मिलेगी गैस रिफिल सब्सिडी, मुख्यमंत्री ने जारी किए 1500 करोड़ रुपये

शामली (शिखर समाचार)। दीपावली के अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी का लाभ प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 1.89 करोड़ से अधिक पात्र परिवारों के लिए 1500 करोड़ रुपये की सब्सिडी राशि जारी की। इस कार्यक्रम का मंगलवार को शामली के कलेक्ट्रेट सभागार में सजीव प्रसारण किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और योजना के लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री का संबोधन सुना। कार्यक्रम में विधायक प्रसन्न चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप, जिलाधिकारी आलोक यादव, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्येंद्र सिंह और जिला पूर्ति अधिकारी अंकुर यादव सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी तथा उज्ज्वला योजना के लाभार्थी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र और प्रदेश



की सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रदेशवासियों से दीपावली सहित सभी त्योहारों को उत्साह और उमंग के साथ मनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना गरीब परिवारों को आर्थिक राहत देने के साथ महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। स्वच्छ ईंधन उपलब्ध होने से महिलाओं को पारंपरिक चूल्हों के धुएं से होने वाली बीमारियों से बचाने में मदद मिल रही है। जिला पूर्ति अधिकारी अंकुर यादव ने बताया कि जनपद शामली में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत कुल 1,08,426 गैस कनेक्शन संचालित हैं। योजना का उद्देश्य गरीब एवं वंचित परिवारों की महिलाओं को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराना और पारंपरिक ईंधन से निकलने वाले धुएं के दुष्प्रभावों से बचाना है। कार्यक्रम का संचालन दिनेश तिवारी ने किया। इस दौरान सहायक क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी नरेंद्र प्रसाद, पूर्ति निरीक्षक मोहित, प्रदीप एवं संदीप मौर्य, पूर्ति लिपिक दिनेश तिवारी और मनीष निर्वाल सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि तथा योजना के लाभार्थी मौजूद रहे।

नगर निगम की जनसुनवाई में पांच शिकायतें पहुंचीं, दो का मौके पर कराया निस्तारण

सहारनपुर (शिखर समाचार)। नगर निगम में आयोजित जनसुनवाई के दौरान नागरिकों की पांच समस्याएं सामने आईं, जिनमें से दो का अपर नगरायुक्त सूरज कुमार यादव ने तत्काल समाधान करा दिया। शेष तीन शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इनमें खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को ठीक कराने के लिए पथ प्रकाश प्रभारी को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई करने को कहा गया।

जनसुनवाई में वार्ड 07 बुड्ढी माई चौक निवासी उस्मान मलिक ने चौक के पास सीवर का ढक्कन बदलवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। अपर नगरायुक्त ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित कर तत्काल सीवर का ढक्कन बदलवाते हुए समस्या का समाधान कराया। इसी तरह वार्ड 41 शारदा नगर निवासी राहुल भाटिया ने



ईएसआई अस्पताल के निकट सफाई कराने की मांग रखी। इस पर अपर नगरायुक्त ने क्षेत्र के सफाई निरीक्षक और सफाई मित्र को मौके पर भेजकर तत्काल सफाई कराई और शिकायत का निस्तारण कराया।

वहीं, वार्ड 66 नदीम कॉलोनी निवासी मोहम्मद आसिफ ने कॉलोनी के पास खराब पड़ी एलईडी लाइट ठीक कराने की मांग की। इसके अलावा वार्ड 07 अंबेडकर चौक, जाटव नगर निवासी रवि प्रकाश ने चौक के पास खराब लाइटों को दुरुस्त कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। इन शिकायतों पर पथ प्रकाश प्रभारी को मौके पर जाकर निरीक्षण करने और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अपर नगरायुक्त ने अधिकारियों को जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए।

संपादकीय

लोकतंत्र में आरोपों का जवाब बहस से मिले, सियासत में देशहित सबसे ऊपर रहे

भारतीय राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब देश के प्रधानमंत्री और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के बीच सार्वजनिक बहस की चुनौती सामने आती है तो यह मामला केवल दो राजनीतिक व्यक्तित्वों की प्रतिष्ठा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की कार्यशैली और राजनीतिक जवाबदेही से भी जुड़ जाता है। तीन नवंबर को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर खुली बहस की चुनौती देकर राजनीतिक माहौल को गरमा दिया। राहुल गांधी ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि मोदी जी, आपको चुनौती दिए हुए 24 घंटे हो गए हैं, अब सामने आइए और बहस कीजिए। उन्होंने प्रधानमंत्री को अपनी पसंद का मंच और स्थान चुनने की छूट देते हुए यहां तक कहा कि यदि वह चाहें तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत को भी बहस का निर्णायक बना सकते हैं। राहुल गांधी के हाथ में लाल गुलाब का फूल था और उन्होंने अपने संदेश के अंत में प्रधानमंत्री को दीपावली की शुभकामनाएं भी दीं। देखने में यह एक राजनीतिक चुनौती है, लेकिन इसके पीछे उठाए गए सवाल भारतीय राजनीति में जवाबदेही और पारदर्शिता की आवश्यकता को फिर से चर्चा के केंद्र में ले आए हैं।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात दौरे के दौरान विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया था कि कुछ आंतरिक ताकतें विदेशी चुनौतियों के बीच झूठ और अफवाहों के माध्यम से देश में अस्थिरता पैदा करने का प्रयास कर रही हैं। प्रधानमंत्री के इस बयान को राहुल गांधी ने विपक्ष को देशद्रोही ठहराने से जोड़ते हुए पलटवार किया। उनका सवाल है कि यदि विपक्ष के विदेशी ताकतों से संबंध होने या देश के विरुद्ध काम करने के आरोप लगाए जा रहे हैं तो इन आरोपों की सच्चाई सार्वजनिक रूप से सामने आनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री से पूछा कि देशद्रोही कौन है और विदेशी शक्तियों से संबंध किसके हैं? यह सवाल जितना राजनीतिक है, उतना ही गंभीर भी है, क्योंकि किसी भी लोकतंत्र में देशभक्ति का प्रमाणपत्र बांटना राजनीतिक दलों का काम नहीं हो सकता। देश के प्रति निष्ठा का निर्धारण तथ्यों, संविधान और कानून के आधार पर होना चाहिए, न कि चुनावी मंचों से लगाए गए आरोपों के आधार पर। राहुल गांधी ने अपनी चुनौती को केवल विदेशी संपर्कों के आरोपों तक सीमित नहीं रखा है। उन्होंने अमेरिका के साथ हुए समझौते, उसकी प्रक्रिया, उसे इतनी जल्दी अंतिम रूप दिए जाने और मंत्रिमंडल की भूमिका को लेकर सवाल उठाने की बात कही है। इसके अलावा उन्होंने अडानी से जुड़े मामले और जेफ्री एपस्टीन प्रकरण का भी उल्लेख किया है। इन मुद्दों पर राहुल गांधी ने जो आरोप और सवाल उठाए हैं, उनकी स्वतंत्र जांच और तथ्यों के आधार पर पड़ताल जरूरी है। किसी भी आरोप को केवल इसलिए सही नहीं माना जा सकता कि उसे विपक्ष का नेता उठा रहा है, उसी तरह किसी सवाल को केवल राजनीतिक विरोध के कारण खारिज भी नहीं किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि सत्ता से सवाल पूछे जा सकते हैं और सत्ता को तथ्यों के साथ जवाब देने का अवसर मिलता है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि उनके खिलाफ अलग-अलग मामलों में लगभग 45 मानहानि के मुकदमे चल रहे हैं, लेकिन विदेशी संपर्कों से जुड़े आरोपों पर प्रधानमंत्री की ओर से कोई मानहानि का मुकदमा नहीं किया गया। उन्होंने इस विषय पर भी खुलकर चर्चा करने की चुनौती दी है। इस बयान को राजनीतिक तंज के रूप में देखा जा सकता है, लेकिन इसके साथ एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी जुड़ा है कि क्या देश की राजनीति में गंभीर आरोपों का समाधान केवल कानूनी लड़ाइयों और सार्वजनिक बयानबाजी से होगा या फिर तथ्यों के आधार पर किसी संस्थागत प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाया जाएगा?

~ मौलिक चिंतन ~

कर्म तभी मूल्यवान है, जब वह कर्तव्य से जुड़ा हो।



© विनय संकोची

आजम खान की गिरफ्तारी: कानून का तकाजा या सियासी टकराव का नया अध्याय?



सौरभ वार्ष्णेय

जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद आजम खान को गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उन्हें डासना जेल में रखा जाएगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब उनसे पुलिस कस्टडी में पूछताछ के लिए रिमांड लेने की तैयारी कर रहा है। जांच एजेंसी का आरोप है कि जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण और उसके वित्तीय प्रबंधन में सरकारी धन के कथित दुरुपयोग तथा वित्तीय अनियमितताओं की आशंका है। आजम खान की गिरफ्तारी ने एक बार फिर देश की राजनीति में जांच एजेंसियों की भूमिका, राजनीतिक जवाबदेही और कानून के निष्पक्ष इस्तेमाल को लेकर बहस छेड़ दी है।

लोकतंत्र में कानून का शासन सर्वोपरि होता है। किसी व्यक्ति का राजनीतिक कद कितना भी बड़ा क्यों न हो, यदि उसके विरुद्ध वित्तीय अनियमितताओं या भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं तो जांच होनी चाहिए। सार्वजनिक जीवन में रहने वाले व्यक्तियों की जवाबदेही आम नागरिकों से कम नहीं, बल्कि अधिक होनी चाहिए। लेकिन इसके साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि जांच की प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और संविधान की मर्यादाओं के अनुरूप हो। किसी व्यक्ति को राजनीतिक पहचान के आधार पर न तो अपराधी माना जा सकता है और न ही राजनीतिक सहानुभूति के आधार पर आरोपों से मुक्त किया जा सकता है।

आजम खान उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक चर्चित और प्रभावशाली चेहरा रहे हैं। रामपुर की राजनीति से राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाने वाले आजम खान समाजवादी पार्टी के प्रमुख नेताओं में शामिल रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सांसद के रूप में उनकी राजनीतिक भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उनके विरुद्ध दर्ज विभिन्न मुकदमों और कानूनी कार्रवाइयों ने उनके राजनीतिक जीवन को लगातार प्रभावित किया है। अब जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई ने उनके सामने एक नई कानूनी चुनौती खड़ी कर दी है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आजम खान लगभग 11 महीने जेल में रहने के बाद शनिवार को रामपुर जेल से बाहर आए थे। लेकिन उनकी रिहाई की खुशी अधिक समय तक नहीं टिक सकी और प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें दूसरे मामले में हिरासत में ले लिया। रविवार को गाजियाबाद की विशेष अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब ईडी उनसे जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना, उसके निर्माण में इस्तेमाल धन, फंडिंग के स्रोत और कथित मनी ट्रेल के संबंध में पूछताछ करना चाहती है। यह पूरा घटनाक्रम कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

सबसे पहला सवाल जौहर यूनिवर्सिटी के वित्तीय प्रबंधन का है। किसी भी शैक्षणिक संस्थान की स्थापना और संचालन के लिए धन की आवश्यकता होती है। यदि किसी संस्थान को सरकारी सहायता, निजी दान या अन्य वित्तीय स्रोतों से धन मिला है तो उसका पूरा हिसाब-किताब सार्वजनिक और कानूनी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। आखिर धन कहां से आया, किस उद्देश्य से प्राप्त हुआ और उसका उपयोग किन कार्यों में किया गया? इन सवालों का जवाब दस्तावेजों और वित्तीय साक्ष्यों के आधार पर सामने आना चाहिए। यदि सरकारी धन के दुरुपयोग या अवैध लेन-देन के प्रमाण मिलते हैं तो दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन केवल आरोपों के आधार पर किसी को दोषी ठहराना न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध होगा।

दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न जांच एजेंसियों की निष्पक्षता और उनकी कार्यप्रणाली से जुड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों के अनेक नेताओं पर केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर राजनीतिक विवाद सामने आते रहे हैं। विपक्ष अक्सर आरोप लगाता है कि जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को दबाने के लिए किया जा रहा है, जबकि सरकार और जांच एजेंसियां इन कार्रवाइयों को कानून के तहत की गई जांच बताती हैं। ऐसे में जनता के मन में उठने वाले संदेहों को दूर करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। इसका सबसे प्रभावी तरीका यही है कि जांच एजेंसियां अपने प्रत्येक कदम को ठोस साक्ष्यों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर उचित ठहराएं।

आजम खान के मामले में भी समाजवादी पार्टी की ओर से राजनीतिक प्रतिशोध के आरोप लगाए जा सकते हैं, लेकिन इन आरोपों की सत्यता का फैसला अदालत और उपलब्ध साक्ष्य ही करेंगे। इसी तरह ईडी के आरोपों को भी अंतिम न्यायिक निष्कर्ष नहीं माना जा सकता। जांच और मुकदमे के बीच अंतर समझना जरूरी है। न्यायिक हिरासत में भेजे जाने का अर्थ दोष सिद्ध होना नहीं है। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को निष्पक्ष सुनवाई और कानूनी बचाव का अधिकार देता है। आजम खान को भी यह अधिकार पूरी तरह मिलना चाहिए।

इस प्रकरण का एक व्यापक पक्ष शिक्षा और सार्वजनिक संस्थानों की विश्वसनीयता से भी जुड़ा है। जौहर यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान केवल किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं होते, बल्कि उनसे हजारों विद्यार्थियों और कर्मचारियों का भविष्य जुड़ा होता है। यदि वित्तीय अनियमितताओं के कारण किसी विश्वविद्यालय की गतिविधियां प्रभावित होती हैं तो सबसे अधिक नुकसान विद्यार्थियों को उठाना पड़ता है। इसलिए जांच के दौरान यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि शिक्षा व्यवस्था और विद्यार्थियों के हित अनावश्यक रूप से प्रभावित न हों।

राजनीतिक दलों को भी इस मामले में संयम बरतने की जरूरत है। सत्ता पक्ष को जांच को अपनी राजनीतिक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करने से बचना चाहिए और विपक्ष को भी हर कानूनी कार्रवाई को राजनीतिक साजिश बताकर खारिज नहीं करना चाहिए। लोकतंत्र में न तो जांच एजेंसियां किसी सरकार की निजी संस्था हैं और न ही राजनीतिक नेता कानून से ऊपर हैं। इसी तरह सरकार को भी यह अधिकार नहीं दिया जा सकता कि वह जांच के नाम पर किसी नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी करे।

आजम खान का मामला केवल एक नेता की गिरफ्तारी या जेल भेजे जाने तक सीमित नहीं है। यह देश की न्याय व्यवस्था, जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता और राजनीतिक जवाबदेही की कसौटी भी है। ईडी को यदि वित्तीय अनियमितताओं के प्रमाण मिले हैं तो उन्हें अदालत के सामने मजबूती से प्रस्तुत करना चाहिए। आजम खान को भी अपने विरुद्ध लगाए गए आरोपों का कानूनी जवाब देने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। अदालत को उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय करना चाहिए।

लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इसी में है कि कानून का तराजू सत्ता और विपक्ष, प्रभावशाली और सामान्य नागरिक के बीच कोई भेदभाव न करे। अपराध साबित होने पर सजा मिले और निर्दोष होने पर सम्मानपूर्वक न्याय। आखिरकार न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि उसकी निष्पक्षता जनता को दिखाई भी देनी चाहिए। आजम खान प्रकरण में भी देश की निगाहें इसी न्यायिक कसौटी पर टिकी हैं।

मिलावटखोरी पर आफत बना शुद्ध ही शुभ है अभियान



मनोज कुमार अग्रवाल

उत्तर प्रदेश में मिलावटखोरों और नकली सामान बेचने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा शुद्ध ही शुभ है अभियान के तहत बड़े पैमाने पर छापेमारी की जा रही है। त्योहारों विशेषकर दीपावली के मद्देनजर शुरू किए गए इस राज्यव्यापी अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों तक सुरक्षित भोजन और भरोसेमंद स्वास्थ्य उत्पाद पहुंचाना है।

खाद्य सुरक्षा की टीमों ने उत्तर प्रदेश के 38 जिलों और 17 मंडलों में फैले 260 से अधिक दुकानों और खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की है। इसके अलावा, 6 प्रमुख जिलों में 317 से अधिक होटलों और रेस्टोरेंट की गहन जांच की गई।

जांच के दौरान कई नामी प्रतिष्ठानों में हाइजीन (सफाई) की भारी कमी, एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल, कीड़े-मकौड़ों व चूहों का संक्रमण और वेज-नॉनवेज को अलग न रखने जैसी गंभीर लापरवाहियां सामने आईं। कई जगहों पर मिठाइयां खुले में रखी मिलीं और पनीर में स्टार्च मिलाने के मामले भी पकड़े गए।नियमों का उल्लंघन करने पर कई दुकानदारों के लाइसेंस रद्द/निलंबित कर दिए गए हैं। संभल जैसे जिलों में छापेमारी कर करीब 820 किलो मिलावटी रसगुल्ले और 50 लीटर खराब दूध को मौके पर ही नष्ट कराया गया।

प्रदेश के विभिन्न बाजारों जैसे प्रतापगढ़, संभल, वाराणसी, आगरा, लखनऊ से खोया, घी, पनीर, छैना और सोनपापड़ी के सैकड़ों नमूने लेकर जांच के लिए लैब भेजे गए हैं। इसके साथ ही, गुलाब जल के नाम पर नशीले पदार्थ (ड्रग्स) बनाने वाले माफियाओं के खिलाफ भी सरकार ने सख्त एक्शन लिया है

आपको बता दें कि यूपी की राजधानी लखनऊ के नादरगंज स्थित महेश नमकीन प्रतिष्ठान में निरीक्षण के दौरान गंदगी, मकड़ी के जाले, कबूतरों की मौजूदगी और भंडारण संबंधी गंभीर खामियां मिलीं. स्थिति को देखते हुए विभाग ने तत्काल नमकीन उत्पादन पर रोक लगा दी. इसके अलावा 18 अन्य प्रतिष्ठानों को कमियां दूर करने के लिए सुधार नोटिस जारी किए गए. खाद्य पदार्थों और तलने वाले तेल के 19 नमूने भी जांच के लिए भेजे गए हैं.हापुड़ में खाद्य सुरक्षा विभाग ने एनएच-9 पर चोटीवाला ढाबे के पास एक वाहन की जांच के दौरान 600 किलोग्राम पनीर बरामद किया. यह पनीर मुरादाबाद से दिल्ली बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था. जांच में पनीर गंदे बर्तनों में अखाद्य बर्फ के साथ अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा मिला. खट्टेपन और दुर्गंध के कारण मिलावट की आशंका पर दो नमूने जांच के लिए लिए गए. शेष 597 किलोग्राम पनीर, जिसकी कीमत लगभग 1.81 लाख रुपये बताई गई, नियमानुसार गड्ढे में दबाकर नष्ट कर दिया गया.

इसके अलावा हापुड़ जनपद में पिलखुवा क्षेत्र में एक गैर मानकीकृत कारखाने में नकली बंगाली मिठाई बनती पकड़ी गई 650 किलो मिठाई नष्ट करा दी गयी।

रायबरेली में नरेश स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट पर छापेमारी के दौरान तीन नमूने संग्रहित किए गए. खाद्य सामग्री की गुणवत्ता खराब मिलने पर 348 किलोग्राम बेसन और मिठाई, जिसकी कीमत करीब 48 हजार रुपये थी, मौके पर ही नष्ट कराई गई. साथ ही आवश्यक सुधार होने तक प्रतिष्ठान को बंद करा दिया गया.

रिपोर्ट्स के अनुसार खाद्य सुरक्षा जांच के साथ-साथ विधिक माप विज्ञान विभाग भी त्योहारों के दौरान बाजारों में सक्रिय है. 26 अक्टूबर से शुरू हुआ विशेष अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण 2 से 5 नवंबर तक संचालित होगा. विभाग की टीमें मिठाई-गिफ्ट पैक, एलपीजी सिलेंडर, खाद्य तेल, घी, आटा, मैदा, सूजी, ज्वैलर्स प्रतिष्ठानों और पेंट कारोबारियों की जांच कर रही हैं. विशेष रूप से मिठाई के डिब्बों के वजन को मिठाई में जोड़कर अधिक कीमत वसूलने, एमआरपी से ज्यादा राशि लेने और माप-तौल में गड़बड़ी जैसी शिकायतों पर फोकस किया जा रहा है.

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के तहत त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश में विधिक माप विज्ञान विभाग का विशेष जांच अभियान तेज कर दिया गया है. दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज और छठ जैसे प्रमुख पर्वों को देखते हुए विभाग की टीमें बाजारों में औचक निरीक्षण कर रही हैं. अभियान के तहत घटतौली, पैकेज्ड वस्तुओं पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक वसूली और माप-तौल से जुड़ी अनियमितताओं



पर विशेष नजर रखी जा रही है. 26 अक्टूबर से शुरू हुआ यह अभियान 31 अक्टूबर तक पहले चरण में और 2 से 5 नवंबर तक दूसरे चरण में जारी रहेगा.

मिठाई और गिफ्ट पैक, एलपीजी सिलेंडर, खाद्य तेल, घी, आटा, मैदा, सूजी, ज्वैलर्स प्रतिष्ठान और पेंट कारोबारियों को विशेष निगरानी में रखा गया है. विभाग यह सुनिश्चित कर रहा है कि उपभोक्ताओं को घोषित मात्रा के अनुरूप वस्तुएं मिलें और उनसे निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली न की जाए. सरकार का कहना है कि त्योहारों के दौरान नागरिकों को सुरक्षित, पारदर्शी और निष्पक्ष खरीदारी का माहौल उपलब्ध कराना उसकी प्राथमिकता है तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. इस अभियान से मिलावटखोरों में हडकंप मच गया है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नदियों की गाद से बनेंगे राष्ट्रीय राजमार्ग, बिहार के विकास को मिलेगी नई गति



विनोद सिंह 'तकियावाला'

'नदी संजीवनी' पहल का व्यापक संदेश यही है कि प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन विकास की नई संभावनाएँ खोल सकता है। नदियों में जमा गाद को हटाकर जलप्रवाह और जलधारण क्षमता में सुधार करना तथा उपयुक्त सामग्री को राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में लगाना संसाधनों के पुनः उपयोग का व्यावहारिक उदाहरण है। इससे निर्माण सामग्री की उपलब्धता बढ़ सकती है, उपजाऊ मिट्टी के अनावश्यक दोहन पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है और जल निकायों के पुनर्जीवन को प्रोत्साहन मिल सकता है।

'नदी संजीवनी' पहल से बाढ़ नियंत्रण, जलाशयों के पुनर्जीवन और सड़क निर्माण को जोड़ने की ऐतिहासिक पहल...

बिहार की नदियों में जमा गाद अब राज्य के लिए केवल बाढ़ और जलजमाव की समस्या नहीं रहेगी,बल्कि विकास का नया संसाधन बनने जा रही है। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद का उपयोग राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में किया जाएगा। इस उद्देश्य से 3 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और बिहार सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में हुई यह पहल 'नदी संजीवनी' के माध्यम से जल प्रबंधन और आधारभूत संरचना के विकास को एक साथ जोड़ती है। इसका लक्ष्य नदियों की जलवहन क्षमता में सुधार, बाढ़ के जोखिम को कम करने और निर्माण कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध उपयुक्त सामग्री का उपयोग करना है।बिहार जैसे बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए इस समझौते का विशेष महत्त्व है। राज्य का बड़ा भूभाग गंगा के मैदानी क्षेत्र में स्थित है। गंगा के साथ गंडक, कोसी, बागमती, कमला-बालन, महानंदा, सोन और पुनपुन जैसी नदियाँ बिहार की जीवनरेखा हैं। नेपाल से आने वाली नदियों में वर्षा के मौसम में जलस्तर बढ़ने और उनके साथ बड़ी मात्रा में गाद आने से राज्य के अनेक जिलों में बाढ़ और जलजमाव की स्थिति उत्पन्न होती है। नदियों के तल में लगातार जमा होती गाद जलप्रवाह और जलधारण क्षमता को प्रभावित करती है। बिहार में 50 हजार से अधिक जल निकायों की मौजूदगी इस समस्या के व्यापक स्वरूप को दर्शाती है। ऐसे में वैज्ञानिक तरीके से गाद निकालने और उसका उपयोगी पुनः इस्तेमाल करने की पहल जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

इस समझौते की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें गाद को अपशिष्ट के बजाय निर्माण कार्य में उपयोगी संसाधन के रूप में देखा गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आकलन के अनुसार,बिहार में निर्माणाधीन 16 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में नदियों से निकाली गई लगभग 243 लाख घन मीटर गाद का उपयोग किया जाएगा। भविष्य की 27 परियोजनाओं के लिए लगभग 835 लाख घन मीटर गाद के उपयोग का प्रस्ताव है। यह सामग्री तकनीकी परीक्षण और निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरने के बाद ही सड़क निर्माण में इस्तेमाल की जाएगी। इससे सड़क निर्माण के लिए मिट्टी की उपलब्धता बढ़ेगी और प्राकृतिक ऊपरी मिट्टी के अनावश्यक दोहन को सीमित करने में मदद मिलेगी।बिहार में



इस समय लगभग 1,561 किलोमीटर लंबाई की 39 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल लागत करीब 58,340 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त लगभग 1,982 किलोमीटर लंबाई की 11 नई परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं, जिनकी अनुमानित लागत करीब 75,200 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण सामग्री की आवश्यकता होगी। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद इस आवश्यकता को पूरा करने में सहायक हो सकती है। इस व्यवस्था से एक ओर जल निकायों की सफाई और पुनर्जीवन को गति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर राजमार्ग निर्माण के लिए स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी लंबे समय से बिहार में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए व्यापक जल प्रबंधन, नदियों की ड्रेजिंग, तट संरक्षण और जल ग्रिड की अवधारणा पर जोर देते रहे हैं। पटना में आयोजित बिहार निवेशक सम्मेलन के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग और बिजली ग्रिड की तर्ज पर जल ग्रिड विकसित करने का विचार रखा था। उनका कहना था कि एक नदी बेसिन में उपलब्ध अतिरिक्त पानी को दूसरे बेसिन तक पहुँचाने की व्यवस्था से जल संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने नदियों से गाद निकालकर उसका उपयोग राजमार्ग निर्माण में करने की संभावना भी व्यक्त की थी। अब केंद्र और बिहार सरकार के बीच हुआ यह समझौता उस विचार को संस्थागत रूप देने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के अवसर पर बिहार की गाद प्रबंधन नीति को राज्य के लिए दूरगामी महत्त्व का कदम बताया। उन्होंने कहा कि बिहार में नेपाल से आने वाली सात प्रमुख नदियों के कारण बाढ़ की चुनौती गंभीर बनी रहती है। राज्य सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए व्यापक गाद प्रबंधन नीति तैयार की है, ताकि नदियों में जमा गाद को विकास के संसाधन में बदला जा सके। मुख्यमंत्री ने बांका जिले के ओढ़नी बांध का उदाहरण देते हुए बताया कि गाद निकालने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराने पर लगभग 350 करोड़ रुपये की आवश्यकता बताई गई थी, जबकि राज्य सरकार की ओर से निविदा आमंत्रित किए जाने पर एक निजी ठेकेदार ने काम करने के बदले सरकार को 60 करोड़ रुपये देने की पेशकश की। इस उदाहरण से स्पष्ट होता है कि वैज्ञानिक और व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाने पर गाद प्रबंधन आर्थिक अवसर भी बन सकता है।मुख्यमंत्री ने गंगा के दोनों किनारों पर बिहार में चार लेन के मार्ग विकसित करने की संभावना पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने गंगा के जलमार्गों को व्यवस्थित करने और नदी तल से गाद निकालने के माध्यम से बड़े भूभाग को उपयोगी बनाने की संभावना का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री की दृष्टि में नदी प्रबंधन को बाढ़ नियंत्रण तक सीमित रखने के बजाय कृषि, परिवहन, औद्योगिक विकास और रोजगार से जोड़ना आवश्यक है। हालाँकि, इस प्रकार की व्यापक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने से पहले विस्तृत तकनीकी, पर्यावरणीय और सामाजिक अध्ययन जरूरी होगा, ताकि नदी के प्राकृतिक प्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।इस पहल की सफलता केवल गाद निकालने की मात्रा से नहीं, बल्कि उसकी वैज्ञानिक प्रक्रिया और पर्यावरणीय सुरक्षा से तय होगी। नदियों और जलाशयों की पहचान, गाद की मात्रा का आकलन, उसकी गुणवत्ता की जाँच और उपयोग की उपयुक्तता निर्धारित करना आवश्यक होगा। सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को मंत्रालय तथा भारतीय सड़क कांग्रेस के निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। नदी के तटों, तटबंधों, पुलों और आसपास की बस्तियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। गाद की निकासी, ढुलाई और उपयोग की मात्रा का पारदर्शी रिकॉर्ड तथा नियमित निगरानी इस पूरी व्यवस्था को जवाबदेह बनाएगी। बिहार सरकार की गाद प्रबंधन नीति और केंद्र के साथ हुए इस समझौते का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब क्रियान्वयन में पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय समुदायों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी।बिहार में सड़क अवसंरचना का विस्तार भी इस पहल को विशेष महत्त्व देता है। वर्ष 2014 के बाद राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 के बाद राज्य की प्रमुख नदियों पर 29 नए पुलों के निर्माण की दिशा में भी काम हुआ है। बेहतर सड़क संपर्क से कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने, औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, पर्यटन विकसित करने और रोजगार के अवसर सृजित करने में सहायता मिलती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से लगभग 49,751 करोड़ रुपये की चार प्रमुख सड़क एवं एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया था। इनमें पटना-पूर्णिया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे, सरिस्ताबाद-दीदारगंज और अनीसाबाद-दीदारगंज खंडों में एलिवेटेड मार्ग, वाराणसी- रांची-कोलकाता ग्रीनफील्ड राजमार्ग तथा गंडक नदी पर पुल निर्माण जैसी परियोजनाएँ शामिल हैं। इन परियोजनाओं से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है।

'नदी संजीवनी' पहल का व्यापक संदेश यही है कि प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन विकास की नई संभावनाएँ खोल सकता है। नदियों में जमा गाद को हटाकर जलप्रवाह और जलधारण क्षमता में सुधार करना तथा उपयुक्त सामग्री को राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में लगाना संसाधनों के पुनः उपयोग का व्यावहारिक उदाहरण है। इससे निर्माण सामग्री की उपलब्धता बढ़ सकती है, उपजाऊ मिट्टी के अनावश्यक दोहन पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है और जल निकायों के पुनर्जीवन को प्रोत्साहन मिल सकता है। बिहार की बाढ़ समस्या का समाधान किसी एक योजना से संभव नहीं है, लेकिन यह पहल नदी प्रबंधन, सड़क निर्माण और पर्यावरण संरक्षण के बीच समन्वय स्थापित करने का अवसर अवश्य प्रदान करती है। अब जरूरत समयबद्ध कार्ययोजना, पारदर्शी निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन की है। यदि केंद्र और राज्य सरकारें इसे धरातल पर सफलतापूर्वक लागू कर पाती हैं, तो बिहार की नदियों की गाद वास्तव में राज्य के विकास की नई संजीवनी बन सकती है।



कोरोना महामारी के दौरान बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से ऐसी विभिन्न कक्षाओं में दाखिला और भाग ले रहे हैं जो उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उनके स्कूल द्वारा प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह पैटर्न विभिन्न आयु समूहों में देखा गया है जिसके कारण भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग बढ़ रही है।

बच्चों को घर बैठे खेल-खेल में सिखाएं गणित के गुण

कोरोना वायरस महामारी के बाद कई छात्र काफी मानसिक तनाव महसूस कर रहे हैं। इस तनाव को दूर करने के लिए कई छात्र नए-नए हुनर सीख रहे हैं। ऐसे में भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग काफी बढ़ गई है। माता-पिता अपने बच्चों को नए कौशल सिखाने के लिए ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म का सहारा ले रहे हैं। ऐसे में अगर आप अपने बच्चे को गणित और सांख्यिकी गणना सिखाना चाहते हैं तो अबेकस ट्रेनिंग क्लास की मदद से आप अपने बच्चों को खेल में गणित पढ़ा सकते हैं।

कोरोना महामारी के दौरान बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से ऐसी विभिन्न कक्षाओं में दाखिला और भाग ले रहे हैं जो उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उनके स्कूल द्वारा प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह पैटर्न विभिन्न आयु समूहों में देखा गया है जिसके कारण भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग बढ़ रही है। माता-पिता अलग-अलग ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म ढूंढ रहे हैं जिसके माध्यम से उनके बच्चों को रचनात्मक सीखने के माहौल में पाला जा सकता है। गणित और संख्या कुछ बच्चों के लिए स्वाभाविक रूप से आती है, लेकिन जब गणना की बात आती है तो स्कूल और कॉलेज के छात्रों का एक बड़ा हिस्सा कुछ हद तक संघर्ष करता है। अबेकस, जैसा कि हम सभी जानते हैं, सदियों से मौजूद है और इसे अंकगणितीय कौशल और संख्यात्मक प्रवाह को विकसित करने के लिए दुनिया भर में सबसे अच्छे उपकरणों में से एक माना जाता है। अबेकस टूल का उपयोग गणितीय कार्यों जैसे जोड़, घटाव, गुणा, वर्ग या घनमूल को करने के लिए किया जाता है। अबेकस का उपयोग दशमलव अंक, ऋणात्मक संख्या और बहुत कुछ गिनने के लिए भी किया जा सकता है। अपने गणना कौशल में सुधार के अलावा, अबेकस सीखने से बच्चे के समग्र विकास में मदद मिल सकती है। अबेकस सीखने के कुछ लाभ इस प्रकार हैं :

- कैलकुलेशन की गति और सटीकता में सुधार करता है
- विश्लेषणात्मक कौशल और तार्किक रीजनिंग का निर्माण करता है
- गणित में रुचि पैदा करता है
- एकाग्रता और अवलोकन शक्ति को बढ़ाता है
- मेमोरी में सुधार करता है
- आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बनाता है



यहां भारत में पांच ऐसे प्लेटफार्मों के बारे में बताया गया है जो 100 प्रतिशत डिजिटल एबेकस प्रशिक्षण प्रदान करते हैं और युवाओं को भविष्य के रोल मॉडल बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

ब्रिटिश यूथ इंटरनेशनल कॉलेज

यूके स्थित प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन अबेकस शिक्षण मंच लॉन्च करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। उनके मंच में पूरी तरह कार्यात्मक वर्चुअल अबेकस है जो बच्चों के समग्र मानसिक विकास के लिए इंटरैक्टिव प्रशिक्षक के नेतृत्व वाली अबेकस शिक्षण पद्धति का उपयोग करता है। ये ऑनलाइन कक्षाएं चरण-दर-चरण अप्रोच प्रदान करती हैं जिसका उद्देश्य छात्रों को अबेकस को ध्यान में रखकर मार्गदर्शन करना और कैलकुलेटर की तुलना में तेजी से संख्या की गणना करना है। शिक्षक प्रत्येक छात्र को गहन शिक्षण प्रदान करते हैं। वे जोड़, घटाव, गुणा, भाग, दशमलव जोड़, दशमलव घटाव, दशमलव गुणा और दशमलव भाग को कवर करते हैं। वे एकमात्र अबेकस कंपनी हैं जो दशमलव आधारित गणना प्रदान करती हैं।

उडेमी

उदमी अबेकस कोर्स का उद्देश्य आपकी गणना, क्षमता, संख्या बोध और मानसिक अंकगणित को बेहतर बनाने में मदद करके मस्तिष्क का विकास करना है। यह पाठ्यक्रम मल्टीमीडिया और एनिमेशन के जरिये आपको सिखाएगा कि अबेकस पर सही और तेज बुनियादी गणित संचालन कैसे करें। इन अबेकस ऑनलाइन कक्षाओं को शुरू करके बच्चे अबेकस पर संख्याएं रखने, हल करने और जोड़ और घटाव को समझने में सक्षम होंगे।

अबेकस सुपरमैथ्स

'सुपरमैथ्स' छात्रों को अबेकस टूल का उपयोग करने के लिए एक दोस्ताना और इंटरैक्टिव मंच प्रदान करता है। उनकी कक्षाएं आपको ऑनलाइन वर्कशीट पर काम करके मानसिक सिद्धांत अवधारणाओं को अभ्यास में लाने की अनुमति देती हैं। यह कोर्स दो ट्रैक में आता है, जूनियर और सीनियर। पहले ट्रैक में 11 स्तर होते हैं जबकि दूसरे वरिष्ठ ट्रैक में 8 स्तर होते हैं। प्रत्येक स्तर के अंत में एक ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाती है जिसके बाद छात्र को अगले स्तर पर पदोन्नत किया जाता है। वे प्रशिक्षक के नेतृत्व में आवेदन आधारित वीडियो कक्षाओं के माध्यम से पढ़ाते हैं।

अबेकस मास्टर

अबेकस मास्टर ने अबेकस को अधिक रोचक और मनोरंजक बनाने के लिए अनूठी विशेषताओं के साथ एक व्यापक शिक्षण मंच बनाया है। यह ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म 5-12 वर्ष की आयु के बीच के छात्रों को अबेकस प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसमें आठ स्तर शामिल होते हैं जो बुनियादी से लेकर उन्नत अबेकस गणनाओं तक सभी विषयों को कवर करते हैं। छात्र इस पाठ्यक्रम को अपनी गति के हिसाब से ले सकते हैं; हालाँकि, पोर्टल पूरी तरह से आश्वस्त होने के लिए प्रत्येक स्तर पर कम से कम दो महीने बिताने का सुझाव देता है। उनकी कक्षाएं एनिमेशन, अंजान वीडियो और प्रैक्टिस वर्कशीट की मदद से दी जाती हैं।

स्मार्ट किड अबेकस

स्मार्ट किड की 'अबेकस प्रेक्टाइजी' बच्चों के लिए अबेकस ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करती है। ये कक्षाएं सप्ताह में एक बार 45 मिनट के लिए आयोजित की जाती हैं। समय में कोई पाबन्दी नहीं है और छात्र कई प्रकार के पाठ्यक्रमों में से चुन सकते हैं। यह आठ स्तरीय पाठ्यक्रम है जिसमें 5 बुनियादी और 3 अग्रिम स्तर हैं। पाठ्यक्रम 4-14 वर्ष आयु वर्ग के छात्रों के लिए डिजाइन किए गए हैं और ये पाठ्यक्रम कौशल के विकास के साथ-साथ संपूर्ण मस्तिष्क विकास को बढ़ावा देते हैं।



फ्लाइट में यात्रियों की मेहमान नवाजी कर कमाएं हजारों

केबिन क्रू की जिम्मेदारी फ्लाइट में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना, उनकी जरूरतों को पूरा करना और यात्रियों को फ्लाइट के नियम समझाना होता है। बहुत से लोग केबिन क्रू बनना चाहते हैं लेकिन उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि केबिन क्रू कैसे बनें।

के बिन क्रू का मतलब होता है केबिन के कर्मचारी। किसी भी फ्लाइट में जहाँ यात्री बैठते हैं, उसे केबिन कहते हैं। फ्लाइट में यात्रियों की सेवा और सुरक्षा के लिए जो टीम होती है, उसे केबिन क्रू कहते हैं। केबिन क्रू की जिम्मेदारी फ्लाइट में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना, उनकी जरूरतों को पूरा करना और यात्रियों को फ्लाइट के नियम समझाना होता है। बहुत से लोग केबिन क्रू बनना चाहते हैं लेकिन उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि केबिन क्रू कैसे बनें। आज के इस लेख में हम आपको केबिन क्रू बनने के लिए जरूरी योग्यता, प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी देंगे

योग्यता

- उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा में साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स किसी भी स्ट्रीम में पास होना चाहिए। या किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी अगर आपने किसी भी सब्जेक्ट में स्नातक की हो तो आप केबिन क्रू की जॉब के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदक की ऊंचाई 157 से 170 सेंटीमीटर के बीच होनी चाहिए।
- आवेदक की आयु 17 से 26 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

जरूरी कौशल

- केबिन क्रू बनने के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होनी चाहिए।
- केबिन क्रू बनने के लिए दूसरों के साथ अच्छी तरह से बातचीत करने का ढंग होना चाहिए।
- आपके शरीर पर किसी प्रकार का टैटू नहीं होना चाहिए।
- आपकी अंग्रेजी एवं हिंदी भाषा पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए।
- केबिन क्रू बनने के लिए अच्छी पर्सनालिटी और गुड लुक्स भी जरुरी होते हैं।

कोर्सेज

- डिप्लोमा इन केबिन क्रू एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन एंड ट्रेवल मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एविएशन एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन केबिन क्रू
- सर्टिफिकेट कोर्स इन एयर हॉस्टेस

केबिन क्रू कैसे बनें

- एयरलाइन कंपनियां समय-समय पर केबिन क्रू की भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी करती हैं।
- केबिन क्रू का एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद आवेदक को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है।
- इंटरव्यू क्लियर करने के बाद आवेदक की शारीरिक जाँच और मेडिकल टेस्ट होता है।
- मेडिकल टेस्ट क्लियर करने के बाद ग्रुप डिस्कशन होता है।
- इन सभी टेस्ट्स को पास करने वाले उम्मीदवारों का चयन केबिन क्रू के लिए होता है।

सैलरी

शुरुआत में बतौर केबिन क्रू आपकी सैलरी प्रतिमाह 30,000 रूपये से 50,000 रूपये तक हो सकती है। हालांकि, समय के साथ अनुभव होने पर सैलरी बढ़कर 70 हजार रूपये से 1 लाख रूपये प्रतिमाह तक हो सकती है।



वैकल्पिक चिकित्सा में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो चुनें मैग्नेटिक थेरेपी

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए।

मैग्नेटिक थेरेपी, जिसे मैग्नेट थेरेपी या मैग्नो थेरेपी भी कहा जाता है, वास्तव में एक वैकल्पिक चिकित्सा उपचार है, जिसमें विभिन्न रोगों के उपचार के लिए चुंबक का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद सिंपल, इफेक्टिव, सुरक्षित व पूरी तरह से दर्दरहित प्राकृतिक उपचार है। चुंबकीय चिकित्सा को एक विज्ञान के साथ-साथ एक कला के रूप में माना जाता है, क्योंकि इसमें मानव के विभिन्न अंगो, रोगों को जानने के साथ-साथ व मैग्नेट के उचित उपयोग को जानना भी उतना ही जरूरी है। विज्ञान में, चुंबकीय चिकित्सा एक्यूपंक्चर के समान है। वहीं कला में, इसमें विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए शरीर के विभिन्न हिस्सों पर विभिन्न आकारों और शक्तियों के मैग्नेट का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद डिफरेंट चिकित्सा थेरेपी है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं कॅरियर-

स्किल्स

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए। इसके अलावा उन्हें मानव शरीर व उसके महत्वपूर्ण अंगों की रचना व उसके विज्ञान के बारे में भी पता होना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता

भारत में केवल कुछ ही संस्थान मैग्नेट थैरेपी पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं। मैग्नेट थेरेपी में सर्टिफकिट, डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता 10, 2 है और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए स्नातक होना आवश्यक है। डिप्लोमा कोर्स की अवधि 1 वर्ष की है और स्नातक और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स 2 वर्ष का है। कुछ संस्थान शार्ट टर्म डिप्लोमा और मास्टर डिप्लोमा कोर्स भी करवाते हैं, जिनकी अवधि एक से तीन महीने की होती है। एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट प्राइवेट व पब्लिक हॉस्पिटल, नेचुरोपैथी हॉस्पिटल या वैकल्पिक उपचार चिकित्सा केन्द्रों में काम कर सकते हैं। इसके अलावा मैग्नेटिक थेरेपिस्ट इंडिपेंडेंट प्रैक्टिस भी कर सकते हैं। इतना ही नहीं, वह उपचार के लिए मैग्नेटिक ज्वैलरी, ब्रेसलेट व अन्य उत्पादों को भी बेच सकते हैं। एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट की आय असीमित है। उनकी आय उनके चिकित्सीय कौशल पर निर्भर करती है। सेल्फ इंपलायड मैग्नेटिक थेरेपिस्ट घंटे के हिसाब से चार्ज करते हैं। उनका एक सेशन करीबन 20 से 30 मिनट का होता है।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, कोलकाता
- एक्यूप्रेशर रिसर्च, टेनिंग व टीटमेंट इंस्टीट्यूट, जोधपुर
- ऑल इंडिया पैरा मेडिकल टेक्नोलॉजी एंड अल्टरनेटिव मेडिकल काउंसिल, लुधियाना
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी, पुणे
- कॉलेज ऑफ क्लिनकिल मैग्नेटोलॉजी और प्राण हीलिंग कॉलेज, त्रिशूर
- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, कोलकाता
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, बैंगलोर
- महेन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, जयपुर





एक्वापॉनिक्स फार्मिंग में है बेहतर भविष्य

क्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है।

आज के समय में एग्रीटेक स्टार्टअप बहुत तेजी से विकसित हो रहा है। एक्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है जबकि इसमें पौधे दोगुनी रफ्तार से बढ़ते हैं। एक्वापॉनिक्स में एक फिश टैंक में मछली पालन किया जाता है और दूसरी तरफ पानी पर हाइड्रोपोनिक खेती का सिस्टम बनाया जाता है। फिश टैंक में मछलियां फीड खाने के बाद करीब 70 फीसदी तक मल निकालती हैं जिसमें अमोनिया होता है। इसके बाद फिश टैंक से अमोनिया वाले पानी को हाइड्रोपोनिक खेती के लिए इस्तेमाल किया जाता है। जब ये पानी पौधों की जड़ों तक पहुंचता है तो वहां मौजूद बैक्टीरिया इसे नाइट्रोजन में तोड़ देते हैं। यह पौधों के विकास के लिए बहुत ही अहम होता है। इसके बाद पानी को फिर से प्यूरिफाई किया जाता है और दोबारा मछलियों के टैंक में डाला जाता है। इस तरह एक ही पानी बार-बार इस्तेमाल होता रहता है और पानी की बचत होती है।

एक्वापोनिक फार्मिंग सेटअप तैयार करने में कितनी लागत आएगी यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप बड़ा सेटअप तैयार करना चाहते हैं या छोटा। उदाहरण के लिए अगर आप एक एकड़ जमीन पर एक्वापोनिक फार्मिंग करते हैं तो आपका करीब 3 करोड़ रूपए तक का खर्चा आ सकता है। इसके साथ ही अगर आप मुनाफा चाहते हैं तो आपको अच्छी क्वालिटी वाली चीजें इस्तेमाल करनी होंगी। एक्वापोनिक खेती से हुई पैदावार पूरी तरह ऑर्गेनिक होती है इसलिए आप इसके लिए सामान्य की तुलना में दो से तीन गुना कीमत कमा सकते हैं। हालाँकि, आपको पैदावार से पहले ही उसे बेचने की तैयारी कर लेनी होगी वरना आपको भारी नुकसान हो सकता है। इसके लिए आप बड़े-बड़े रिटेल स्टोर, रेस्टोरेंट और फाइव स्टार होटलों से कॉन्ट्रैक्ट कर सकते हैं।

इंडगो के बेड़े में दिसंबर 2027 तक 14 संकरे ए321 एक्सएलआर विमान शामिल होंगे

कम दूरी पर मुख्य फोकस, पर 2028 से ए350 से लंबी दूरी की तैयारी

नई दिल्ली ।

इंडिगो अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का जाल फैलाने की बड़ी तैयारी में है। इं डिगो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने मंगलवार को बताया कि दिसंबर 2027 तक उसके बेड़े में कुल 14 संकरे ए321 एक्सएलआर विमान शामिल होने की उम्मीद है, जो लंबी दूरी तय कर सकते हैं। उन्होंने एविएशन इंडिया एंड साउथ एशिया 2026 में यह भी खुलासा किया कि कंपनी का लक्ष्य 2030 तक 600 विमानों का बेड़ा तैयार करना है। अे धिकारी ने बताया कि फिलहाल ऐसे चार विमान बेड़े में हैं और इस साल एक और जोड़ा जाएगा। इन अधिक क्षमता वाले विमानों से विदेशों में नए गंतव्य जुड़ेंगे। उन्होंने दोहराया कि विमानन कंपनी का ध्यान कम दूरी की उड़ानों पर ही बना रहेगा। बोइंग 787 का परिचालन बंद कर चुकी इंडिगो को 2028 की दूसरी तिमाही से ए350-900 विमान मिलने शुरू होंगे। हालांकि, उन्होंने चेताया कि ए350 के उत्साह में कंपनी को अपनी कम दूरी की कुशल उड़ानों पर से ध्यान नहीं भटकना चाहिए। इंडिगो को उम्मीद है कि 2030 तक उसके बेड़े में 600 विमान होंगे (फिलहाल 440 से अधिक)। उन्होंने हवाई अड्डों से प्रभावी साझेदारी व निवेश पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही, साथ ही उनके ऊंचे शुल्क-करों की आलोचना भी की।

अब दुबई और सिंगापुर में यूपीआई से भुगतान संभव

बुर्ज खलीफा और यूनिवर्सल स्टूडियो जैसे प्रमुख स्थलों पर मिलेगी भुगतान की सुविधा

नई दिल्ली ।

भारतीय पर्यटक अब दुबई और सिंगापुर जैसे लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों में भारतीय पेमेंट मोड यूपीआई के जरिए आसानी से भुगतान कर सकेंगे। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में इस नई सुविधा की जानकारी दी है, जिसका मुख्य उद्देश्य विदेश यात्रा के दौरान भारतीय पर्यटकों के लिए टिकट बुक करने और अन्य खरीददारी को आसान बनाना है। यह कदम भारतीयों को विदेश यात्रा के दौरान टिकट खरीदने के लिए विदेशी कार्ड या दूसरे अंतरराष्ट्रीय पेमेंट ऑप्शंस पर निर्भर रहने की झंझट से मुक्ति दिलाएगा। इससे न केवल उनकी यात्रा और अधिक सुविधाजनक होगी, बल्कि उन्हें करेंसी एक्सचेंज की जटिलताओं से भी नहीं जूझना पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर, यदि आप दुबई घूमने जा रहे हैं और बुर्ज खलीफा का टिकट यूपीआई से बुक करना चाहते हैं, तो यह प्रक्रिया बेहद सरल है। आपको बस बुर्ज खलीफा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा, अपनी पसंद का टिकट पैकेज चुनना होगा और बुक नाओ पर क्लिक करके घूमने की तारीख व समय का चयन करना होगा। इसके बाद चेकआउट करते समय पेमेंट के विकल्प में यूपीआई को चुनकर आप आसानी से भुगतान कर सकते हैं। यह नई पहल विदेश जाने वाले भारतीयों को काफी सहूलियत प्रदान करेगी और वैश्विक स्तर पर भारतीय डिजिटल पेमेंट के बढ़ते इस्तेमाल को भी बढ़ावा देगी। यह भारतीय डिजिटल इकोसिस्टम के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आंध्र प्रदेश को मिली 1614 करोड़ की दक्षिण कोरियाई निवेश लॉटरी, तमिलनाडु चूका

हुंडई-किया के पुर्जे बनाने वाली तीन कंपनियां अनंतपुर में लगाएंगी फैक्ट्रियां

नई दिल्ली ।

भारत में निवेश के लिए राज्यों के बीच चल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा में आंध्र प्रदेश ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। दक्षिण कोरिया की तीन प्रमुख ऑटो-पार्ट्स कंपनियों ने तमिलनाडु को पछाड़कर आंध्र प्रदेश में 1,614 करोड़ रुपये का निवेश करने का फैसला किया है। ये कंपनियां दुनिया की दिग्गज कार निर्माता हुंडई और किया को गाड़ियों के पुर्जे सप्लाई करती हैं। इस निवेश के तहत राज्य के अनंतपुर जिले में नई मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्रियां स्थापित की जाएंगी। इसमें ह्वासन 850 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, सियोयोन 514 करोड़ रुपये लगाएगी, और इवामेट 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कुल मिलाकर, यह ₹1,614 करोड़ का निवेश 1,418 संभावित रोजगार सृजित करेगा। तमिलनाडु, जो ऑटोमोबाइल कंपनियों का एक बड़ा केंद्र है और वहां हुंडई के प्लांट भी मौजूद हैं, इन कंपनियों को अपने यहां निवेश के लिए लुभा रहा था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1200 , निफ्टी 370 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। इसी कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांक भारी बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे बाजार में उत्साह का माहौल है। इस तेजी का कारण हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और एशियन पेंट्स जैसे दिग्गज शेयरों में आया उछाल है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1225.07 अंक बढ़कर 76,917.85 के ऊपरी स्तरों पर बंद हुआ। इसी तरह, 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 370.05 अंकों की तेजी के साथ ही 23,810.85 के स्तर पर पहुंचा। गत दिवस भी बाजार में करीब 1.5 फीसदी की तेजी रही जिससे यह लगातार दूसरा ऐसा दिन रहा जब निवेशकों की पूंजी बढ़ी है।

आज अधिकर शेयरों में तेजी रही। सेंसेक्स में शामिल 30 में से 25 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए, जबकि शेष 5 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। वहीं, निफ्टी में भी यही रुझान रहा। इसमें 50 में से 39 कंपनियों के शेयरों में बढ़त रहीजबकि 10 शेयरों में गिरावट आई और एक शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ।

दिग्गज शेयरों में हिंदुस्तान



यूनिलीवर के शेयरों ने लंबी छलांग लगाई और यह 4.16 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, भारती एयरटेल , एचडीएफसी बैंक , एशियन पेंट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही। आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी , टाइटन, एक्सिस बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर भी उछले। । बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और सन फार्मा जैसे अन्य प्रमुख शेयरों में भी बढ़त रही। इस तेजी के बावजूद कुछ शेयर ऐसे भी रहे, जिन्हें नुकसान उठाना पड़ा। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी पावर ग्रिड के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरे। इसके अलावा भारतीय स्टेट बैंक और एनटीपीसी 0.87 और ट्रेंट के शेयर भी गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजारों की बढ़त के साथ शुरुआत हुई।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 13 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.71 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार 12 पैसे मजबूत होकर 94.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पूंजी के प्रवाह से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि, अमेरिका में महत्वपूर्ण मध्यावधि चुनाव से पहले डॉलर के मजबूत होने से दुनियाभर के निवेशकों के सतर्क रहने से रुपये की बढ़त सीमित रही। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.68 प्रति डॉलर पर खुला और फिर मजबूत होकर 94.60 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। इसके बाद यह डॉलर के मुकाबले 94.72 पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं रुपया सोमवार को आठ पैसे टूटकर 94.84 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी बढ़कर 101.65 पर आ गया।

भारत में सोने की मांग 29 फीसदी घटी, मूल्य में 3 फीसदी की वृद्धि

आयात शुल्क, ऊंची कीमतें और पीएम की अपील बनी वजह

मुंबई ।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार भारत में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान सोने की मांग सालाना आधार पर 29 प्रतिशत घटकर 162.5 टन रह गई। आयात शुल्क में बढ़ोतरी, कीमतों में तेज उछाल और प्रधानमंत्री की खरीदारी कम करने की अपील इसके प्रमुख कारण रहे। हालांकि, इस अवधि में सोने की कुल मांग का मूल्य 3 प्रतिशत बढ़कर 2,41,900 करोड़ रुपये हो गया, जो उपभोक्ताओं की सोने के प्रति निरंतर प्राथमिकता को दर्शाता है। डब्ल्यूजीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की इसी तिमाही में सोने की मांग 229.8 टन थी, जबकि समीक्षाधीन तिमाही में औसत भाव करीब 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। कुल आभूषण मांग 20 फीसदी घटकर 99.9 टन पर आ गई, पर मूल्य के लिहाज से यह 16 फीसदी बढ़कर 1,48,700 करोड़ रुपये दर्ज की गई। डब्ल्यूजीसी के एक अे धिकारी ने कहा कि उपभोक्ता अब हल्के वजन के आभूषणों और पुराने सोने के बदले नए आभूषण लेने जैसी रणनीतियों को अपना रहे हैं। उन्होंने बताया कि तीसरी तिमाही के अंत में कीमतों में आई गिरावट और आगामी त्योहारों व शादी के मौसम से मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है। डब्ल्यूजीसी ने पूरे साल के लिए भारत में सोने की मांग 625 से 675 टन रहने का अनुमान लगाया है।

डेरियस खंबाटा ने टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से किया इनकार

विदाई पत्र में टाटा संस की 17 सितंबर की बोर्ड बैठक को 'कलंक का दिन' बताया

नई दिल्ली।

टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स में नेतृत्व को लेकर विवाद गहरा गया है। वरिष्ठ वकील डेरियस खंबाटा ने सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से इनकार कर दिया है। उनका कार्यकाल इसी माह खत्म हो जाएगा। अपने विदाई पत्र में, खंबाटा ने टाटा संस की 17 सितंबर की बोर्ड बैठक को 'कलंक का दिन' बताया, जिससे इस बड़े समूह के अंदर चल रही सत्ता और नियंत्रण की खींचतान एक बार फिर उजागर हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खंबाटा के जाने के बाद, एसडीटीटी में पांच ट्रस्टी होंगे। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा एसडीटीटी में एक 'स्थायी ट्रस्टी' हैं। इस मुद्दे पर कुछ ट्रस्टियों ने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर के सामने आपत्ति जताई है। अन्य मौजूदा ट्रस्टियों में वाइस-चेयरमैन विजय सिंह और वेणु श्रीनिवासन के साथ-साथ भास्कर भट और नेविल टाटा शामिल हैं। जहां पहले टाटा ट्रस्ट्स में ट्रस्टियों का नवीनीकरण एक सामान्य प्रक्रिया थी, वहीं पिछले दो सालों में आम सहमति न बन पाने पर वोटिंग करनी पड़ी है, जिससे विवाद पैदा हुए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अपने विदाई पत्र में खंबाटा ने 28 जुलाई, 2025 को ट्रस्टों द्वारा लिए गए प्रस्तावों के समर्थन में अपने अडिग रुख का जिक्र किया। इन प्रस्तावों में आरबीआई के साथ बातचीत करके टाटा संस की लिस्टिंग का विरोध करना और शापूरजी पलोनजी समूह को उनकी मांगी गई नकद राशि उपलब्ध कराना शामिल था। इसके साथ ही एन चंद्रशेखरन को टाटा संस के चेयरमैन के तौर पर तीसरे कार्यकाल के लिए समर्थन देने का प्रस्ताव भी पारित किया गया था। खंबाटा ने लिखा- अगस्त और सितंबर 2026 की हैरान कर देने वाली घटनाओं ने पिछली बातों को पीछे छोड़ दिया है। अगस्त 2026 में चंद्रशेखरन ने टाटा संस बोर्ड को लिखा था कि वे तीसरे कार्यकाल के लिए दोबारा नियुक्ति नहीं चाहेंगे, लेकिन इसके एक महीने बाद, टाटा संस बोर्ड की एक बैठक में चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल देने का प्रस्ताव पास किया गया, जिसका नोएल टाटा ने विरोध किया। जुलाई 2025 का वह प्रस्ताव, जिसका जिक्र खंबाटा ने अपने पत्र में किया है, एसडीटीटी और एसआरटीटी दोनों की सर्वसम्मति से पास किया गया था। खंबाटा ने ही 28 मई, 2025 की बैठक में टाटा संस की संभावित लिस्टिंग के खिलाफ चेतावनी दी थी और इसे ट्रस्टों के अस्तित्व के लिए खतरा बताया था। उन्होंने लिखा यहां पूरा 'टाटा मॉडल' ही दांव पर लगा था।

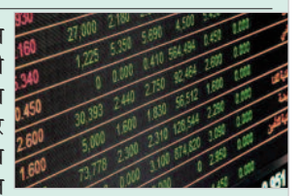
मुकेश अंबानी ने रचा कीर्तिमान, एक दिन में 6.3 अरब डॉलर कमाए

रिलायंस के दमदार तिमाही नतीजों और शेयर में जोरदार उछाल से संपत्ति बढ़ी

मुंबई । रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने हाल ही में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने एक ही दिन में 6.3 अरब डॉलर (लगभग 55,000 करोड़ रुपये से अधिक) की संपत्ति अर्जित कर दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अरबपति का गौरव हासिल किया है। यह बढ़ोतरी उनकी प्रमुख कंपनी के बेहतर तिमाही नतीजों के बाद शेयर में आई जोरदार तेजी का परिणाम है। फोर्ब्स की रियल-टाइम अरबपतियों की ताजा सूची के अनुसार मुकेश अंबानी अब 88.8 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दुनिया के 23वें सबसे अमीर व्यक्ति और भारत के सबसे धनी शख्स बन गए हैं। इस सूची में गौतम अदाणी 79.12 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 26वें स्थान पर हैं। संपत्ति में इस वृद्धि के मामले में वैश्विक स्तर पर स्पेन के अमानसियो ओर्टेगा (1.7 अरब डॉलर) और चीन के झोंग शांशान (1.5 अरब डॉलर) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 11.64 प्रतिशत चढ़कर 1,299 रुपये पर बंद हुआ, जो छह साल से अधिक समय में इसका सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। यह उछाल कंपनी के सितंबर तिमाही के शानदार नतीजों के बाद आया, जिसमें एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 33.8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 29,550 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कंपनी के तेल से रसायन और दूरसंचार व्यवसायों में मजबूत प्रदर्शन ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। कंपनी के तेल से रसायन (ओ2सी) कारोबार में मजबूत प्रदर्शन और दूरसंचार व्यवसाय में वृद्धि ने खुदरा कारोबार की अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति की भरपाई कर दी।

एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक का शेयर आठ फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।



अपशिष्ट जल शोधन समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का शेयर अपने 330 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब आठ प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 7.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 354.05 रुपये पर कारोबार शुरू किया। एनएसई में यह 7.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 355.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 4,161.69 करोड़ रुपये रहा। एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह गुरुवार को बोली के अंतिम दिन 9.47 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 668 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 313 से 330 रुपये प्रति शेयर था। कंपनी की योजना नए शेयर जारी कर जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए करने की है।

एसीएमई सोलर की बीकानेर में 66.68 मेगावाट नई सौर ऊर्जा इकाई शुरू

हाइब्रिड परियोजना की परिचालन क्षमता 200 मेगावाट पार

नई दिल्ली ।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने राजस्थान के बीकानेर जिले में अपनी सौर ऊर्जा क्षमता का विस्तार किया है।

कंपनी की अनुषंगी एसीएमई रिन्यूटेक प्राइवेट लिमिटेड ने 66.68 मेगावाट की अतिरिक्त सौर ऊर्जा इकाई का सफलतापूर्वक परिचालन शुरू किया है।

इस नई क्षमता के साथ हाइब्रिड परियोजना की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 200.04 मेगावाट हो गई है। इसके परिणामस्वरूप एसीएमई सोलर की कुल परिचालन क्षमता अब करीब 3,190 मेगावाट हो गई है। यह परियोजना बीकानेर के केलां गांव में स्थित है और इसके लिए एनटीपीसी लिमिटेड के साथ 3.36 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा की दर से बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया गया है।

नई शुरू की गई क्षमता की वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओडी) 4 नवंबर, 2026 निर्धारित है।

कंपनी को उम्मीद है कि वह वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही तक परियोजना की पूरी 300 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता को चरणबद्ध तरीके से परिचालन में ले आएगी।

भारत में मीठी ड्रिंक्स से दूरी बना रहे लोग,जीरो शुगर की मांग दोगुनी

पेप्सी-कोक जैसी कंपनियां अपना रहीं नई रणनीति

नई दिल्ली ।

भारत का 60 हजार करोड़ रुपए का सॉफ्ट ड्रिंक बाजार एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है। उपभोक्ता अब मीठे पेय पदार्थों के बजाय जीरो और लो शुगर ड्रिंक्स को ज्यादा पसंद कर रहे हैं, जिससे पेप्सीको और कोका-कोला जैसी बड़ी कंपनियों को फायदा हो रहा है।

पेप्सीको के कुल वॉल्यूम में जीरो और लो शुगर ड्रिंक्स की हिस्सेदारी जुलाई से सितंबर 2026 तिमाही में बढ़कर 88 फीसदी हो गई, जो पिछले साल 44 फीसदी थी।

कोका-कोला की डाइट और लाइट ड्रिंक्स की बिक्री में भी तेज उछाल आया है, जहां डाइट कोक की बिक्री में 150 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है और इनकी कुल हिस्सेदारी 60 फीसदी के पार पहुंच गई है।

इस बदलाव के पीछे उपभोक्ताओं में बढ़ती स्वास्थ्य जागरूकता के साथ-साथ चीनी की बढ़ती कीमतें भी एक बड़ा कारण हैं। पिछले साल 40-50 रुपए किलो मिलने वाली चीनी अब 58-65 रुपए किलो तक पहुंच गई है।

पेप्सी की बॉटलिंग पार्टनर वरुण बेवरेजेज जैसी कंपनियों को जीरो शुगर उत्पादों से महंगी चीनी लागत के दबाव को कम करने में मदद मिली है।

वैश्विक संघर्षों की आंच में झुलसा करेली गुड़,दाम 4100 रुपए के पार

समुद्री मार्ग बाधित होने से कच्चे माल की किल्लत, निर्यात पर भी खतरा

भोपाल ।

पश्चिम एशिया और रूस-यूक्रेन में जारी संघर्ष का सीधा असर मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के प्रसिद्ध करेली गुड़ पर दिखाई दे रहा है। इन युद्धों के चलते उर्वरकों की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिससे गन्ने की खेती की लागत बढ़ गई है और गुड़ के दाम पिछले साल के मुकाबले 10-15 प्रतिशत बढ़कर 4,100 रुपये प्रति क्विंटल के पार पहुंच गए हैं। पिछले साल इसी समय करेली मंडी में गुड़ का भाव 3,500 रुपये प्रति क्विंटल चल रहा था। यह बढ़ोतरी किसानों और व्यापारियों दोनों के लिए चिंता का विषय बन गई है। किसानों का कहना है कि गन्ने की खेती में प्रति एकड़ 60,000 रुपये का खर्च आता है, जिसमें मजदूरी, सिंचाई और खासकर उर्वरकों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। गुड़ कारोबारी भी मानते हैं कि उर्वरक कीमतों में तेज वृद्धि ने इस साल गुड़ को महंगा कर दिया है। होर्मुज स्ट्रेट, लाल सागर और काला सागर जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बंद होने से सल्फर और रॉक फॉस्फेट जैसे उर्वरक बनाने वाले कच्चे माल की किल्लत पैदा हो गई है। खेतान केमिकल्स के ब्रांड मैनेजर मयंक जोशी के अनुसार, युद्ध से पहले 6,000-10,000 रुपये प्रति टन मिलने वाला सल्फर अब 1 लाख रुपये प्रति टन हो गया है, जबकि रॉक फॉस्फेट भी तीन गुना महंगा होकर 14,000-15,000 से 30,000-35,000 रुपये प्रति टन पर पहुंच गया है। कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से उर्वरक कंपनियों ने उत्पादन घटा दिया है, जिससे बाजार में कीमतें और बढ़ गई हैं। स्थानीय किसान प्रवासी मजदूरों पर निर्भर हैं, जिनकी मजदूरी भी बढ़ी है। एक एकड़ खेत में बोआई का मेहनताना ही करीब 6,000 रुपये देना पड़ता है। मध्य प्रदेश का लगभग 75 फीसदी गन्ना नरसिंहपुर में ही बोया जाता है, जहां 2,000 से अधिक गुड़ उत्पादन इकाइयां हैं। हालांकि, राज्य में कोई घोषित गन्ना नीति नहीं होने से किसानों को अपनी उपज की कीमत के लिए मिल मालिकों पर निर्भर रहना पड़ता है। जीआई टैग प्राप्त करेली गुड़ का बड़ी मात्रा में खाड़ी देशों और मॉरीशस जैसे देशों में निर्यात होता है, लेकिन उत्पादन लागत में वृद्धि अब इसके निर्यात पर भी प्रतिकूल असर डाल सकती है।

ईरान पर अमेरिकी हमले से कच्चे तेल में फिर उबाल

ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर के पार, अमेरिका ने हमले को बताया बचाव का कदम

नई दिल्ली ।

अमेरिका द्वारा ईरान के केश्म द्वीप पर किए गए हमले की खबर से मंगलवार को शुरुआती एशियाई कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर बड़ा उछाल देखने को मिला। इस घटना ने पश्चिम एशिया में पिछले आठ महीने से जारी संघर्ष के और गहराने की आशंका पैदा कर दी है, जिससे क्षेत्र से वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति लंबे समय तक प्रभावित रहने की चिंता बढ़ गई है। यह उछाल सोमवार को ब्रेंट क्रूड में आई 7.63 फीसदी की बड़ी गिरावट के बाद आया है, जो 104.77 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 0.5 फीसदी बढ़कर 105.25 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.5 फीसदी की तेजी के साथ 96.93 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका ने ईरान के केश्म द्वीप पर हमला किया है। कुछ अधिकारियों के मुताबिक, ये हमले बचाव के मकसद से किए गए थे, ताकि ईरान को होर्मुज स्ट्रेट में कारोबारी जहाजों पर हमला करने से रोका जा सके। केसीएम ट्रेड के चीफ मार्केट एनालिस्ट टिम वाटरर ने कहा कि इस खबर से कच्चे तेल की कीमतों में युद्ध से जुड़ा जोखिम फिर बढ़ गया है। वैश्विक आपूर्ति और राजनीतिक दबाव होर्मुज स्ट्रेट में जारी तनाव वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक बड़ा संकट बना हुआ है, क्योंकि संघर्ष शुरू होने से पहले दुनिया के कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कुल आपूर्ति का करीब पांचवां हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से गुजरता था। पश्चिम एशिया में किसी भी नई सैन्य कार्रवाई की खबर का असर कच्चे तेल की कीमतों पर तुरंत दिखाई देता है। अमेरिका में मंगलवार को मध्यावधि चुनाव हो रहे हैं और ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल की ऊंची कीमतें राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर संघर्ष खत्म करने का दबाव बढ़ा रही हैं, ऐसे में यह हमला राजनीतिक रूप से भी अहम है।

यशस्वी जायसवाल ने ठोकी धमाकेदार सेंचुरी

● साई सुदर्शन फ्लॉप, देवदत्त पडिक्कल का नहीं खुला खाता



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड पहुंचकर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीन मैचों की सीरीज जारी है, जो कि अनाधिकारिक है। इसी के दूसरे मैच में यशस्वी जायसवाल ने धमाकेदार सेंचुरी ठोक दी है। हालांकि साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल का बल्ला नहीं चला। इस बीच भारत ने ?न्यूजीलैंड पर अच्छी बढ़त बना ली है।

यशस्वी जायसवाल ने 119 बॉल पर पूरी की अपनी सेंचुरी – यशस्वी जायसवाल ने भारत ए की ओर से खेलते हुए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की और अपना शतक पूरा किया। उन्होंने केवल 119 बॉल पर अपनी सेंचुरी पूरी कर ली। खास बात ये रही कि अपने आक्रामक अंदाज में जायसवाल ने छक्का लगाकर इस मुकाम को हासिल किया। शतक लगाने के बाद जायसवाल और भी ज्यादा आक्रामक हो गए और अपनी बल्लेबाजी जारी रखी। इससे पहले इसी सीरीज के पहले मैच में वे पहली पारी में 17 और दूसरी में केवल 5 रन बनाकर आउट हो गए थे, इसके बाद उन पर सवाल उठने शुरू हो गए थे, जो अब कुछ कम जरूर होंगे।

ICC ODI रैंकिंग में अफगानिस्तान ने पहली बार टॉप-6 में बनाई जगह

श्रीलंका-इंग्लैंड को छोड़ा पीछे, भारत नंबर 1 पर



नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान की टीम ने वनडे रैंकिंग में एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है। साल 2009 में अपना पहला वनडे मैच खेलने वाली इस टीम ने पहली बार आईसीसी की वनडे रैंकिंग में टॉप-6 में जगह बना ली है। खास बात यह है कि बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर अफगानिस्तान ने श्रीलंका, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज जैसी पूर्व वर्ल्ड चैंपियन टीमों को पीछे छोड़ते हुए टॉप-6 में पहली बार जगह बनाने में कामयाब रही है। अफगानिस्तान ने पिछले महीने यूएई में वनडे ट्राई सीरीज जीती थी। हाल ही में इस टीम ने हांगकांग सुपर सिक्सेस का खिताब अपने नाम किया था।

अब तक 96 वनडे मैच जीत चुकी है टीम इंडिया – साल 2009 में वनडे क्रिकेट में कदम रखने के बाद से अफगानिस्तान ने इस फॉर्मेट में कुल 191 मैच खेले हैं, जिसमें से उसने 96 मैचों में जीत हासिल की है। इन 17 सालों के शानदार सफर और बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर ही आज अफगानिस्तान की टीम रैंकिंग में मजबूत स्थिति में पहुंच पाई है। दूसरी तरफ श्रीलंकाई टीम के भी रैंकिंग में 94 अंक हैं, लेकिन वह खिसककर सातवें स्थान पर आ गई है। श्रीलंका को लाहौर में हुई वनडे ट्राई सीरीज के फाइनल में तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। फाइनल से पहले भी उसे इंग्लैंड के हाथों 55 रनों से शिकस्त मिली थी। इसके अलावा, रैंकिंग में इंग्लैंड 93 अंकों के साथ आठवें, बांग्लादेश 81 अंकों के साथ नौवें और वेस्टइंडीज 79 अंकों के साथ दसवें स्थान पर है।

वनडे रैंकिंग में टॉप पर है टीम इंडिया – मेंस वनडे रैंकिंग में भारत पहले नंबर पर बना हुआ है और 115 अंकों के साथ टॉप पर है। भारत ने अपनी पिछली वनडे सीरीज घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली थी। अब उसे 4 नवंबर से न्यूजीलैंड में पांच मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इस रैंकिंग में न्यूजीलैंड 109 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है, जबकि साउथ अफ्रीका (104 अंक) तीसरे, पाकिस्तान (104 अंक) चौथे और ऑस्ट्रेलिया (102 अंक) पांचवें नंबर पर हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का ऐलान, इसी महीने होगा भारत से मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की ओर से एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए टीम का ऐलान कर दिया गया है। टूर्नामेंट का आगाज 19 नवंबर से होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच भी मुकाबला होना है। भारतीय टीम का ऐलान पहले ही किया जा चुका है। पाकिस्तानी टीम की कमान अब्दुल समद को दी गई है। इस टूर्नामेंट में जहां एक ओर भारत की ए टीम हिस्सा लेगी, वहीं पाकिस्तानी शाहीन्स भी खेलती हुई नजर आएगी। सभी की नजर भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले पर होगी।

इस बार 50 ओवर का होगा एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट – अब्दुल समद को एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए पाकिस्तानी टीम की कमान सौंपी गई है। ये टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट पर होगा, यानी 50 ओवर का मैच खेला जाएगा। पाकिस्तान ने 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है। इसमें ज्यादातर ऐसे खिलाड़ी हैं, जो इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। टीम में हसन नवाज, हैदर अली, माज सदाकत,



शमील हुसैन और फरहान यूसुफ को भी शामिल किया गया है। टीम में गेंदबाजी की जिम्मेदारी मोहम्मद हसनैन, अहमद दानियाल, आकिफ जावेद और सुफियान मुकीम के पास रहेगी।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम है डिफेंडिंग चैंपियन – इससे पहले पाकिस्तान शाहीन्स की टीम टी20 और वनडे फॉर्मेट वाला एशिया कप राइजिंग स्टार का? खिताब जीत चुकी है। साल 2023 में जब पिछली बार वनडे फॉर्मेट पर ये टूर्नामेंट हुआ था, तब पाकिस्तानी टीम ही चैंपियन बनी थी। इस बार पाकिस्तान को भारत, नेपाल और यूएई के ग्रुप में रखा गया है।

22 नवंबर को खेला जाएगा भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला

वैसे तो टूर्नामेंट का आगाज 19 नवंबर से हो जाएगा, लेकिन पाकिस्तानी टीम अपना पहला मैच 20 नवंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद आएगा सबसे बड़े मुकाबले का दिन। 22 नवंबर को भारत ए और पाकिस्तान शाहीन्स के बीच मैच होना है। इसके बाद टीम 25 नवंबर को नेपाल के खिलाफ अपना आखिरी लीग मैच खेलेगी। दूसरे ग्रुप में बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, हांगकांग और चीन की टीम में शामिल हैं। दोनों ग्रुप से दो टॉप की टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी।

- **एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए पाकिस्तान शाहीन्स की टीम :** अब्दुल समद (कप्तान), अहमद दानियाल, आकिफ़ जावेद, दानिश अजीज, फरहान यूसुफ, हैदर अली, हसन नवाज, माज सदाकत, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद इमरान, रोहेल नजीर (विकेट कीपर), साद मसूद, शाहजैब खान, शमील हुसैन, सुफियान मुकीम।
- **एशिया कप राइजिंग स्टार्स के लिए भारत ए की टीम :** अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह (विकेट कीपर), तिलक वर्मा (कप्तान), रजत पाटीदार (उपकप्तान), रिंकू सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेट कीपर), सूर्यांश शेडगे, शाहबाज अहमद, विप्रज निगम, हर्ष दुबे, तनुश कोटियन, हर्षित राणा, प्रिंस यादव, अरशद खान।

ग्लेन मैक्सवेल ने 38 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

● ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले कुल 286 मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट जगत से एक बड़ी खबर सामने आई है। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने 38 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। इसके साथ ही उनके शानदार इंटरनेशनल करियर का अंत हो गया। मैक्सवेल ने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी, गेंदबाजी और बेहतरीन फील्डिंग से खेल जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी और उन्हें व्हाइट-बॉल क्रिकेट में दुनिया के सबसे खतरनाक खिलाड़ियों में गिना जाता था। वह हाल ही में ETPL में खेलते हुए नजर आए थे।

2012 में मैक्सवेल ने किया था इंटरनेशनल डेब्यू – ग्लेन मैक्सवेल ने साल 2012 में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वह अपनी ताबड़तोड़ और आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर बहुत



कम समय में ही क्रिकेट की दुनिया में अपना नाम बनाने में कामयाब रहे। उन्होंने 149 वनडे मैचों में कुल 3990 रन बनाए, जिसमें 4 शानदार शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। वनडे में उनका खेलने का तरीका बेहद आक्रामक था और उनका स्ट्राइक रेट 126.71 का रहा। ह्यूस्टन में उनका सबसे बड़ा स्कोर नाबाद 201 रन रहा, जो उन्होंने साल 2023 के वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ एक मुश्किल समय में ऐतिहासिक पारी खेलते हुए बनाया था।

वनडे में मैक्सवेल का प्रदर्शन रहा शानदार – मैक्सवेल सिर्फ एक शानदार बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि एक बेहतरीन ऑफ स्पिनर भी थे। उन्होंने वनडे में 77 और टी20 इंटरनेशनल में 51 विकेट हासिल किए थे। इसके अलावा फील्डिंग में भी उन्होंने कमाल किया था। उन्हें अपने दौर के सबसे बेहतरीन फील्डरों में गिना जाता था। टी20 क्रिकेट की बात करें तो उन्होंने 130 मैचों में 2897 रन बनाए, जिसमें 5 शतक और 12 अर्धशतक शामिल हैं। इस फॉर्मेट में उनका स्ट्राइक रेट 154 से भी ज्यादा का था। वहीं टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 7 मैच खेलकर 1 शतक की मदद से कुल 339 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए वह कुल 286 इंटरनेशनल मैच खेलने में कामयाब रहे।

आईपीएल में भी कई फ्रेंचाइजी के लिए खेल चुके हैं मैक्सवेल – इंटरनेशनल क्रिकेट के साथ-साथ फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी ग्लेन मैक्सवेल का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। आईपीएल में भी मैक्सवेल का जलवा खूब देखने को मिला। उन्होंने आईपीएल में 141 मैच खेलकर 2819 रन बनाए। मैक्सवेल दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स और आरसीबी जैसी बड़ी टीमों के लिए खेल चुके हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की 2015 और 2023 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का भी अहम हिस्सा रहे थे।

प्रेमा रावत ने तोड़ा पाकिस्तानी खिलाड़ी का वर्ल्ड रिकॉर्ड

14 गेंदों में फिफ्टी जड़कर रचा इतिहास



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर प्रेमा रावत ने महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। भारतीय सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में उत्तराखंड टीम की तरफ से खेलते हुए प्रेमा ने आतिशी बल्लेबाजी करते हुए मात्र 14 गेंदों में ही 50 रन ठोक डाले। इस तरह प्रेमा ने पाकिस्तानी खिलाड़ी फातिमा सना का पुराना रिकॉर्ड तोड़कर यह नया कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है।

फातिमा सना ने 15 गेंदों में लगाया था अर्धशतक – इससे पहले महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी बनाने का रिकॉर्ड फातिमा सना के नाम था, जिन्होंने 15 गेंदों पर फिफ्टी बनाई थी। अब प्रेमा रावत ने सिर्फ 14 गेंदों में यह कमाल करके पूरी दुनिया में अपना और देश का नाम रोशन कर दिया है। आपको बता दें कि प्रेमा ने अपनी इस आतिशी पारी में 50 में से 48 रन सिर्फ चौकों और छक्कों से ही बना डाले। प्रेमा ने इस पारी में 357.14 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और एक नया इतिहास रच दिया।

उत्तराखंड ने 89 रनों से जीता मुकाबला – मैच की बात करें तो, प्रेमा रावत की शानदार पारी की बदौलत उत्तराखंड की टीम ने 20 ओवरों में सिर्फ 2 विकेट के नुकसान पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम पूरे ओवर खेलने के बाद भी सिर्फ 98 रन ही बना पाई। इस तरह उत्तराखंड ने यह मैच 89 रनों के बड़े अंतर से जीत लिया। प्रेमा रावत के अलावा उत्तराखंड की तरफ से राघवी बिस्ट ने नाबाद 72 रन और करीना ने 44 रनों की बेहतरीन पारियां खेलीं। वहीं नीलम भारद्वाज ने 19 रनों का योगदान दिया। हैदराबाद के खिलाफ इस मैच में प्रेमा रावत ने गेंदबाजी में भी अपने योगदान दिया। प्रेमा रावत ने इस मैच में 2 विकेट चटकाए। प्रेमा ने अपने 4 ओवर के कोटे में सिर्फ 12 रन देकर ये 2 विकेट हासिल किए। उनके अलावा, निशा और सफीना को भी 2-2 विकेट मिले, जबकि पूजा राज और करीना ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

भारत के लिए 7 टी-20 मैच खेल चुकी हैं प्रेमा रावत – आपको बता दें कि प्रेमा रावत एक गेंदबाज हैं, वह एक स्पिन बॉलर हैं। लेकिन इस मैच में उन्होंने बल्लेबाजी में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। 24 साल की यह खिलाड़ी भारत के लिए अब तक 7 टी20 मैच खेल चुकी हैं, जिसमें उन्होंने 7 विकेट भी लिए हैं। इसी साल जून में उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, और हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में भी वह भारतीय टीम का हिस्सा थीं।

भारत-पाकिस्तान मैच के टिकटों की मांग फाइनल से भी ज्यादा

वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीटें 34 हजार, आवेदन आए 84 लाख; जोहान्सबर्ग में मुकाबला

नई दिल्ली। वनडे वर्ल्ड कप 2027 में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। 10 अक्टूबर के इस मैच के टिकटों के लिए 84 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए हैं। जोहान्सबर्ग के स्टेडियम की दर्शक क्षमता सिर्फ 34 हजार है। यानी उपलब्ध सीटों के मुकाबले करीब 247 गुना ज्यादा आवेदन आए हैं।

फाइनल के लिए भी 79 लाख आवेदन – टिकटों की मांग के मामले में भारत-पाकिस्तान मुकाबला पहले नंबर पर है। आईसीसी के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान मैच के लिए कुल 83,97,294 टिकट आवेदन मिले हैं। 21 नवंबर को इसी स्टेडियम में होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल के लिए 79,00,944 रजिट्रेशन हुए हैं।

21 नवंबर तक टिकट के लिए रजिस्ट्रेशन होंगे – वर्ल्ड कप के टिकटों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 21 नवंबर 2026 तक जारी रहेगी। इसमें पहले रजिस्ट्रेशन होगा और मांग ज्यादा होने पर कंप्यूटराइज्ड रैंडम लॉटरी से टिकट खरीदने के लिए आवेदकों का चयन किया जाएगा। यह पहले आओ-पहले पाओ वाला सिस्टम नहीं है।

193 देशों से मिले 12 करोड़ आवेदन – आईसीसी को अब तक टूर्नामेंट के लिए 193 देशों से 12 करोड़ से ज्यादा टिकट आवेदन मिले हैं। साउथ अफ्रीका में होने वाले 41 मैचों के लिए ही 10.5 करोड़ से ज्यादा आवेदन मिले हैं। इनमें मेजबान टीम के मैचों के लिए करीब 2.6 करोड़ आवेदन आए हैं।

24 साल बाद अफ्रीका में होगा वर्ल्ड कप – वनडे वर्ल्ड कप 24 साल बाद अफ्रीकी धरती पर लौटेगा। साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से इसकी मेजबानी करेंगे। टूर्नामेंट में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और 12 वेन्यू पर कुल 57 मैच खेले जाएंगे। वर्ल्ड कप के लिए 12 वेन्यू में से 8 साउथ अफ्रीका, 3 जिम्बाब्वे और 1 नामीबिया में है। नामीबिया पहली बार मेंस के सीनियर वर्ल्ड कप के मैचों की मेजबानी करेगा।

'सुबह उठकर सोचता हूं आखिर इतनी मेहनत क्यों करूं'

टीम इंडिया से नजरअंदाज किए जाने पर छलका सरफराज खान का दर्द

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया से बाहर चल रहे घरेलू क्रिकेट के धुरंधर बल्लेबाज सरफराज खान ने एक बार फिर अपनी निराशा खुलकर जाहिर की है। रेलवे के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले के पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अब सुबह उठकर उनके मन में यही सवाल आता है कि जब टीम में मौका ही नहीं मिलना है, तो वह इतनी कड़ी मेहनत क्यों कर रहे हैं। सरफराज ने बताया कि वह रोज सुबह 5 बजे उठकर अपनी पुरानी रूटीन को फॉलो करते हैं। वह भारत के लिए खेल चुके हैं और मुंबई के लिए लगातार रन बना रहे हैं, लेकिन फिर भी टीम में वापसी का इंतजार लंबा होता जा रहा है।



पिता से मिलती है आगे बढ़ने की प्रेरणा – न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से सरफराज ने बताया कि मुश्किल समय और निराशा के दौर में उनके पिता नौशाद खान ही उनकी सबसे बड़ी ताकत और प्रेरणा हैं। सरफराज का कहना है कि जब कभी उनके मन में यह सवाल उठता है कि वह इतनी मेहनत क्यों करें, तब वह अपने पिता को कड़ी मेहनत करते हुए देखते हैं। पिता को देखकर उन्हें फिर से मैदान पर उतरने और उनके लिए रन बनाने की प्रेरणा मिल जाती है। अपनी प्रैक्टिस के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसी को उनसे मिलना हो तो उसे घर जाने की जरूरत नहीं है, वह सुबह 6 बजे सीधे आजाद मैदान या क्रॉस मैदान पहुंच जाए, सरफराज वहीं मिलेंगे।

चयनकर्ताओं को सिर्फ घरेलू पिचों के लिए उपयोगी लगती है मेरी सेवाएं- सरफराज

फरवरी 2024 में भारत के लिए टेस्ट डेब्यू करने वाले सरफराज ने अब तक अपने सभी छह टेस्ट मैच देश में यानी घरेलू मैदानों पर ही खेले हैं। उन्होंने एक चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि उन्हें ऐसा लगता है कि टीम मैनेजमेंट उनकी सेवाएं सिर्फ भारत की घरेलू पिचों पर ही देख रहा है, हालांकि चयनकर्ताओं ने उन्हें इस बारे में सीधे तौर पर कुछ नहीं बताया है। विदेशी दौरों पर मौका न मिलने पर हैरानी जताते हुए सरफराज ने साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के दौरों का जिक्र किया, जहां उन्होंने 'इंडिया ए' की तरफ से खेलते हुए अभ्यास मैचों में शानदार शतक जड़े थे।

रोहित-विराट 6 साल बाद न्यूजीलैंड में साथ खेलेंगे

कोहली ने यहां 50 की औसत से 596 रन बनाए, रोहित को अब भी शतक का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली फरवरी 2020 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड की धरती पर साथ खेलेंगे। दोनों आखिरी बार 29 फरवरी 2020 को हैमिल्टन में तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में उतरे थे। इसके बाद वे 4 नवंबर को पांच वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में एक साथ उतरेंगे। टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद अब दोनों सिर्फ वनडे खेल रहे हैं। ऐसे में यह सीरीज 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने का मौका है। यह दोनों का न्यूजीलैंड का आखिरी दौरा भी हो सकता है।

न्यूजीलैंड में कोहली का रिकॉर्ड रोहित से बेहतर – न्यूजीलैंड की पिचों पर तेज गेंदबाजों को हवा और उछाल से मदद मिलती है। गेंद स्विंग होने पर बल्लेबाजों के लिए उसे सही समय पर खेलना चुनौती बन जाता है। इन परिस्थितियों में विराट कोहली का रिकॉर्ड रोहित शर्मा से बेहतर रहा है। कोहली न्यूजीलैंड में 600 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 4 रन दूर हैं। उन्होंने वहां 13 वनडे में 596 रन बनाए हैं। उनका औसत 49.66 और स्ट्राइक रेट 91.41 है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 4 अर्धशतक लगाए हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड में 14 वनडे में 437 रन बनाए हैं।

भारत-न्यूजीलैंड पहला वनडे आज

● 15 हजार रन से 400 छक्कों तक, रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में बना सकते हैं 5 रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की रोमांचक वनडे सीरीज के लिए भारत तैयार है। इसका पहला मुकाबला आज (4 नवंबर) को ऑकलैंड में खेला जाएगा। इस सीरीज में रोहित शर्मा के पास कई रिकॉर्ड तोड़ने और नए मुकाम हासिल करने का मौका होगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में घरेलू सीरीज में शानदार फॉर्म दिखाने वाले रोहित चाहेंगे कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ इन पांच वनडे मैचों में भी बेहतरीन प्रदर्शन करें। न्यूजीलैंड में खेले गए वनडे मैचों की बात करें तो रोहित शर्मा ने 14 मैचों की 13 पारियों में 36.41 के औसत से 437 रन बनाए हैं। इसमें चार अर्धशतक शामिल हैं। रोहित शर्मा के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच वनडे में 21 हजार अंतरराष्ट्रीय रन और वनडे में 400 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बनने का मौका होगा। यहां कुछ ऐसे रिकॉर्ड और मुकाम दिए गए हैं, जिन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ इन पांच वनडे मैचों के दौरान रोहित शर्मा हासिल कर सकते हैं:

21 हजार इंटरनेशनल रन – रोहित 21 हजार इंटरनेशनल रन पूरे करने से बस 348 रन दूर हैं।



उन्होंने 517 इंटरनेशनल मैचों की 550 पारियों में 42.66 के औसत से 20,652 रन बनाए हैं। इसमें 52 शतक और 113 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 264 रन है। न्यूजीलैंड में एक शतक लगाते ही रोहित शर्मा, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और शिखर धवन की उस सूची में शामिल हो जाएंगे, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया इन सभी देशों में वनडे शतक लगाए हैं।

SENA देशों में 5,000 रन बनाने वाले पहले ओपनर – रोहित विदेश में एक बार फिर इतिहास रचने के करीब हैं। वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया देशों में 5,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले पहले भारतीय ओपनर बनने से सिर्फ 36 रन दूर हैं। रोहित ने 114 मैचों की 123 पारियों में 44.32 के औसत से 4,964 रन बनाए हैं, जिसमें 17 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 171 है।

जीत में 15 हजार अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बनने के करीब – रोहित शर्मा ने 327 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 340 पारियों में जीत के दौरान 51.62 के औसत से 14,817 रन बनाए हैं। इसमें 42 शतक और 79 अर्धशतक शामिल हैं। 183 रन और बनाते ही वह जीत में 15 हजार अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले चौथे खिलाड़ी बन जाएंगे। रिकी पोंटिंग (377 मैचों में 55 शतकों के साथ 20,140 रन), विराट कोहली (338 मैचों में 60 शतकों के साथ 18,589 रन) और सचिन तेंदुलकर (307 मैचों में 53 शतकों के साथ 17,113 रन) पहले ही इस क्लब का हिस्सा हैं।

वनडे में 400 छक्कों तक पहुंचने वाले पहले बल्लेबाज – रोहित शर्मा को वनडे में 400 छक्कों तक पहुंचने वाले पहले बल्लेबाज बनने के लिए 19 और छक्कों की जरूरत है। अभी उनके नाम वनडे में 381 छक्के दर्ज हैं। अगर वे 7 छक्के और लगा लेते हैं तो वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 700 छक्कों के आंकड़े तक भी पहुंच जाएंगे।

कोहली के पास वनडे में 7 रिकॉर्ड बनाने का मौका – भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज में विराट कोहली लिस्ट ए में सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं। उन्हें वनडे रन-चेज में सबसे ज्यादा रन बनाने के लिए 54 रन और चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली
लू ले लो आ

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष
इ उ ए ओ वा
वी वू वे वो

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन
का की कू घ ङ
छ के को हा

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क
ही हू हे हो डा
डी डू डे डो

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह
मा मी मू मे मो
टा टी टू टे

अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या
टो पा पी पू ष
ण ठ पे पो

रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला
रा री रु रे रो
ता ती तू ते

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक
तो ना नी नू ने
नो य यी यू

विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्गजनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु
ये यो भा भी भू
धा फा ढा भे

कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-4-7-8

मकर
मे जा जी खी खू
खे खो गा गी

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

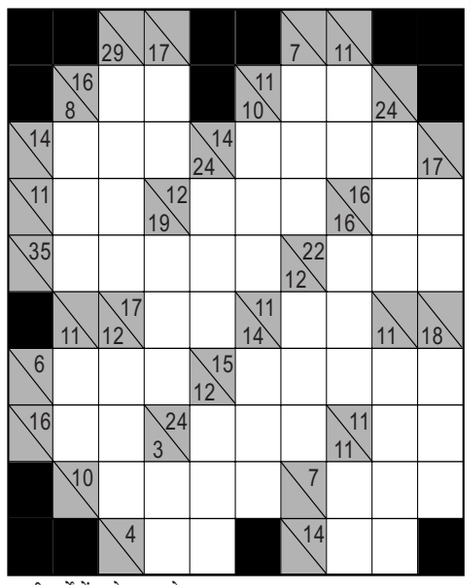
कुंभ
गू गे गो सा
सी सू से सो दा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन
दी दू थ झ ञ दे
दो चा ची

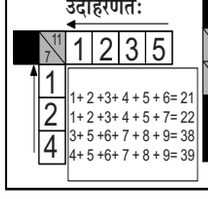
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

काकुरो पहेली - 4059



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4058 का हल

■	■	3	4	■	1	2	4	3
7	3	4	3	1	2	4	3	1
3	1	2	13	4	9	11	2	9
■	6	1	3	2	3	2	1	14
■	■	12	9	3	17	4	5	8
■	6	5	1	4	3	1	12	3
8	1	7	7	6	1	■	8	1
17	8	9	10	8	2	3	1	2
■	23	8	6	9	17	9	8	■
■	■	15	8	7	9	7	2	■

लॉफिंग ज़ोन

चिंकी (सोनू से)- तुम्हें पता है, मेरा भतीजा इतना खराब है कि दिन में कम से कम सात-आठ बार कपड़े बदल ही लेता है।

सोनू परेशान होकर- ऐसा क्यों? क्या उसे कपड़े बदलने की बीमारी हो है?

चिंकी- नहीं नहीं....! अरे पगली! अभी तो वह छः माह का ही है।

□ □ □

शादी की पच्चीसवीं सालगिरह पर पार्टी में आए मेहमानों ने जब नरेश से पूछा कि- बताओ नरेश! आपके हिसाब से सफल वैवाहिक जीवन का राज क्या है?

नरेश बोला- यह वैवाहिक जीवन तभी सफल साबित हो सकता है जब पत्नी बहरी और पति पूरी तरह अंधा बनकर जीवन बिताएँ।

□ □ □

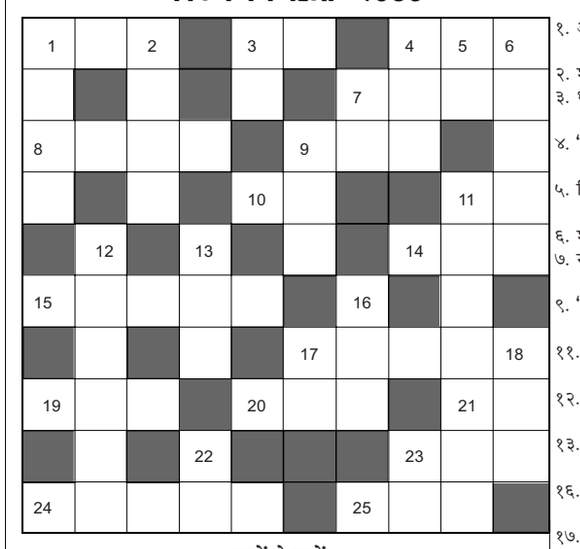
पेशी के दौरान वकील महिला से बोला- जब तुम उस अपराधी से मिलने गई थी और उसने तुमसे जो कहा था, वो अदालत में जज साहब से कह दो।

महिला- नहीं...! मैं वो बात किसी भले आदमी के सामने नहीं कह सकती।

वकील बोला- तो ठीक है! जाकर जज साहब के कान में तो कह ही सकती हो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4059



बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4058

वि	वा	ह	■	इ	श्क	वि	श्क	■	टा
द्या	■	मे	■	श्क	■	धा	■	फ	र्ज
बा	द	शा	ह	■	शै	ता	न	■	न
ल	■	■	सी	मा	■	■	का	ल	■
न	ज	र	ना	■	श	बा	ब	■	सं
■	मी	ना	■	ना	र	ज	■	दा	ता
आ	न	■	का	■	बी	■	ना	दा	न
शि	■	जो	शी	ले	■	फि	जा	■	■
क	शि	श	■	कि	ला	■	य	हू	दी
■	वा	■	डॉ	न	■	आ	ज	■	पा

सूडोकु -4059

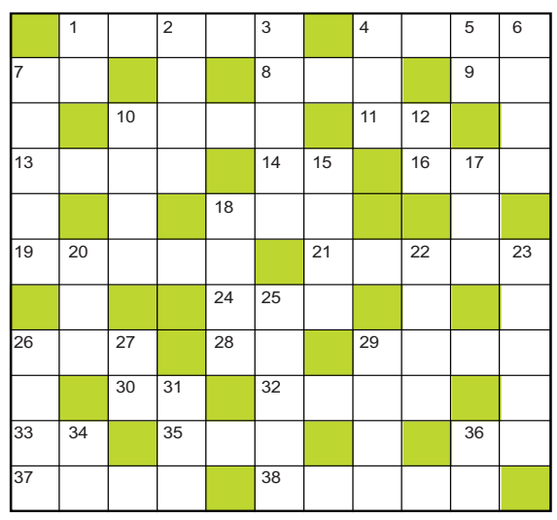
5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4058 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 4059



बाएँ से दाएँ
1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे
1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली -4058 का हल

स	द	च	हि	त्र	■	■	ब	ह	रा	■
मा	मा	■	या	■	अ	द	द	■	ह	क
ज	■	■	स	ज	दा	■	न	■	■	हा
वा	र	दा	त	■	■	श	■	प	नी	र
दी	■	मि	■	ह	म	रा	ज	■	र	■
■	रा	नी	■	रा	■	फ	■	बी	ज	■
■	ह	■	श	र	ब	त	■	ह	■	म
क	त	रा	■	त	■	■	अ	इ	च	न
हा	■	■	धि	■	म	लि	न	■	■	भा
नी	र	■	त	न	य	■	ब	■	श	व
■	थ	का	न	■	■	म	न	मो	ह	न



मसाला दलिया

सामग्री

- 1 कप भुना हुआ दलिया
- 1 हरी मिर्च
- 1 प्याज
- 1 कप लौकी
- 1 चम्मच सरसों के बीज
- हल्दी पाउडर
- 1 बड़ा चम्मच घी
- 1 कप कटी हुई गाजर
- 1/2 कप शिमला मिर्च
- 1 छोटा चम्मच हल्दी
- 1/2 कप कटे हुए टमाटर
- ½ कप हरी मटर
- ½ कप स्वीट कॉर्न
- ½ टीस्पून काली मिर्च पाउडर
- 1 नींबू का रस
- नमक स्वाद अनुसार
- अनार के बीज और धनिया पत्ती गार्निशिंग के लिए

विधि

सबसे पहले एक पैन में घी गर्म करें। अब इसमें राई और प्याज डाल दें। प्याज को गोल्डन ब्राउन होने के बाद भूने। इसके बाद इसमें हरी मिर्च, लौकी, कॉर्न्स, गाजर, शिमला मिर्च और मटर डालकर भूनें। अब पैन में टमाटर डालें। इसके बाद पैन में नमक, काली मिर्च और हल्दी पाउडर डालकर पैन को 3-4 मिनट के लिए ढक दें। थोड़ी देर बाद सब्जियों को अच्छी तरह से मिला लें। अब पैन में डालिया और पानी डालकर पैन को दोबारा ढक दें। दलिया को समय-समय पर चेक करते रहे। एक बार दलिया पकने के बाद गैस को बंद करके दलिया में नींबू का रस मिलाकर उसे गर्मा-गर्म प्लेट में अनार के दानों और धनिया पत्ती से गार्निश करके सर्व करें।



मसाला बनाना करी

सामग्री

- 2 कच्चे केले
- नमक
- 1/4 टीस्पून हल्दी
- 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर
- 1 टेबलस्पून अदरक का पेस्ट, तेल
- बारीक कटा प्याज और टमाटर
- चुटकी भर मेथी दाना और सौंफ
- करी पत्ते
- 2 टेबलस्पून लहसून का पेस्ट
- 2 टेबलस्पून धनिया व जीरा पाउडर
- 2 टेबलस्पून इमली का पल्प

विधि

छिले हुए केलों को मोटे और गोल टुकड़ों में काट लें। उन पर नमक, हल्दी पाउडर, 1/2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर और आधा अदरक का पेस्ट अच्छी तरह मिला लें। एख नॉनस्टिक पैन में तेल गर्म कर केले के स्लाइसेज भूनें। एक कड़ाही में मेथी दाना, सौंफ, करी पत्ते और प्याज भूनें। बचा हुआ अदरक का पेस्ट, लहुसन का पेस्ट और टमाटर उसमें मिला लें। केलों पर थोड़ा पानी छिड़कें और ढककर पकने दें। अब हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर और लाल मिर्च पाउडर मिलाएं। उसमें आधा कप पानी और नमक मिलाने के बाद केले के टुकड़े और इमली का पल्प मिलाएं। आंच धीमी कर थोड़ा और पानी डालकर कड़ाही ढक दें। 1-2 मिनट तक पकाने के बाद गरमागरम सर्व करें।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

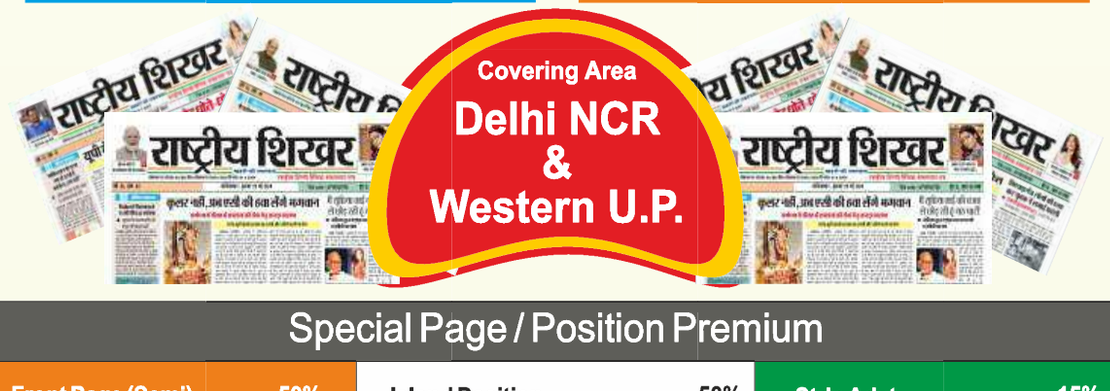
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words



Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

कीर्ति सुरेश ने नहीं की बॉलीवुड में आने की जल्दबाजी



राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कीर्ति सुरेश इन दिनों अपनी आने वाली सीरीज 'अक्का' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस सीरीज में वह अभिनेत्री राधिका आप्टे के साथ दिखाई देंगी। बता दें कि साउथ अभिनेत्री कीर्ति ने 2024 में वरुण धवन स्टारर फिल्म 'बेबी जॉन' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में आने और काम करने को लेकर बात की। कीर्ति ने बताया कि वह हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थीं, लेकिन इसके लिए उन्हें कोई जल्दबाजी नहीं थी। वह चाहती थीं कि सब कुछ सही समय पर अपने आप हो।

क्या बोलीं कीर्ति सुरेश

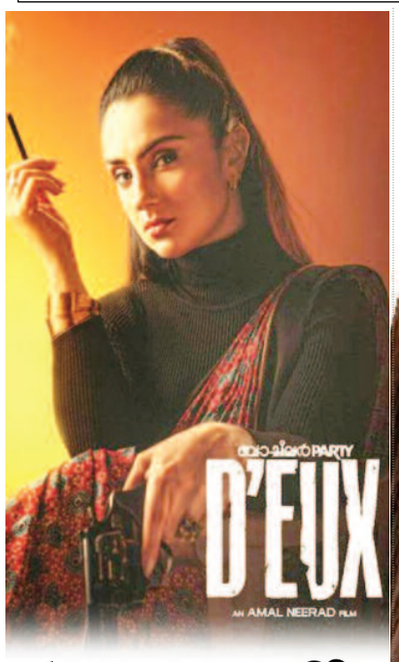
कीर्ति ने कहा, 'मैं निश्चित रूप से किसी समय हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थी और आखिरकार ऐसा हुआ। इसकी शुरुआत 'अक्का' से हुई। इस बीच 'बेबी जॉन' आई और उसके बाद मैंने राजकुमार राव के साथ 'रफ्तार' नाम की फिल्म की। यह फिल्म भी जल्द रिलीज होनी चाहिए।'
अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं किसी रेस में नहीं हूं। ऐसा नहीं है कि मुझे बहुत सारी फिल्में करनी हैं। मैं वही काम कर रही हूं जो मुझे पसंद है। हिंदी सिनेमा में काम करने का मौका भी मुझे इसी तरह मिला। मैं इसके पीछे भाग नहीं रही थी। सब कुछ अपने आप सही समय पर हुआ और अब देखूंगी कि इसे आगे कैसे बढ़ाना है।'

कैसे कीर्ति को मिली 'अक्का'

कीर्ति ने बताया कि धर्मा (निर्देशक) ने मेरी फिल्म 'सानी कायिधम' देखी थी। उसमें मेरा किरदार बेहद मजबूत और बेखौफ था, लेकिन उसके अंदर एक संवेदनशील पहलू भी था। मुझे हमारी पहली मुलाकात याद है। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह फिल्म देखी है। तब मैंने उनसे कहा कि अब मैं समझ गई कि आप मुझे यह किरदार क्यों देना चाहते हैं।
कीर्ति और राधिका स्टारर 'अक्का' की कहानी 1980 के दशक में पेरनुरु नाम के एक काल्पनिक राज्य में दिखाई गई है, जहां महिलाओं का दबदबा है। फिल्म की कहानी भवानी (कीर्ति) और रुद्रा (राधिका) नाम की दो ताकतवर महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों की अलग-अलग सोच और उनके बीच की दुश्मनी राज्य में सत्ता के समीकरण तय करती है।
'अक्का' का निर्देशन धर्मराज शेट्टी ने किया है। सीरीज में कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे के अलावा तन्वी आजमी, महेश मांजरेकर, अंशुमान पुष्कर और मोनिका पंवार समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस सीरीज का निर्माण वाईआरएफ एंटरटेनमेंट ने किया है।



बैचलर पार्टी डी'यूक्स में पेरिस लक्ष्मी की एंट्री



निर्देशक अमल नीरद की चर्चित मलयालम फिल्म 'बैचलर पार्टी डीयूक्स' को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है। अब मेकर्स ने फिल्म में एक्ट्रेस पेरिस लक्ष्मी के किरदार का नाम भी बता दिया है। वह फिल्म में नलिनी के रोल में नजर आएंगी। निर्देशक अमल नीरद ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा, 'पेरिस लक्ष्मी नलिनी हैं।' यह फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई अमल नीरद की हिट फिल्म 'बैचलर पार्टी' का सीक्वल है। यही वजह है कि फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी दिलचस्पी बनी हुई है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, नई फिल्म की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी होगी, लेकिन इसमें कई नए किरदार भी देखने को मिलेंगे। 'बैचलर पार्टी डी'यूक्स' में बड़े सितारों की फौज नजर आएगी। फिल्म में 'प्रेमालु' से पूरे देश में पहचान बनाने वाले अभिनेता नसलेन मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ कुंचाको बोबन, टोविनो थॉमस, सौबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, शराफुद्दीन, शाइन टॉम चाको, चंदू सलीमकुमार, राजिशा विजयन, हंसिका कृष्णा और पेरिस लक्ष्मी भी अहम किरदार निभा रहे हैं। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म में नसलेन के किरदार का नाम खुलासा किया था। वह फिल्म में सोनी की भूमिका निभा रहे हैं। उस समय उनके किरदार के नाम के साथ फिल्म से उनके दो पोस्टर भी जारी किए गए थे।
फिल्म में शाइन टॉम चाको गुरु, चंदू सलीमकुमार मम्मू, श्रीनाथ भासी जावी और शरफुद्दीन पप्पन के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, सौबिन शाहिर फिल्म में डैनी की भूमिका निभा रहे हैं।
दिलचस्प बात यह है कि मेकर्स ने फिल्म में ज्यादातर कलाकारों के लुक के साथ उनके किरदारों के नाम भी सामने ला दिए हैं, लेकिन टोविनो थॉमस के मामले में ऐसा नहीं किया गया है। फिल्म से उनका लुक जारी हो चुका है, लेकिन उनके किरदार का नाम अभी तक नहीं बताया गया है। उनके पोस्टर जारी करते हुए निर्देशक अमल नीरद ने विलियम शेक्सपियर की मशहूर पंक्ति लिखी थी, 'नर्क खाली है और सारे शैतान यहीं हैं।' 'बैचलर पार्टी डी'यूक्स' इस साल 19 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

50 साल की महिला बनने के लिए वामिका गब्बी ने पहना प्रोस्थेटिक्स



अभिनेत्री वामिका गब्बी ने फिल्म 'प्रहार- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' में प्रसिद्ध सरकारी वकील उज्ज्वल निकम की पत्नी ज्योति निकम के किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने बातचीत में किरदार निभाने के लिए प्रोस्थेटिक्स पहनने के अपने अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि मेकअप चेयर पर बैठे-बैठे अपने चेहरे को बदलते हुए देखना किरदार को और भी ज्यादा वास्तविक महसूस करा रहा था। उन्होंने कहा, 'प्रोस्थेटिक्स के बाद जब मैंने खुद को शीशे में देखा, तो कुछ देर तक तो मैं शीशे में खुद को निहारती रह गई। ये एक बहुत ही अजीब एहसास था, क्योंकि मुझे पता था कि वो मैं ही हूँ, लेकिन मैं सामने दिख रहे शख्स को पहचान नहीं पा रही थी। हालांकि, इस पूरे प्रोसेस को मैंने पूरी तरह से इंजॉय किया था।'
अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मेकअप चेयर पर बैठने के बाद चेहरे को धीरे-धीरे बदलते हुए देखने पर कहीं न कहीं किरदार आपके लिए और ज्यादा असली लगने लगता है। कई बार तो मैं भूल ही जाती थी कि मैं कितनी अलग दिख रही हूं, जब तक कोई मुझे सेट से मेरी फोटो नहीं दिखा देता था।'
वामिका गब्बी ने बताया कि ज्योति निकम का किरदार निभाना उनके लिए एक अलग ही एक्सपीरियंस था। उन्होंने कहा, 'ज्योति निकम का किरदार निभाना मेरे लिए एक बहुत ही अलग अनुभव था और मुझे खुशी है कि मुझे एक्टिंग के उस पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला, जिसे मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था।' ज्योति निकम का किरदार उज्ज्वल निकम (राजकुमार राव द्वारा निभाया गया किरदार) के पेशेवर और निजी जीवन के बीच के तालमेल को दर्शाता है। जब उज्ज्वल निकम देश के सबसे चर्चित मामलों (जैसे 26/11 मुंबई हमले) की कानूनी लड़ाई लड़ रहे होते हैं, तब ज्योति निकम का किरदार उनके पीछे के पारिवारिक दबावों, संघर्ष और मानवीय पहलू को पर्दे पर उतारता है। बताया जाता है कि वामिका गब्बी ने इस किरदार को निभाने से पहले वास्तविक जीवन की ज्योति निकम से मुलाकात की थी, ताकि वह उनके सफर और उनके योगदान को गहराई से समझ सकें।

मैडॉक फिल्म्स के साथ 9वीं बार काम करेंगी कृति



कृति सेनन एक बार फिर अपने नए अंदाज में नजर आने की तैयारी कर रही हैं। अपनी फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली कृति अब डरावनी कहानी पर बेस्ड फिल्म में लीड रोल प्ले करने वाली हैं। इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स करेगा। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ कृति और मैडॉक फिल्म्स की साझेदारी 9वीं बार होने जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक...'कृति ने इस फिल्म के लिए हामी भर दी है। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। इसकी कहानी और रिलीज डेट से जुड़ी जानकारी भी फिलहाल सामने नहीं आई है। इसमें दर्शकों को हंसाने के बजाय डर का माहौल बनाने पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा।'

मेनस्ट्रीम सिनेमा में हमेशा पुरुषों का दबदबा रहा, लेकिन अब बदल रहा है दौर



अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों क्राइम थ्रिलर फिल्म 'गजब रात' में नजर आ रहे हैं। अभिनेता का मानना है कि जहां मेनस्ट्रीम बॉलीवुड में हमेशा से ही पुरुष किरदारों का दबदबा रहा है, वहां महिलाएं भी धीरे-धीरे और मजबूती से फिल्मों में लीड करती आ रही हैं। अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कहा, 'हीरोइनें लंबे समय से हीरो के तौर पर आ रही हैं। विद्या बालन और काजोल की ऐसी कई फिल्में मुझे याद हैं, जो महिला प्रधान रही हैं। धीरे-धीरे ही सही, लेकिन बदलाव लंबे समय से हो रहा है। अभिनेता ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म के आने से महिलाओं पर केंद्रित कहानियां ज्यादा बनने लगी हैं, क्योंकि ऐसे प्रोजेक्ट्स में उतना पैसा नहीं लगता जितना सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्मों में लगता है। मनोज बाजपेयी ने कहा, 'ओटीटी के आने के बाद महिला प्रधान फिल्में या सीरीज देखने को मिल रही हैं, क्योंकि इन्हें रिलीज करने की कीमत उतनी बड़ी नहीं होती है।'
मनोज बाजपेयी ने चर्चा को सिर्फ महिलाओं वाली फिल्मों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म ने उन पुरुष कलाकारों के लिए भी मौके पैदा किए हैं, जिन्हें मेनस्ट्रीम सिनेमा में सही पहचान नहीं मिल पा रही थी। उन्होंने कहा, 'उन कलाकारों को देखिए जो पहले ठीक से पहचाने भी नहीं जाते थे। पुरुष कलाकार मेनस्ट्रीम सिनेमा में अपनी जगह भी नहीं बना पाते थे। उन्हें ओटीटी पर इतना सम्मान मिल रहा है।'
उन्होंने आगे कहा, 'और उनकी लाइफस्टाइल भी बनी हुई है। उन सभी किरदारों की वजह से, जो उन्हें मिल रहे हैं, उन्हें अपनी जिंदगी में एक तरह का सुकून मिल रहा है।' फिल्म 'गजब रात' में अभिनेता मनोज बाजपेयी दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर 'अजय निर्वित' (अजय दीक्षित) की भूमिका में हैं, जो एक भ्रष्ट और शातिर पुलिस अधिकारी होता है। इस फिल्म में उनके अलावा नुसरत भरुचा, दिव्या दत्ता, अक्षय ओबेरॉय, साकिब सलीम, श्रद्धा दास और किकू शारदा अहम भूमिकाओं में हैं। इसका निर्देशन रितेश शाह ने किया है और इसे नीरज पांडे ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का पुराना नाम 'घूसखोर पंडित' था, जिसे विवाद और सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंचने के बाद बदलकर 'गजब रात' किया गया था।



भेड़िया 2 कंफर्म

कृति की वरुण और अमर कौशिक की मुलाकात से बढ़ा उत्साह

कृति सेनन ने अपनी फिल्म 'भेड़िया' के सह-कलाकार वरुण धवन और फिल्म के निर्देशक अमर कौशिक के साथ फिर से मुलाकात करके फिल्म फैंस के बीच उत्साह बढ़ा दिया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के 'स्टोरीज' सेक्शन में एक छोटी क्लिप अपलोड की। इसमें कृति, वरुण और अमर कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुराते हुए और भेड़िये की तरह आवाज निकालते हुए नजर आए, जो उनकी फिल्म 'भेड़िया' की ओर इशारा था। वीडियो पर लिखे टेक्स्ट से संकेत मिला कि वे शायद किसी नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इसमें लिखा था, 'एक ऐसा सरप्राइज रीयूनियन, जो आपको 'दीवाना' बना देगा। वरुण ने भी कृति की इस पोस्ट को अपने ऑफिशियल हैंडल पर रीशेयर किया। हालांकि, अभी पक्का नहीं है, लेकिन हो सकता है कि ये तीनों 'भेड़िया 2' की घोषणा करने की योजना बना रहे हों।
वैसे, 'भेड़िया' के अलावा कृति और वरुण ने साथ में 'दिलवाले' भी की थी। अगर 'भेड़िया 2' आती है तो यह पर्दे पर उनकी तीसरी जोड़ी होगी। मई में ये दोनों दोस्तों और संगीत के साथ एक शाम बिताने के लिए एक साथ आए थे। इस दौरान वे काफी मस्ती करते दिखे। उनके साथ कृति की बहन नूपुर सैनन, उनके पति और सिंगर स्टेबिन बेन और 'फुकरे' फेम एक्टर वरुण शर्मा भी मौजूद थे। वे सभी वरुण की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के गाने 'तेरा हो जाऊं' पर झूमते नजर आए। बता दें कि इस रोमांटिक गाने को स्टेबिन और जोनिता गांधी ने गाया है और इसके बोल वायु ने लिखे हैं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, 'तेरा हो जाऊं... इस मस्ती के साथ... आखिर तक जरूर देखें।'
'भेड़िया' की बात करें तो, यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इसकी कहानी भास्कर (वरुण) नाम के एक रोड-कंस्ट्रक्शन कॉन्ट्रैक्टर के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे अरुणाचल प्रदेश के जंगलों में काम करते समय एक भेड़िया काट लेता है। इस घटना के बाद वह धीरे-धीरे एक 'वेयरवोल्फ' (आधा इंसान, आधा भेड़िया) में बदलने लगता है। कृति ने इसमें अनिका नाम की एक पशु चिकित्सक का किरदार निभाया है, जिसे इन रहस्यमयी घटनाओं के बारे में उससे कहीं ज्यादा पता है, जितना वह शुरू में बताती है।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में सड़क हादसों में 10 लोगों की मौत

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में सप्ताहांत के दौरान हुए सड़क हादसों में आठ लोगों की मौत हो गई। इनमें चार लोग मोटरसाइकिल चला रहे थे और तीन कार चला रहे थे। रविवार शाम मेलबर्न के ब्राइटन ईस्ट इलाके में कार और मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई। हादसे में कार चालक और बाइक सवार दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार एक बच्चा मामूली रूप से घायल हुआ। इससे पहले शनिवार को राज्य के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में एक वाहन की टक्कर से 75 साल की महिला की मौत हो गई थी। वहीं, जिलॉन्ग के पास ई-बाइक और कार की टक्कर में दो किशोर घायल हो गए। इनमें एक की हालत गंभीर बताई गई है।

नेपाल : बर्फबारी में फंसे छह भारतीय पर्यटकों का रेस्क्यू

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के शे-फोक्सुंडो नेशनल पार्क इलाके में भारी बर्फबारी के कारण फंसे छह भारतीय पर्यटकों को सोमवार सुबह सुरक्षित बचा लिया गया। इनमें दो महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, सभी एक नवंबर से संपर्क से बाहर थे। पर्यटकों को निजी हेलीकॉप्टर की मदद से निकाला गया। फिलहाल सभी का डोल्पा जिले के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी हालत खतरे से बाहर है। ये पर्यटक शे-फोक्सुंडो झील घूमने गए थे। लौटते समय भारी बर्फबारी के कारण नुमला और वागला दर्रे में फंस गए। खराब मौसम के चलते रविवार को सेना का हेलीकॉप्टर भी उन्हें बचाने में नाकाम रहा था। प्रशासन ने पहले ही इलाके में भारी बर्फबारी को देखते हुए पर्यटकों को वहां न जाने की चेतावनी दी थी।

'बांग्लादेशी कपड़ा श्रमिकों का प्रदर्शन, कारखाने बंद

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में कपड़े बनाने वाले श्रमिकों के हिंसक प्रदर्शनों के बाद सरकार ने वेतन की समीक्षा के लिए वेतन बोर्ड के गठन का एलान किया है। न्यूनतम वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर हो रहे इन प्रदर्शनों के चलते देश भर में 500 से अधिक कारखाने बंद करने पड़े हैं, और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस और वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। यह विवाद उस उद्योग के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गया है, जो लगभग 40 लाख श्रमिकों को रोजगार देता है। बांग्लादेश में 80% से अधिक निर्यात आय पैदा करता है और दुनिया के कई बड़े पश्चिमी ब्रांडों को कपड़े सप्लाई करता है।

4.2 करोड़ बच्चों को पछाड़ 11 साल की मयार ने जीता अरब रीडिंग चैलेंज

दुबई , एजेंसी। मिस्र की 11 साल की छात्रा मयार मोहम्मद ने दुबई में आयोजित 8वें 'अरब रीडिंग चैलेंज' में दुनिया भर के 4.02 करोड़ से अधिक छात्रों को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया है। दुबई ओपेरा में आयोजित समारोह में यूएई के उपराष्ट्रपति, पीएम व दुबई के शासक मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने मयार को इस ऐतिहासिक जीत के लिए सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता को जीतने पर मयार को इनाम के रूप में 5 लाख दिरहम (लगभग 1.14 करोड़ रुपये) की राशि मिली है। मिस्र की एक प्राइमरी स्कूल की छात्रा मयार ने दुबई में फाइनल स्टेज तक पहुँचने और उसे जीतने के लिए अलग-अलग विषयों की दर्जनों किताबों को न केवल पढ़ा, बल्कि उनका गहराई से विश्लेषण भी किया। प्रतियोगिता इतनी कठिन थी कि दूसरे स्थान के लिए तीन छात्रों के बीच टाई हो गया।

ट्रंप ने किसानों को दिया 1.42 लाख करोड़ का पैकेज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अमेरिकी कृषि उत्पादकों के लिए 15 अरब डॉलर(1.42 लाख करोड़ रुपये) की वित्तीय मदद और योजनाओं का वादा किया है। इस पहल का उद्देश्य किसानों को डीजल और उर्वरक की उन बढ़ी हुई लागतों से राहत दिलाना है, जिन्हें उन्हें मुख्य रूप से ट्रंप के टैरिफ और ईरान के साथ युद्ध के कारण भुगतना पड़ा है। ग्रामीण मतदाताओं को लुभाने के लिए ट्रंप ने रविवार को आयोवा और कंसास का दौरा भी किया। कुल 15 अरब डॉलर में से आधे से अधिक यानी 8 अरब डॉलर किसानों को मिलने वाले एकमुश्त भुगतान के रूप में दिए जाएंगे।

फ्लोरिडा में विमान हादसा, रिहायशी इलाके के पास निजी जेट क्रैश; प्लेन में सवार सभी 9 लोगों की मौत

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में रविवार को एक बिजनेस जेट क्रैश हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 9 लोगों की मौत हो गई। एएफपी के मुताबिक, विमान टेक्सास से बहामास जा रहा था। हादसे से कुछ देर पहले पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को कहा, 'विमान तेजी से नीचे गिर रहा है, हम जमीन से टकराने वाले है। अब वक्त नहीं बचा।' इसके कुछ ही देर बाद विमान सड़क के पास जमीन से टकरा गया। टक्कर होते ही जोरदार धमाका हुआ जमीन पर बड़ा गड्ढा बन गया और आसपास के इलाके में आग फैल गई। हादसे की जगह राष्ट्रपति ट्रम्प के मार-ए-लागो आवास से करीब 14 किलोमीटर दूर है।

क्रैश से पहले पायलट ने 'मेडे' कॉल दी थी : एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और पायलट के बीच बातचीत की रिकॉर्डिंग सामने आई है। इसमें पायलट ने बताया कि मौसम खराब हो रहा है। विमान में बर्फ जम रही है और तेज झटके लग रहे हैं। हालात बिगड़ने पर पायलट ने 2 हजार फीट और ऊंचाई पर जाने की अनुमति मांगी। इसी दौरान विमान तेजी से नीचे गिरने लगा। स्थिति बिगड़ती देख पायलट ने इमरजेंसी घोषित कर दी।

पायलट ने रेडियो पर कहा, हम 8 हजार फीट नीचे जा रहे हैं... मेडे, मेडे... हम 10 हजार फीट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे गिर रहे हैं। हम जमीन से टकराने वाले हैं

30 हजार फीट/मिनट की रफ्तार से नीचे गिरा विमान : विमान हादसे से पहले 35 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। नीचे गिरते समय विमान की अधिकतम रफ्तार 30 हजार फीट प्रति मिनट तक पहुंच गई। अमेरिकी परिवहन मंत्री सीन डफी ने बताया कि यह हादसा दोपहर 12 बजकर 50 मिनट पर हुआ। उन्होंने इसे बेहद दर्दनाक हादसा बताया। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन जांच में मदद के लिए अपनी टीम भेज रहा है। यह टीम नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के साथ मिलकर हादसे की जांच करेगी।

600 लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया : हादसा रिहायशी इलाके में हुआ था। फ्लोरिडा के अधिकारियों के मुताबिक, विमान के मलबे और हादसे के असर के कारण करीब 600 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। उनके लिए दो शेल्टर बनाए गए। एविएशन इंडस्ट्री की वेबसाइट एविएशन इंटरनेशनल



रफ्तार से नीचे गिरा विमान : विमान हादसे से पहले 35 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। नीचे गिरते समय विमान की अधिकतम रफ्तार 30 हजार फीट प्रति मिनट तक पहुंच गई। अमेरिकी परिवहन मंत्री सीन डफी ने बताया कि यह हादसा दोपहर 12 बजकर 50 मिनट पर हुआ। उन्होंने इसे बेहद दर्दनाक हादसा बताया। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन जांच में मदद के लिए अपनी टीम भेज रहा है। यह टीम नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के साथ मिलकर हादसे की जांच करेगी।

600 लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया : हादसा रिहायशी इलाके में हुआ था। फ्लोरिडा के अधिकारियों के मुताबिक, विमान के मलबे और हादसे के असर के कारण करीब 600 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। उनके लिए दो शेल्टर बनाए गए। एविएशन इंडस्ट्री की वेबसाइट एविएशन इंटरनेशनल न्यूज के मुताबिक, हादसे का शिकार विमान साल 2004 में बना था। यानी हादसे के समय यह करीब 22 साल पुराना था। इस दौरान इलाके में भारी बारिश और गरज-चमक के साथ तूफान भी था। हालांकि, अभी यह साबित नहीं हुआ है कि खराब मौसम ही हादसे की वजह था। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि विमान क्रैश से पहले बिजली की लाइन से टकराया था। अधिकारियों ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है।

रिहायशी इलाके के पास सड़क पर गिरा विमान : हादसे का शिकार हुआ विमान लियरजेट-60 था। यह दक्षिण फ्लोरिडा के एक रिहायशी इलाके के ऊपर से गुजरते समय अचानक नीचे की ओर गिरा और सड़क के पास जोरदार धमाके के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद विमान में भीषण आग लग गई और आसमान में आग का बड़ा गोला दिखाई दिया। विमान सड़क के पास गिरा, जहां जमीन पर बड़ा गड्ढा बन गया। घटनास्थल पर चारों ओर आग की लपटें और काले धुएं का गुबार फैल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विमान रिहायशी मकानों के बेहद करीब गिरा। हादसे के दौरान वह घरों से कुछ ही दूरी पर सड़क के पास जा गिरा। मौके पर मौजूद लोग यह देखकर हैरान थे कि विमान मकानों और वहां से गुजर रहे वाहनों से टकराने से बाल-बाल बचा। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि हादसे में आसपास के मकानों को कोई नुकसान पहुंचा है या नहीं।

कारों में बैठे लोगों ने बनाया हादसे का वीडियो : हादसे के समय आसपास से गुजर रही कारों में बैठे कुछ लोगों ने विमान के आसमान से तेजी से नीचे गिरने का वीडियो रिकॉर्ड किया। वीडियो में विमान सड़क के पास गिरने के बाद आग के बड़े गोले में बदलता दिखाई दिया। घटनास्थल पर विमान के मलबे और सड़क के टूटे हिस्सों के आसपास आग की लपटें उठती रहीं।

हादसा मिलिट्री ट्रेल और 10वीं एवेन्यू नॉर्थ के पास हुआ। सूचना मिलते ही दमकलकर्मी और अन्य आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंच गईं। पाम बीच काउंटी शेरिफ कार्यालय ने सुरक्षा के मद्देनजर सड़क के दोनों ओर यातायात बंद कर दिया और वाहन चालकों से उस इलाके में जाने से बचने की अपील की।

क्वाड का आर्थिक सुरक्षा पर जोर, महत्वपूर्ण खनिजों और एआई में सहयोग बढ़ाएंगे भारत समेत चारों देश

वाशिंगटन , एजेंसी। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में आर्थिक और सामरिक सहयोग को नई दिशा देने के लिए भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने क्रिटिकल मिनरल्स आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करने, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), समुद्री सुरक्षा और डिजिटल संपर्क के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। चारों देशों ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करने वाले आर्थिक दबाव, मनमाने निर्यात प्रतिबंधों और बाजार को विकृत करने वाली नीतियों पर चिंता जताई है। अमेरिका के अटलांटा में 31 अक्टूबर को क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक संपन्न हुई।

इसके बाद संयुक्त बयान जारी किया गया। जिसमें आर्थिक सुरक्षा को वैश्विक स्थिरता और समृद्धि के लिए जरूरी बताया गया। बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी शामिल हुए। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी संयुक्त बयान के अनुसार, चारों देशों ने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर प्रतिबद्धता दोहराते हुए भरोसेमंद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण पर जोर दिया। उनका कहना है कि महत्वपूर्ण उद्योगों में जरूरत से ज्यादा उत्पादन, गैर-बाजार नीतियां और मनमाने निर्यात प्रतिबंध वैश्विक व्यापार तथा आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। क्वाड के महत्वपूर्ण खनिज पहल ढांचे के तहत चारों देश इलेक्ट्रॉनिक कचरे और कबाड़ से महत्वपूर्ण खनिजों को दोबारा हासिल करने, प्रसंस्करण संयंत्रों और रिफाइनरियों के विकास तथा वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने पर काम करेंगे। अमेरिका ने 'भारत और आसियान देशों में कचरे से महत्वपूर्ण खनिज निकालने वाली सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक करोड़ डॉलर की सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है।' इस पहल का उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों के लिए किसी एक आपूर्तिकर्ता पर निर्भरता कम करना है। इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा उद्योगों में इन खनिजों की बढ़ती जरूरत को देखते हुए यह सहयोग आर्थिक सुरक्षा के लिहाज से अहम है। एआई के क्षेत्र में भी क्वाड ने बड़ी पहल की घोषणा की है। संयुक्त विज्ञप्ति के अनुसार, चारों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भरोसेमंद एआई तकनीक तक पहुंच बढ़ाने के लिए आठ करोड़ 50 लाख डॉलर से अधिक की तकनीकी और वित्तीय सहायता देने का इरादा रखते हैं। इसके लिए क्वाड एसआई एक्सेलेरेटर के माध्यम से काम किया जाएगा। विज्ञप्ति में 'एसआई' यानी 'सुपर इंटेलिजेंस' का उल्लेख किया गया है, जिसे भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान के संदर्भ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में परिभाषित किया गया है।

हूती के खिलाफ सऊदी गठबंधन का अभियान, दावा- अहम सैन्य संसाधनों को किया तबाह

रियाद , एजेंसी। यमन में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा है कि उसने हूती गुट के महत्वपूर्ण संसाधनों को निष्क्रिय करने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया है। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मल्की ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा, 'अभियान रविवार सुबह चलाया गया। यह कदम सऊदी अरब और यमन में नागरिकों और नागरिक ठिकानों पर हूती विद्रोहियों के लगातार हमलों के जवाब में उठाया गया था।' अल-मल्की ने बताया कि हूती विद्रोही इन संसाधनों का इस्तेमाल अपने युद्ध प्रयासों को समर्थन देने और अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के लिए कर रहे थे, खासकर अपने बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन कार्यक्रमों के लिए। समाचार एजेंसी 'सिन्हुआ' के अनुसार, उन्होंने इस अभियान की जगह या इसके नतीजों के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। इसके अलावा, रविवार को यमन के दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन में स्थानीय निवासियों और एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि शहर में एक सरकारी सैन्य ठिकाने के पास हूती मिसाइल गिरी, जिससे एक जोरदार धमाका हुआ। अपना नाम न बताने की शर्त पर 'सिन्हुआ' से बात करते हुए अधिकारी ने बताया कि मिसाइल पश्चिमी अदन के अल-बुरैका जिले में उस सैन्य ठिकाने के पास गिरी, जिसका इस्तेमाल सऊदी समर्थित यमनी सरकारी सेना कर रही थी। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि इसकी गूंज कई इलाकों तक सुनाई दी। हूती समूह ने इस हमले पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। अदन, जो यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का अस्थायी मुख्यालय है, हाल के दिनों में हूती विद्रोहियों द्वारा किए जा रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों की चपेट में आ गया है। यमन 2014 के आखिर से ही संघर्ष में उलझा हुआ है। उस समय हूती विद्रोहियों ने राजधानी सना और उत्तरी यमन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था।

'नियमों का उल्लंघन' करने वाले तेल टैंकरों में विस्फोट, बारूदी सुरंग से टकराए थे दोनों: ईरान

तेहरान , एजेंसी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने दावा किया है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में पिछले कुछ घंटों के दौरान दो 'नियम उल्लंघन करने वाले' सुपरटैंकर समेत एक तेल टैंकर में धमाका हुआ। कथित तौर पर ये दोनों बारूदी सुरंगों (नेवल माइन्स) से टकराए जिससे विस्फोट हुआ और दोनों वहीं रुक गए। रविवार (स्थानीय समय) को आईआरजीसी के आधिकारिक समाचार आउटलेट 'सिपाह न्यूज' पर जारी एक बयान में, नौसेना ने कहा कि ये टैंकर जलडमरूमध्य में एक 'अनधिकृत' (बिना अनुमति वाले) रास्ते से गुजर रहे थे। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इसमें आगे कहा गया कि सुपरटैंकर में 'एक जोरदार विस्फोट हुआ और वह धू-धू कर जल रहा है।' बताया गया कि दोनों



जहाजों ने अपने नेविगेशन और पहचान प्रणालियों को बंद कर रखा था। ईरान ने 28 फरवरी को इस स्ट्रेट पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली थी। उसने इजरायल और अमेरिका के जहाजों-या उनसे जुड़े जहाजों - के सुरक्षित आवागमन पर रोक लगा दी थी। यह कदम ईरानी क्षेत्र पर उनके संयुक्त हमलों के बाद उठाया गया था। इससे पहले, आईआरजीसी के प्रवक्ता होसैन मोहेब्बी ने कहा कि ईरानी बलों ने 'दुश्मन' को नुकसान पहुंचाने और रोकने के लिए एक विशाल युद्धक्षेत्र तय कर लिया है। अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी के हवाले से सिन्हुआ ने बताया कि रविवार (स्थानीय समय) को ईरान के दक्षिण-पूर्वी केरमान प्रांत में एक सम्मेलन में मोहेब्बी ने कहा कि ईरानी बल 'दुश्मन को निर्णायक जवाब देने के लिए' पहले से कहीं अधिक तत्पर हैं। उन्होंने सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई द्वारा वरिष्ठ सैन्य कमांडरों को दिए गए हालिया आदेशों का जिक्र करते हुए कहा कि सुप्रीम लीडर के इन निर्देशों ने 'युद्ध का एक नया अध्याय' शुरू कर दिया है। मोहेब्बी ने खामेनेई की उस बात का उल्लेख खासतौर पर किया जिसमें कहा गया कि 'अमेरिका के साथ युद्ध में कोई भौगोलिक सीमा नहीं है।' उन्होंने कहा कि आईआरजीसी ने अपने एजेंडे में दुश्मन के नए ठिकानों की पहचान करना और नए भौगोलिक क्षेत्रों में अभियानों की योजना बनाना शामिल किया है। शनिवार को एक बयान में बताया गया कि ईरान के सर्वोच्च नेता ने सशस्त्र बलों के वरिष्ठ कमांडरों को आदेश दिया है कि 'दुश्मनों' की ओर से आने वाले किसी भी स्तर और प्रकार के खतरे का, बिना किसी भौगोलिक सीमा के, 'तत्काल और प्रभावी' जवाब दिया जाना चाहिए। ये चेतावनियां ऐसे समय में आई हैं।

ऑस्ट्रेलिया के करीब 75 फीसदी लोगों ने माना, 'एक साल में देश और बंटा'

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में राजनीतिक और सामाजिक विभाजन की खाई बढ़ती जा रही है। एक नए सर्वेक्षण में ये खुलासा हुआ है। करीब तीन-चौथाई नागरिकों ने माना कि उनका देश पिछले एक साल में पहले के मुकाबले अधिक बंट गया है। इसके साथ ही सरकार, राजनीतिक दलों और नेताओं पर जनता का भरोसा भी कमजोर हुआ है। स्वतंत्र थिंक टैंक मैकिनॉन की ने ये सर्वे कराया। सर्वेक्षण में 41.9 प्रतिशत लोगों ने इस बात से पूरी तरह सहमति जताई कि ऑस्ट्रेलिया पिछले 12 महीनों में अधिक विभाजित हुआ है, जबकि 32.5 प्रतिशत ने इससे कुछ हद तक सहमति जताई। इस तरह कुल 74.4 प्रतिशत लोगों ने देश में बढ़ते विभाजन को महसूस किया। सर्वेक्षण के मुताबिक, देश जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसे लेकर संतुष्ट लोगों की



संख्या भी घटी है। वर्ष 2025 में 28.8 प्रतिशत लोगों ने खुद को बहुत या कुछ हद तक संतुष्ट बताया था, लेकिन 2026 में यह आंकड़ा घटकर 26.1 प्रतिशत रह गया। वहीं, देश की दिशा को लेकर पूरी तरह असंतुष्ट लोगों की संख्या में 7.2 प्रतिशत अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, जून और जुलाई में हुए इस सर्वेक्षण में 4,000 से अधिक लोगों से ऑस्ट्रेलिया की राजनीतिक व्यवस्था, नेताओं और संस्थानों को लेकर उनकी राय पूछी गई। सर्वेक्षण में संघीय नेताओं और राजनीतिक दलों पर भरोसे में गिरावट भी सामने आई। वर्ष 2025 में 35.9 प्रतिशत लोगों ने संघीय राजनेताओं पर पूरा भरोसा जताया था, जो 2026 में घटकर 30.5 प्रतिशत रह गया। राजनीतिक दलों पर पूरा भरोसा रखने वालों का अनुपात भी 31.2 प्रतिशत से गिरकर 24.4 प्रतिशत पर आ गया। मैकिनॉन के अंतरिम कार्यकारी अध्यक्ष और विक्टोरिया राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री जॉन थ्वेट्स ने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों का लोकतंत्र की संस्थाओं पर भरोसा उस राजनीति के मुकाबले कहीं अधिक है, जो इन संस्थाओं के भीतर संचालित होती है। उन्होंने शिक्षा के आधार पर लोकतंत्र के प्रति संतुष्टि में अंतर को भी महत्वपूर्ण बताया। थ्वेट्स के अनुसार, 'विश्वविद्यालय की डिग्री या उससे अधिक शिक्षा प्राप्त लोगों में लोकतंत्र से संतुष्टि का स्तर 59 प्रतिशत है, जबकि हाईस्कूल या उससे कम शिक्षा वाले लोगों में यह केवल 39.7 प्रतिशत है। सर्वेक्षण में राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर भी असंतोष सामने आया। जब लोगों से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है।

अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के उम्मीदवारों की बड़ी दस्तक, 57 चेहरे मंगलवार को आजमाएंगे किस्मत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में इस बार भारतीय मूल के उम्मीदवारों की उल्लेखनीय मौजूदगी देखने को मिल रही है। ओहायो में गवर्नर पद से लेकर लॉस एंजिलिस के मेयर और मैसाचुसेट्स की सीनेट सीट तक, भारतीय मूल के 57 उम्मीदवार मंगलवार को मतदाताओं के बीच अपनी किस्मत आजमाएंगे। यह संख्या अमेरिकी राजनीति में भारतीय-अमेरिकी समुदाय की बढ़ती भागीदारी और राजनीतिक महत्वाकांक्षा को भी रेखांकित करती है। आईएएनएस ने देशभर से जुटाई एक लिस्ट के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इन 57 उम्मीदवारों में एक सीनेट, 11 प्रतिनिधि सभा, तीन राज्यव्यापी पदों, 36 राज्य विधानमंडलों और छह स्थानीय पदों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। सूची में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को शामिल किया गया है, जिनकी भारतीय मूल की पहचान की पुष्टि हो सकी है।

इसके अलावा 15 ऐसे संभावित उम्मीदवार हैं, जिन्हें भारतीय मूल का माना जा रहा है, लेकिन पर्याप्त पुष्टि नहीं होने के कारण सूची में जगह नहीं मिली है। इन चुनावों में सबसे अधिक निगाहें ओहायो पर रहेंगी, जहां रिपब्लिकन पार्टी के विवेक रामास्वामी गवर्नर पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एमी एक्टन को चुनौती दे रहे हैं।

रविवार को उपलब्ध फिफ्टीप्लसवन के पोलिंग औसत में एक्टन को करीब तीन अंकों की बढ़त दिखाई गई। रामास्वामी की उम्मीदवारी इसलिए भी अहम है क्योंकि वह राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं और उनकी जीत अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के नेताओं की स्थिति को एक



नई ऊंचाई दे सकती है। लॉस एंजिलिस में सिटी काउंसिल सदस्य नित्या रमन मौजूदा मेयर करेन बास को चुनौती दे रही हैं। यूसी बर्कले इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नमेंटल स्टडीज और लॉस एंजिलिस टाइम्स के संयुक्त सर्वेक्षण में दोनों उम्मीदवारों को 40-40 प्रतिशत समर्थन मिला, जबकि 19 प्रतिशत मतदाता अब भी अनिर्णीत थे। यह मुकाबला भी भारतीय मूल के उम्मीदवारों की बढ़ती राजनीतिक पहुंच का एक अहम उदाहरण है। न्यूयॉर्क में रिपब्लिकन उम्मीदवार सरिता कोमाटिरेड्डी अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स के खिलाफ मैदान में हैं। 28 अक्टूबर को जारी सिएना सर्वेक्षण में जेम्स को 54 प्रतिशत और कोमाटिरेड्डी को 39 प्रतिशत समर्थन मिला था। मैरीलैंड की लेफ्टिनेंट गवर्नर अरुणा मिलर भी दोबारा चुनाव जीतने की कोशिश में हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से वह गवर्नर पद के उम्मीदवार के साथ चुनावी मैदान में हैं, जबकि रिपब्लिकन टिकट में डैन कॉक्स शामिल हैं। सीनेट की एकमात्र भारतीय मूल के उम्मीदवार वाली दौड़ मैसाचुसेट्स में है। यहां शिवा अय्यादुरई निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में डेमोक्रेटिक सीनेटर एड मार्की को चुनौती दे रहे हैं।

अरब पार्टियों ने याशार को समर्थन दिया; चुनाव में किसी दल को बहुमत नहीं मिला

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट के साथ मिलकर सरकार बनाने को तैयार हैं। इजराइली मीडिया आई24 न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू ने इस गठबंधन की संभावना से इनकार नहीं किया है। वहीं, अरब पार्टियों जॉइंट लिस्ट और राअम ने आइजनकोट की याशार पार्टी को समर्थन देने का फैसला किया है। दरअसल, 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत नहीं मिला। 120 सीटों वाली संसद में सरकार बनाने के लिए 61 सीटें जरूरी हैं। नेतन्याहू की पार्टी लिकुड 27 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। मुख्य विपक्षी पार्टी याशार 21 सीटें जीतकर दूसरे नंबर पर है। लिकुड के गठबंधन की 53 और याशार के गठबंधन की 48 सीटें हैं। अरब पार्टियों को 19 सीटें मिली हैं। अब अगर याशार पार्टी अरब पार्टियों के साथ गठबंधन बनाती है तो उनके पास 67 सीटें हो जाएगी।

नेतन्याहू सभी विकल्पों पर विचार कर रहे : इजराइली मीडिया द्व24 न्यूज के मुताबिक, नेतन्याहू की पार्टी लिकुड के करीबी सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। वे आइजनकोट के साथ गठबंधन की संभावना को भी खारिज नहीं कर रहे हैं,



जबकि सार्वजनिक रूप से वे साझा सरकार बनाने की योजना से इनकार कर चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक, नेतन्याहू को चिंता है कि आइजनकोट अरब पार्टियों और कट्टरपंथी यहूदी धार्मिक दलों के साथ मिलकर वैकल्पिक सरकार बना सकते हैं। इससे उन्हें सत्ता से हटना पड़ सकता है।

विपक्षी दलों का समर्थन लेना : नेतन्याहू विपक्षी गठबंधन में शामिल कुछ दलों या सांसदों को अपने साथ लाने की कोशिश कर सकते हैं। विपक्ष के पास कुल 48 सीटें हैं। अगर इनमें से कुछ दल या सांसद नेतन्याहू का साथ देने को तैयार हो जाते हैं, तो वे बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों का आंकड़ा हासिल कर सकते हैं।

चुनौती- विपक्षी नेताओं ने चुनाव में नेतन्याहू को सत्ता से हटाने का वादा किया था। ऐसे में उनके लिए अब नेतन्याहू का समर्थन करना आसान नहीं होगा।

राष्ट्रीय एकता सरकार बनाना : नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट और उनके सहयोगियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता सरकार बना सकते हैं। इसमें अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां एक साथ आ सकती हैं। चुनौती- नेतन्याहू के कुछ सहयोगी भी इस विकल्प पर चर्चा कर चुके हैं। इससे नेतन्याहू को प्रधानमंत्री पद पर बने रहने का मौका मिल सकता है। लेकिन आइजनकोट पहले ही नेतन्याहू के नेतृत्व का विरोध कर चुके हैं। ऐसे में दोनों के बीच सहमति बनना मुश्किल हो सकता है।

अल्पमत सरकार बनाना : नेतन्याहू अल्पमत सरकार बनाने का विकल्प भी चुन सकते हैं। ऐसी सरकार के पास अपने गठबंधन में 61 सांसद नहीं होते। इसके बावजूद वह संसद में दूसरे दलों के समर्थन या उनके विरोध न करने के भरोसे चल सकती है।

चुनौती- ऐसी सरकार को बजट पास कराने, विश्वास मत जीतने और दूसरे जरूरी फैसलों के लिए बार-बार दूसरे दलों का समर्थन जुटाना पड़ता है। इसलिए अल्पमत सरकार बनाना ही नहीं, उसे लंबे समय तक चलाना भी मुश्किल होगा। आइजनकोट अरब पार्टियों जॉइंट लिस्ट और राअम के समर्थन से सरकार बना सकते हैं। विपक्षी गठबंधन की 48 और अरब पार्टियों की 19 सीटें मिलाकर उनके पास 67 सांसदों का समर्थन है। यह बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों से ज्यादा है। आइजनकोट और अरब पार्टियों के बीच कई नैतिक मतभेद हैं। साथ ही नेतन्याहू भी इसे देश के साथ गद्दारी बता चुके हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)